शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 16 | गुवाहाटी | बुधवार, 9 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

एपीपीसीसी उम्मीदवारों के लिए पीआरसी अनिवार्य पेज 3
सशस्त्र बलों की मजबूती के लिए लोकसभा से पारित विधेयक राज्य सभा में पेश पेज 4
अच्छा है अब समाजवादियों को भी जनसंख्या की चिंता सताने... पेज 5
नए जिलों में एससी-एसटी एक्ट की जांच के लिए डिप्टी एसपी की अध्यक्षता... पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
समस्त कार्य पूर्व मंत्रणा से करने चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

## परेश बरुवा मेहमान बनकर आएं : मुख्यमंत्री



**गुवाहाटी ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अल्फा (स्वा.) के प्रमुख परेश बरुवा एक सप्ताह या 10 दिनों के लिए असम में मेहमान बनकर आयें। उन्हें बदली हुई परिस्थिति जरूर नजर आएगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि परेश बरुवा स्वयं समझदार हैं। मेरे कहने से नहीं, बल्कि स्वयं यदि वे ऐसा आवश्यक समझेंगे तब असम आ सकते हैं। आज मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए एक प्रकार से परेश बरुवा को सेफ पैकेज दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परेश बरुवा को असम में आकर अच्छा लगेगा । क्योंकि, जिस परिस्थिति में परेश बरुवा यहां से गए थे- उनके मन में यह था कि बाहर से लोग आकर असम पर शासन कर रहे हैं। लेकिन, आज वे आकर देखेंगे तो उन्हें मिलेगा कि असम के लोग बाहर जाकर रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उन्हें युद्धविराम करने नहीं कहते हैं। सिर्फ आकर रहने के लिए कहते हैं। वहीं, एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि म्यांमार में दो नगा उग्रवादी गुटों के बीच चल रही लड़ाई में अल्फा (स्वा.) के कैडर फंसे हुए हैं। वे दिक्कतों में हैं। कई लोग वापस आने के लिए संपर्क भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अपील की कि अल्फा के सभी नेता तथा कैडर असम वापस आ जाएं।

## विपक्षी गठबंधन घमंडिया, अविश्वास प्रस्ताव पर मारेंगे छक्का : मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए (इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस) को नया नाम *घमंडिया* दिया है। भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव की तुलना क्रिकेट मैच के अंतिम ओवर से करते हुए सांसदों से छक्का मार कर जीतने को कहा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव सरकार के खिलाफ नहीं है, बल्कि खुद के ऊपर भरोसे को परखने की कोशिश है। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए द्वारा खुद को इंडिया बताने पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि असल में यह घमंडिया गठबंधन है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को बहुत घमंड है और वे तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। ये लोग गठबंधन बनाकर भाजपा को चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि घमंडिया गठबंधन को हमें एकता से जवाब देना है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने राज्यसभा में दिल्ली की सेवाओं से संबंधित बिल के राज्यसभा से पास होने को लेकर भी विपक्ष पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि विपक्ष का सेमीफाइनल का मन था और कल सेमीफाइनल हो गया और नतीजा सबके सामने है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी गठबंधन में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

## नो ब्रिज... नो वोट अरुणाचल के ग्रामीणों की धमकी

**इटानगर।** अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले के तीन गांवों के लोगों ने धमकी दी है कि अगर सरकार नदी पर स्थायी पुल बनाने में विफल रहती है, तो अगले साल होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करेंगे। गांववालों की 2014 से यह प्रमुख मांग है। जो तीन गांव शामिल है उनमें से हैं- राइम मोको, पिडी राइम और टोडी राइम - की आबादी लगभग 400 है और उनमें से लगभग 300 मतदाता हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, पूर्वोत्तर राज्य की जनसंख्या केवल 13.84 लाख है। अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय लोगों ने एक अस्थायी -शेष पृष्ठ दो पर

## कांग्रेस देश को गुमराह नहीं करे : डॉ. शर्मा

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस पार्टी से कहा है कि वह देश की जनता को गलत तथ्य देकर गुमराह न करे। मुख्यमंत्री ने आज शाम राजधानी दिसपुर जनता भवन मुख्यमंत्री कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने आज लोकसभा में जिस प्रकार गलत तथ्यों के आधार पर वक्तव्य दिया, वह बिल्कुल हास्यास्पद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1985 में राजीव गांधी ने कांग्रेस की उस सरकार को भंग किया थी जिसे असम की जनता ने वोट देकर नहीं जिताया था। वह एक कांग्रेस की फर्जी सरकार थी। जनता के बहिष्कार के बावजूद अपने वोट से ही विधायक चुनाव जीतकर विधानसभा में पहुंचे थे। ऐसी सरकार को गिराना राजीव गांधी के लिए मजबूरी थी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### पुलिस पर तेजाब फेंकनेवालों की तलाश

**अगरतला ( हि.स. )।** पुलिस वैन पर तेजाब फेंकने वालों की तलाश अगरतला पुलिस सरगर्मी से कर रही है। ज्ञात हो कि पश्चिम त्रिपुरा के मोहनपुर उपमंडल के अंतर्गत सिमना इलाके में सोमवार की शाम एक पुलिस वैन पर तेजाब हमले में दो पुलिस अधिकारियों सहित पांच लोग झुलस गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि रात में गंभीर रूप से घायल सभी लोगों को अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां अब वे खतरे से बाहर हैं। आज पुलिस प्रवक्ता -शेष पृष्ठ दो पर

### छह राज्यों में उपचुनाव, पांच सितंबर को मतदान

**नई दिल्ली।** चुनाव आयोग ने विधानसभा की सात सीटों पर उपचुनाव का एलान कर दिया है। जिन राज्यों में यह उपचुनाव होने हैं, उनमें झारखंड, त्रिपुरा, केरल, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। इन छह राज्यों की सात विधानसभाओं के लिए उपचुनाव पांच सितंबर को होंगे। जानकारी के मुताबिक, झारखंड की डुमरी विधानसभा सीट जगरनाथ महतो (जेएमएम) के निधन के बाद खाली हुई थी। इसी तरह केरल की पुथुपल्ली विधानसभा सीट ओमान चांडी (कांग्रेस), त्रिपुरा की बोक्सानगर सीट समसुल हक (सीपी-आईएम), -शेष पृष्ठ दो पर

## सीएम ने की मेगा ऑयल-पाम प्लांटेशन की शुरुआत

**तिनसुकिया ( हि.स. )।** मेगा ऑयल-पाम प्लांटेशन अभियान की औपचारिक शुरुआत आज मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने तिनसुकिया में ऑयल पाम का पौधा लगाकर की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ योगगुरु स्वामी रामदेव भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने यहां लगाए गए स्टालों का भी दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने किसानों को बताया कि किस प्रकार इस खेती के जरिए उनकी आमदनी बढ़ जाएगी और वे -शेष पृष्ठ दो पर

## अविश्वास प्रस्ताव पर पक्ष-विपक्ष के बीच जमकर हुई छींटाकशी

**नई दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो चुकी है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू की। इस चर्चा में राहुल गांधी भी शामिल हुए। तीन दिनों में करीब 18 घंटे तक सदन में चर्चा होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को अविश्वास प्रस्ताव पर जवाब देंगे। अविश्वास प्रस्ताव पर मंगलवार को शाम छह बजे तक चर्चा हुई और लोकसभा को कल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बता दें कि अविश्वास प्रस्ताव पर संसद में तीन दिनों तक चर्चा होनी है। माना जा रहा है कि राहुल गांधी भी परसों यानी 10 अगस्त को सदन में बोलेंगे। सदन में पार्टी के उप नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को चर्चा के लिए रखते हुए यह सवाल भी किया कि प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा क्यों नहीं किया और मणिपुर के मुख्यमंत्री (एन बीरेन सिंह) को पद पर क्यों बनाए रखा? उन्होंने दावा भी किया कि प्रधानमंत्री मौन रहना चाहते हैं क्योंकि उन्हें सिर्फ अपनी छवि से लगाव है और वह अपनी सरकार, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की विफलताओं को सामने नहीं आने देना चाहते। कांग्रेस सांसद का कहना था कि यह हमारी मजबूरी है कि हमें यह अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा है। यह संख्या को लेकर नहीं है, बल्कि मणिपुर के इंसाफ -शेष पृष्ठ दो पर

## पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया : रिजिजू

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** अरुणाचल प्रदेश से सांसद और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने मंगलवार को लोकसभा में मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने आंकड़ों के जरिए यह बताया कि पूर्वोत्तर और देश के विकास में उनकी सरकार का क्या योगदान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूर्वोत्तर को भारत का हिस्सा कहती है लेकिन कांग्रेस शासन में पूर्वोत्तर के विकास के लिए कुछ नहीं किया गया। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर करीब एक घंटे के अपने भाषण में रिजिजू ने कहा कि पिछले नौ सालों में पूर्वोत्तर में कोई बढ़ी घटना नहीं हुई। उन्होंने कहा कि राजनीति में इतना भी अंधा नहीं हो जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस के हर स्टेशन में आज पूर्वोत्तर से एक नियुक्ति है। इसका मकसद यहां -शेष पृष्ठ दो पर

## लड़कियों से छेड़छाड़ करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं : गहलोत

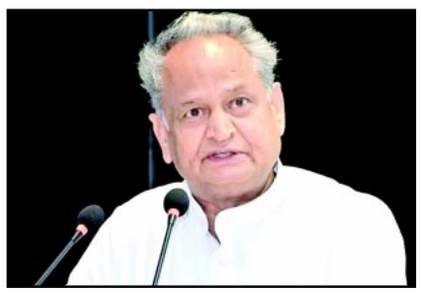



**जयपुर।** राजस्थान में लड़कियों से छेड़छाड, दुष्कर्म और दुष्कर्म का प्रयास करने वालों को अब सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। ऐसा करने वालों के चरित्र प्रमाण पर लिखा जाएगा कि ये छेड़छाड़ में शामिल रहा है। मंगलवार को सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। सीएम गहलोत ने ट्वीट कर बताया कि राज्य सरकार ने फैसला किया है कि बालिकाओं, महिलाओं से छेड़छाड़, दुष्कर्म के प्रयास और दुष्कर्म करने वाले आरोपियों व मनचलों को सरकारी नौकरियों से प्रतिबंधित किया जाएगा। इसके लिए छेड़छाड़ करने वाले मनचलों का भी पुलिस थानों में हिस्ट्रीशीटरों की तरह रिकॉर्ड रखा जाएगा। राज्य सरकार/ पुलिस की ओर से जारी किए जाने वाले इनके चरित्र प्रमाण पत्र पर यह अंकित किया जाएगा कि ये लोग छेड़छाड़ की घटनाओं में शामिल रहा है। सीएम ने कहा कि ऐसे असमाजिक तत्वों का सामाजिक बहिष्कार करना आवश्यक है। बता दें कि सीएम अशोक गलहोत ने पिछले -शेष पृष्ठ दो पर

## मेघालय के सीएम, विस अध्यक्ष और मंत्रियों ने की पीएम से मुलाकात

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा, राज्य विधानसभा अध्यक्ष थॉमस ए संगमा और राज्य के मंत्रियों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मुलाकात की तस्वीर ट्विटर पर साझा किया है। इसमें लिखा कि मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा, राज्य विधानसभा के अध्यक्ष थॉमस ए संगमा और मेघालय सरकार के मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

## मणिपुर पुलिस का असम राइफल्स पर की एफआईआर

**इंफाल।** मणिपुर पुलिस ने पिछले सप्ताह दो समूहों के बीच हुए विवाद के बाद उनके वाहन को रोकने का आरोप लगाते हुए असम राइफल्स के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। वहीं, सेना से जुड़े सूत्रों ने इस प्राथमिकी न्याय का उपहास बताया और कहा कहा कि अस राइफल्स, कुकी और मैतई क्षेत्रों के बीच बफर जोन की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए कमांड मुख्यालय द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन कर रही थी। प्राथमिकी पांच अगस्त को दर्ज की गई थी। पुलिस ने आरोप लगाया था कि असम -शेष पृष्ठ दो पर

## अमेरिका में तूफान : 10 लाख से अधिक घरों की बिजली गुल, हजारों उड़ानें रद्द

**वाशिंगटन।** अमेरिका में अचानक भारी तूफान के कारण मची तबाही से 2 लोगों की मौत हो गई। इसके बाद हजारों अमेरिकी उड़ानें रद्द कर दी गईं। इसको लेकर स्थानीय मौसम विभाग ने भी अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने को कहा है। मौसमी आफत के कारण 10 लाख से अधिक लोगों के घरों की बिजली चली गई है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने ग्रेटर डी.सी. क्षेत्र के लिए बवंडर घड़ी जारी की, जो रात 9 बजे तक जारी रहेगी। नेशनल वेदर सर्विस के मौसम विज्ञानी क्रिस स्ट्रॉन्ग ने एक फेसबुक लाइव ब्रीफिंग में कहा कि यह मध्य-अटलांटिक में सबसे प्रभावशाली गंभीर मौसम घटनाओं में से एक है, जो हमने पिछले कुछ समय में देखी है। विशेष मौसम सेवा ने चेतावनी दी है कि हानिकारक और स्थानीय रूप से विनाशकारी तूफान एक बड़ा खतरा है, साथ ही बड़े ओले और एक मजबूत बवंडर की भी संभावना है। उड़ान ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटअवेयर के अनुसार, सोमवार रात तक 2,600 से अधिक अमेरिकी उड़ानें रद्द कर दी गईं और लगभग 7,900 उड़ानें देर से चल रही हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

## पाकिस्तान पीएम को सेना मुख्यालय में दी गई विदाई



**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। प्रधानमंत्री शरीफ का कहना है कि वह बुधवार को नेशनल असेंबली को भंग करने की सिफारिश करेंगे। दरअसल, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि वह पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को समय से पहले भंग करने के लिए बुधवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को पत्र लिखेंगे। शरीफ ने इस्लामाबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कल हमारी सरकार का कार्यकाल पूरा होने के बाद मैं नेशनल असेंबली को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को एक पत्र लिखूंगा। बता दें कि अगर शहबाज शरीफ अपने पद से इस्तीफा देंगे तो एक अंतरिम सरकार देश का कार्यभार संभालेगी। संसद के निचले सदन का पांच साल का कार्यकाल 12 अगस्त को खत्म हो रहा है। राष्ट्रपति अल्वी अगर प्रधानमंत्री की सलाह को स्वीकार करते हैं तो 48 घंटे के भीतर नेशनल असेंबली को भंग किया जा सकता है। सरकार ने घोषणा की है कि निर्धारित अवधि से तीन दिन पहले नेशनल असेंबली भंग कर दी जाएगी, -शेष पृष्ठ दो पर

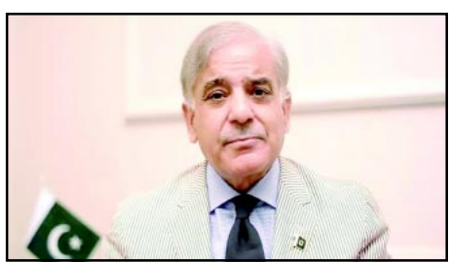

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
**ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
**Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# गुजरात से मेघालय होगा भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण : कांग्रेस



**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी जल्द ही बहुचर्चित भारत जोड़ो यात्रा का अपना दूसरा चरण शुरू करने वाले हैं। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने दावा करते हुए कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण गुजरात से शुरू होकर पूर्वोत्तर राज्य मेघालय तक चलेगा। पिछले साल राहुल गांधी ने सितंबर में भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जो कन्याकुमारी से श्रीनगर तक की थी। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा को काफी सफल माना था। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा जिन इलाकों से निकली वहां कांग्रेस ने हाल ही में हुए विधानसभा में जीत हासिल की थी और कांग्रेस तो दावा कर रही है कि इस यात्रा के बाद से लोगों के मन में राहुल की छवि बदली है। भारत जोड़ो यात्रा के पहले चरण में राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक लगभग 4,000 किलोमीटर पैदल चले थे, यह यात्रा करीब 130 तक चली थी। हालांकि राहुल गांधी कब दूसरी चरण शुरू करेंगे इसके बारे कोई तारीख और रूट सामने नहीं आया है। राजनीतिक विश्लेषकों और वरिष्ठ पत्रकारों के अनुसार, राहुल की भारत जोड़ो यात्रा ने निस्संदेह कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भाजपा से मुकाबला करने के लिए नई ऊर्जा दी है। वहीं अगले साल लोकसभा चुनाव भी होने में जिसको लेकर कांग्रेस इसका लाभ जरूर उठाना चाहेगी।

## देरगांव : तालाब में गिरकर युवक की मौत

**गोलाघाट ( हिंस )।** देरगांव के पास बरुवागांव के काकोती चौक स्थित तालाब में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह यह दर्दनाक हादसा हुआ। मृत युवक की पहचान अनुपम भराली के रूप में की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हर दिन की तरह मंगलवार की सुबह भी युवक घर के पास स्थित विशाल तालाब में मछलियों को दाना डालने गया था। हाथ में भाला था। युवक अचानक तालाब में फिसल गया। युवक को स्थानीय लोगों ने तालाब से निकाला। कुछ दूरी पर चारपाई पकड़े एक महिला यह दृश्य देखकर चिल्लाने लगी। बेहोश पड़े युवक को स्थानीय लोगों की मदद से देरगांव के सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दुखद घटना से इलाके में शोक का माहौल है।

*बिहार कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला*

# प्रवासी मजदूर की मौत पर दोगुना किया मुआवजा



**पटना।** बिहार कैबिनेट ने मंगलवार को देश के अन्य हिस्सों में या देश के बाहर प्रवासी मजदूरों की मौत पर अनुग्रह राशि (मुआवजा) दोगुना कर 2 लाख रुपए करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पहले मृतक के परिवार को बिहार सरकार एक लाख रुपए की अनुग्रह राशि देती थी, जो आखिरी बार 2008 में बढ़ाई गई थी। अनुग्रह राशि बढ़ाने का फैसला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। पत्रकारों से बात करते हुए अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा कि राज्य सरकार ने देश के अन्य हिस्सों में या देश के बाहर प्राकृतिक आपदा या हादसे में प्रवासी मजदूरों की मौत पर अनुग्रह राशि बढ़ाने का फैसला किया है, जो दुर्घटना/हादसे के 180 दिन के भीतर पीड़ित परिवार को दिया जाएगा। यह प्रस्ताव राज्य श्रम संसाधन विभाग ने कैबिनेट के समक्ष रखा था। इसके पहले मृतक के परिवार को एक लाख रुपए देने का प्राविधान था, जो अंतिम बाद 2008 में संशोधित किया गया था, अब पीड़ित परिवार को दो लाख रुपए मिलेंगे। वहीं, हादसे में स्थायी विकलांगता होने पर एक लाख रुपए की अनुग्रह राशि के हकदार होंगे, जो पिछले प्राविधान में 75,000 रुपए हुआ करती थी, जबकि आंशिक विकलांगता होने पर अनुग्रह राशि को दोगुना कर 75,000 रुपए किया गया है। इसके साथ ही कैबिनेट ने राज्य के कई औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचागत सुविधाओं के निर्माण और विकास के लिए 409 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं, जो राज्य में निवेशकों को आकर्षित करेंगे और इसे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

# अज्ञात महिला का शव मिला



**गुवाहाटी।** एक अज्ञात महिला का शव बीते सोमवार को लगभग साढ़े नौ बजे जीएमसीएच को प्राप्त हुआ। जिसे जीएमसीएच मुरदाघर में रखा गया है। प्राप्त समाचार के अनुसार अब तक किसी व्यक्ति ने अज्ञात शव को प्राप्त करने के लिए संपर्क नहीं किया है। इस सिलसिले में भांगागढ़ थाने को भी जानकारी दे दी गई है।

# ज्ञानवापी : एएसआई टीम ने गुंबद पर चढ़ कर नक्काशी को परखा

**वाराणसी ( हि.स. )।** ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम ने मंगलवार शाम को लगातार पांचवें दिन की सर्वे प्रक्रिया पूरी की। सर्वे के बाद एएसआई टीम के साथ वादी और प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ता भी परिसर से बाहर आए। इस सर्वे पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं। विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइटों पर सर्वे से जुड़े कई वीडियो और फोटोग्राफ तेजी से वायरल हो रहे हैं। इसके मद्देनजर कड़ी सुरक्षा के बीच सर्वे प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वादी हिन्दू पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु जैन ने मीडियाकर्मियों को बताया कि जिला न्यायालय ने सर्वे के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। उसी के अनुरूप कार्य हो रहा है। पांचवें दिन ज्ञानवापी परिसर के चारों तरफ टीम ने सर्वे किया। वादी पक्ष के ही अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी ने पत्रकारों को बताया कि एएसआई टीम अपने तरीके से काम कर रही है। टीम पूरे परिसर में सर्वे कर रही है। परिसर के व्यास जी के तहखाने में सर्वे चल रहा है। तथ्यों को संजोया जा रहा है फिर एएसआई रिपोर्ट तैयार करेगी। पांचवें दिन एएसआई टीम ने गुंबद और व्यास तहखाने में सर्वे किया। टीम ने ज्ञानवापी के विशाल गुंबदों पर चढ़कर सर्वे किया। इसे लोग सड़क पर खड़े होकर देखते रहे। सूत्रों ने बताया कि टीम ने विशाल गुंबद की नक्काशी की कार्बन कॉपी तैयार किया। टीम ने पश्चिमी दीवार के साथ परिसर में मिले ताखे की शैली को कागजों पर उतारा। टीम ने तहखाने में मिली कलाकृतियों, गुंबदों की सीढ़ियों के पास बने कलशनुमा कलाकृति की भी स्कैनिंग की। श्रृंगार गौरी स्थल के साथ ज्ञानवापी के उत्तरी और दक्षिणी छोर का भी सर्वे किया गया। ज्ञानवापी के विशाल गुंबद पर एक युवक के सीढ़ी लगाकर चढ़ने का वीडियो पूरे दिन वायरल होता रहा। वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक युवक बांस की सीढ़ियों के सहारे गुंबद पर चढ़ने का प्रयास करता दिखा। कुछ ऊपर गया, इसके बाद सीढ़ी से नीचे आ गया और सीढ़ी उठाकर अंदर चला गया। इस वीडियो पर हिंदू पक्ष ने आपत्ति जताई। उधर, इस वीडियो पर प्रदेश के डीजीपी ने तत्काल संज्ञान लिया और वाराणसी पुलिस से जानकारी ली तो पता चला कि गुंबद पर चढ़ने वाला व्यक्ति सर्वे टीम में ही शामिल रहा।

# काजीरंगा के सार्वजनिक खेल मैदान में बनेगा हेलीपैड

**गोलाघाट ( हिंस )।** सरकार काजीरंगा में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर एक हेलीपैड के निर्माण की योजना बना रही है। आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने काजीरंगा के गेलेकी स्थित सार्वजनिक खेलमैदान में हेलीपैड के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री अपने दो दिवसीय दौरे पर गोलाघाट जिले में हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने निर्णय लिया था कि प्रत्येक जिले में वे महीने का 2 दिन बिताएंगे। इसी कार्यक्रम के तहत वे सोमवार को गोलाघाट पहुंचे थे। वे आज भी गोलाघाट जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में सुबह से ही भाग ले रहे हैं। बोकाखात के विधायक और कैबिनेट मंत्री अतुल बोरा ने कहा कि काजीरंगा में पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण असम सरकार हेलीपैड बनाने पर विचार कर रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि हेलीपैड बनाने के लिए जमीन के विकल्प के तौर पर एक अन्य स्थल पर विचार किया जा रहा है।

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *विपक्षी गठबंधन घमंडिया...*

दलों के परिवारवाद और भ्रष्टाचार में लिप्त होने का भी जिक्र किया और कहा कि इससे देश को निजात दिलाने का समय आ गया है। इस सिलसिले में उन्होंने *क्विट इंडिया करप्शन* और *क्विट इंडिया परिवारवाद* का नारा दिया। पिछले नौ सालों की सरकार की उपलब्धियों का हवाला देते हुए उन्होंने सांसदों को कहा कि अभी तक हमने जो भी काम किया है और खासकर दलितों, वंचितों और महिलाओं के लिए यदि उसे जनता के बीच सही से ले जाएंगे तो परिवारवाद और भ्रष्टाचार में डूबे दलों को सही जवाब मिल जाएगा। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू होने के ठीक पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा सांसदों को 2018 में विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव का भी हवाला दिया। उस समय अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2023 में विपक्ष ऐसा ही अविश्वास प्रस्ताव लाएगा। 2019 की जीत ने 2023 में इसे संभव बना दिया। उन्होंने इस बार भी इस अविश्वास प्रस्ताव का एकजुट होकर जवाब देने को कहा।

## *नो ब्रिज... नो वोट ...*

पुल बनाया हुआ है जिसमें एक तरफ लकड़ी की रेलिंग के साथ यह 20 मीटर लंबा है। यह लकड़ी का पूल रोजाना के लिए तो ठीक है लेकिन यह मानसून के दौरान उपयोगी नहीं है क्योंकि यह पिसम नदी की सहायक नदी हिजम के जल स्तर से नीचे चला जाता है। राइम मोको गांव में रहने वाले पोकपे राइम ने कहा कि जब नदी उफान पर होती है, तो माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते हैं। उन्हें डर है कि बच्चे लॉग ब्रिज से फिसल सकते हैं। उचित पुल के अभाव में, चाहे मानसून हो या न हो, किसी मरीज को अस्पताल ले जाना बेहद मुश्किल होता है। पोकपे ने कहा कि हमें मरीजों को अपनी पीठ पर लादकर नदी पर बने लॉग ब्रिज को पार करके निक्टे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या आलो जनरल अस्पताल ले जाना पड़ता है। गांवों के लोगों का मानना है कि सड़क संपर्क का मुद्दा क्षेत्र को आर्थिक और सामाजिक रूप से भी प्रभावित कर रहा है। रीम मोको, पिडी रीम और टोडे रीम गांवों के निवासियों ने हाल ही में इस मुद्दे पर आपस में चर्चा की और राज्य सरकार से पिडी रीम से हिजुम तक एक बारहमासी सड़क और नदी पर एक स्थायी पुल बनाने का आग्रह करने का संकल्प लिया।

## *कांग्रेस देश को...*

कि पूर्वोत्तर की आज यह हालत आजादी के बाद से लेकर अब तक रही कांग्रेस सरकारों की गलत नीतियों के कारण हुई है। पूर्वोत्तर के एक-एक मुद्दे आजादी के समय से या आजादी के पहले से ही उलझे हुए हैं, जिन्हें सुलझाने की कभी कोशिश नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पूर्वोत्तर के मामलों के लिए अपना एक सलाहकार एंग्लो इंडियन को नियुक्त किया था। इसी से पूर्वोत्तर के प्रति कांग्रेस की आंतरिक राजनीतिक मनसा का पता चलता है। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि असम आंदोलन से लेकर नगालैंड या पूर्वोत्तर के किसी भी आंदोलन के समय कांग्रेस के कौन से प्रधानमंत्री यहां आए थे ? उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों का सबसे अधिक दौरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के बयानों की एक-एक कर धज्जियां उड़ा दी।

## *सीएम ने की मेगा ...*

आत्मनिर्भर हो जाएंगे। इस दौरान इस खेती की पद्धति भी बताई गई। तिनसुकिया जिले के सैखोवाघाट के निकटवर्ती ढोला में एनएचईओ-ओपी कार्यक्रम के तहत ऑयल पाम मेगा प्लांटेशन अभियान आज चलाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद्य तेलों के उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने खाद्य तेलों पर इस राष्ट्रीय मिशन की परिकल्पना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज असम तिनसुकिया जिले के जरिए इस महत्वपूर्ण आंदोलन में शामिल हो गया है । उन्होंने कहा कि असम में 3.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर ऑयल पाम की खेती के किए जाने का लक्ष्य है।

## *अविश्वास प्रस्ताव पर...*

के लिए है। गोगोई ने कहा कि यह अविश्वास प्रस्ताव हम मणिपुर के लिए लाए हैं। आज मणिपुर इंसाफ मांगता है, मणिपुर के युवा, महिलाएं इंसाफ मागती हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमारी मांग थी कि देश के मुखिया होने के नाते प्रधानमंत्री सदन में बयान दें और यहां से सदेश दिया जाए कि दुख की घड़ी में हम मणिपुर के लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने मौन व्रत लिया। इसलिए हम यह अविश्वास प्रस्ताव लाए क्योंकि हम प्रधानमंत्री का मौन व्रत तोड़ना चाहते हैं। चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सदस्य मनीष तिवारी ने कहा कि किसी भी सरकार का मूल्यांकन पांच बिंदुओं- आर्थिक विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता, कूटनीतिक रिश्ते और सांप्रदायिक सद्भाव पर किया जाता है, लेकिन इन पांचों बिंदुओं पर सरकार पूरी तरह विफल रही है। तिवारी ने कहा कि मणिपुर की सीमा म्यामां जैसे देश से लगती है जिसके सैन्य शासन के चीन के साथ रिश्ते जगजाहिर हैं। उनका कहना था कि मणिपुर या उत्तर पूर्व के किसी राज्य में सामाजिक उथल पुथल होती है तो उसका असर केवल उस राज्य पर नहीं बल्कि पूरे उत्तर पूर्व पर और देश की सुरक्षा पर पड़ता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रशासित प्रदेश के गठन को चार साल हो गए हैं, लेकिन अभी तक चुनाव नहीं कराए गए हैं। तिवारी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा किया गया था, लेकिन अब तक यह नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आप जब संविधान की धाराओं के साथ छेड़छाड़ करते हैं तो उसके दूरगामी परिणाम पड़ते हैं। उन्होंने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ गतिरोध का जिक्र करते हुए कहा कि क्या सरकार चीन की राजनीतिक मंशा समझ पाई है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद सितंबर 2020 में सदन की बैठक हुई थी और तब से अब तक चीन पर सदन में कोई चर्चा नहीं हुई है। तिवारी ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर हो चुकी 18 दौर की सैन्य वार्ता, विदेश मंत्रालय स्तर की वार्ता का क्या निष्कर्ष निकला, बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि सवाल बहुत हैं लेकिन संवाद की कमी है। यदि संवाद होता तो इंडिया को यह अविश्वास प्रस्ताव लाने की जरूरत नहीं पड़ती। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि विगत नौ वर्षों में राज्यों में विपक्षी सरकारों को अस्थिर किया गया, महंगाई बढ़ी, एलपीजी की कीमत बढ़ी, संस्थाओं को नुकसान पहुंचाया गया, कई महत्वपूर्ण सूचकांकों के आधार पर भारत नीचे के स्तर पर आया, मणिपुर, हरियाणा और कुछ अन्य जगहों पर हिंसा हुई है। उन्होंने दावा किया कि नौ साल में भाजपा ने नौ सरकारें गिराई हैं। सुप्रिया ने कहा कि मुझे इस सरकार में विश्वास नहीं है क्योंकि यह किसान विरोधी है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि मणिपुर में इतनी हिंसा हुई, महिलाओं पर अत्याचार हुए लेकिन केंद्र सरकार 70 दिन चुप रही। भाजपा की सुनीता दुग्गल ने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है और अब लोग उस पर विश्वास करने वाले नहीं हैं। उन्होंने राम मंदिर का निर्माण होने और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के निरस्त किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि अब हमारा लक्ष्य समान नागरिक संहिता है। हमारी कोशिश होगी कि हम जल्द से जल्द इसे सदन में लेकर आएं। डीएमके के टी आर बालू ने कहा कि सत्ता पक्ष की ओर उनके कुछ मित्र हैं, वाजपेयी जी की पार्टी होने के नाते सत्तारूढ़ पार्टी से उनका जुड़ाव रहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मित्र ही हैं, लेकिन वर्तमान सरकार को बुराई ने घेर लिया है, ऐसे में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले काफी दिनों से संसद सत्र चल रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री सदन में नहीं आए, ऐसे में विपक्ष के पास अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि जब महिलाओं के खिलाफ अपराध की बात होती है तो उत्तर प्रदेश की भी चर्चा होनी चाहिए। यादव ने दावा किया कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में हर तीन घंटे में एक महिला का यौन उत्पीड़न होता है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना मामूली नहीं। सपा सदस्य ने कहा कि मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र सरकार का रवैया संवेदनाहीन है और वह अहंकार में डूबी है। डिंपल यादव ने इसे राज्य प्रायोजित हिंसा होने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में आना चाहिए और इस बारे में अपनी बात रखनी चाहिए। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रिजिजू ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की वर्षों तक सत्ता में रहकर की गई लापरवाही और खराब नीतियों के चलते मणिपुर का आज यह हाल हुआ है। रिजिजू ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान कहा कि मणिपुर में जो संघर्ष हो रहा है उसकी चिंगारी वर्तमान की नहीं है बल्कि वर्षों तक राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया गया, यह उसी का नतीजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद कोई आतंकवादी गुट मणिपुर में नहीं खड़ा हुआ है। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने दावा किया कि विपक्षी दलों को संप्रग नाम से शर्म आती है, इसलिए उन्होंने अपने गठबंधन का नाम *इंडिया* गठबंधन कर लिया। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि महाराष्ट्र में ढाई साल में ढाई दिन मंत्रालय जाने का रिकॉर्ड हमारे मुख्यमंत्री ने बनाया था। भाजपा की सुनीता दुग्गल ने कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है और अब लोग उस पर विश्वास करने वाले नहीं हैं। उन्होंने राम मंदिर का निर्माण होने और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के निरस्त किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि अब हमारा लक्ष्य समान नागरिक संहिता है। हमारी कोशिश होगी कि हम जल्द से जल्द इसे सदन में लेकर आएं। दुग्गल ने इंडिया गठबंधन का उल्लेख करते हुए दावा किया कि यह 'घमंडिया% गठबंधन बहुत ज्यादा समय तक रहने वाला नहीं है। बीजू जनता दल के पिनाकी मिश्रा ने अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से राज्यों और खासकर ओडिशा के लिए जो काम किये जा रहे हैं उनको नकारा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल हमेशा संसद के काम में खलल डालते हैं और इस तरह की अड़ंगेबाजी की राजनीति लोकतंत्र के लिए और देश के विकास के लिए उचित नहीं है।

## *लड़कियों से छेड़छाड़ ...*

दिनों ग्रामीण और शहरी ओलिंपिक के उद्घाटन कार्यक्रम में मनचलों का परमानेंट इलाज करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि मनचले महिलाओं और बच्चियों को परेशान करते हैं। हम इनके नाम आरपीएससी और कर्मचारी चयन बोर्ड को भेजेंगे और इनका परमानेंट इलाज करेंगे। सीएम का ये फैसला उनके इसी वादे का एक्शन प्लान हैं। सीएम ने अपने आदेश में साफ कह दिया है कि छेड़छाड़ करने वाले मनचलों का रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसके बाद ये सभी नाम आरपीएससी, कर्मचारी चयन बोर्ड को भेजे जाएंगे। अगर, कोई मनचला सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करता है तो रिकॉर्ड से मिलन के बाद उसका आवेदन रिजेक्ट कर दिया जाएगा। राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। दुष्कर्म के मामले में प्रदेश देश में नंबर एक पर है। बीते पांच-छह महीने में महिला अपराध के कई गंभीर मामले सामने आए जिससे गहलोत सरकार लगातार विपक्ष के निशाने पर रही। कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे राजेंद्र गुढ़ा ने भी महिला अपराध को लेकर अपनी ही सरकार को घेर लिया, जिसके बाद उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया। इससे सरकार की छवि को नुकसान होने की बात कही गई थी। चुनावी साल में इस तरह का फैसला लेकर गहलोत सरकार महिला अपराधों के खिलाफ सख्त छवि बनाने की कोशिश कर रही है।

## *मेघालय के सीएम, विस ...*

संगमा ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए ट्वीट किया, मेघालय को समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। आज विधानसभा अध्यक्ष थॉमस ए संगमा और कैबिनेट सहयोगियों के साथ उनसे मुलाकात की। इससे पहले मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और मंत्रियों ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से भी मुलाकात की। संगमा ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, मणिपुर राज्य की स्थिति के साथ केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में पढ़ने वाले मेघालय के छात्रों के भविष्य के बारे में हमारी चिंता से प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि मेघालय के चौथे वर्ष के छात्रों के लिए मेघालय में उनके ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम को किर्डेमकुलाई, मेघालय में सीएयू के तहत संचालित करने के लिए अंतरिम व्यवस्था करने को लेकर विश्वविद्यालय से अनुरोध करने में उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया। इसके साथ ही मणिपुर में स्थिति सामान्य होने तक राज्य के छात्रों को किर्डेमकुलई में सीएयू परिसर में स्थानांतरित करने का भी अनुरोध किया।

## *मणिपुर पुलिस का...*

राइफल्स ने बिष्णुपुर जिले में क्वाक्ता गोथोल मार्ग पर पुलिस वाहनों को रोक दिया। इसमें दावा किया गया है कि असम राइफल्स ने उनके कर्मियों को आगे बढ़ने से रोक दिया जब राज्य पुलिस कुकी उग्रवादियों की तलाश में शस्त्र अधिनियम के एक मामले में तलाशी अभियान चलाने के लिए कार्रवाई के रूप में क्वाक्टा के साथ फोलजंग रोड की ओर बढ़ रही थी। पुलिस ने दावा किया कि उसके कर्मियों को 9 असम राइफल्स ने रोका, जिन्होंने सड़क को अवरुद्ध करने वाले अपने कैस्पर वाहन को खड़ा कर दिया। रक्षा सूत्रों ने प्रतिक्रिया देते कहा कि असम राइफल्स कुकी और मैतई क्षेत्रों के बीच बफर जोन की पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए कमांड मुख्यालय द्वारा दिए गए एक काम को कर रही थी।

## *पिछली सरकारों ने ...*

रह रहे पूर्वोत्तर के लोगों में विश्वास पैदा करना है। इतिहास का जिक्र करते हुए रिजिजू ने कहा कि 1959 में नेहरू ने चीन के हमले में पूर्वोत्तर को उसके हाल पर छोड़ दिया था। इसी दौरान चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा किया। इसी जमीन पर चीन गांव बना रहा है और इसको आधार बनाकर वर्तमान सरकार पर निशाना साधा जा रहा है। सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज सीमा के हर क्षेत्र तक सड़क से पहुंचा जा सकता है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत कई देशों से लगते सीमावर्ती गांवों में इस साल तक 4जी सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। आज उन क्षेत्रों में सड़क और रेलवे का जाल बिछाया जा रहा है, जहां अबतक की सरकारें नहीं पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में देश आज नई ऊंचाई छू रहा है।भारत की दुनिया में छवि बदल रही है। प्रधानमंत्री 2047 तक देश को विकसित बनाना चाहते हैं। वह इसमें विपक्ष से भी साथ देने की अपेक्षा रखते हैं।

## *अमेरिका में तूफान...*

फील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कई फ्लाइट रद्द हुए। संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि वह पूर्वी तट की ओर आने वाले तूफानों के आसपास विमानों का मार्ग बदल रहा है। पावरआउटेज के अनुसार, शाम तक, अलबामा, जॉर्जिया, दक्षिण कैरोलिना, उत्तरी कैरोलिना, मैरीलैंड, डेलावेयर, न्यू जर्सी, पेंसिल्वेनिया, टेनेसी, वेस्ट वर्जीनिया और वर्जीनिया में 10 लाख से अधिक लोगों को बिजली से वंचित रहना पड़ा। समाचार आउटलेट्स ने बताया कि कई राज्यों में पेड़ और बिजली की लाइनें गिर गईं। तूफान और बवंडर को लेकर बड़े पैमाने पर टेनेसी से न्यूयॉर्क तक 10 राज्यों में चेतावनी दी गई थी। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि सोमवार दोपहर दो करोड़ से अधिक लोगों को बवंडर का सामना करना पड़ा था। हालांकि, चेतावनी जारी होने के कारण ज्यादा क्षति नहीं हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, अलबामा के फ्लोरेंस में, पुलिस ने कहा कि एक 28 वर्षीय व्यक्ति बिजली की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। इसके अलावा, एक 15 वर्षीय लड़का जैसे ही अपनी कार से बाहर निकला एक पेड़ उसके ऊपर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति जो बाइडेन की चार दिवसीय यात्रा पर प्रस्थान को 90 मिनट के लिए आगे बढ़ा दिया। व्हाइट हाउस ने एक बैक-टू-स्कूल साइबर सुरक्षा कार्यक्रम भी रद्द कर दिया, जिसमें प्रथम महिला जिल बाइडन, शिक्षा सचिव मिगुएल कार्डोना, होमलैंड सुरक्षा सचिव एलेजांद्रो मयोरकास और देश भर के स्कूल प्रशासक, शिक्षक और शिक्षा प्रौद्योगिकी प्रदाता शामिल होने वाले थे। तूफान के प्रमुख आबादी वाले क्षेत्रों में देर दोपहर और शाम को आने की आशंका थी, जिससे संघीय कर्मचारियों को जल्दी घर भेज दिया गया, ताकि वे हवा, ओलावृष्टि और बवंडर के बीच अपनी कारों में न रहें। स्ट्रॉन्ग ने निवासियों को सलाह दी कि अपने आप को एक मजबूत आश्रय में रखें। घर पर रहो या काम पर रहो।

## *पाकिस्तान पीएम को ...*

जिसके बाद 90 दिनों के भीतर चुनाव होंगे। इसी बात से यह संकेत मिल रहा है कि शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसी के चलते उन्होंने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के जनरल मुख्यालय का दौरा किया, जहां उन्हें विदाई भी दी गई। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने मंगलवार को जनरल मुख्यालय में अपनी विदाई यात्रा की। इस दौरान प्रधानमंत्री का थल सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर ने गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं, नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज ने कहा कि उन्होंने अभी तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री के नामों के संबंध में प्रधानमंत्री से मुलाकात नहीं की है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कल एक बैठक होगी, जिसमें इन बातों पर चर्चा होगी। हालांकि, रियाज ने कहा कि उन्होंने अपने सहयोगियों के साथ चर्चा पूरी कर ली है और उन्होंने कहा कि अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए तीन नामों को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है। इस बीच राजनीतिक विशेषज्ञ का मानना है कि गठबंधन सरकार संसद भंग करने की सिफारिश करेगी, लेकिन संभावना यह है कि राष्ट्रपति अल्वी तुरंत अधिसूचना जारी करने से इनकार कर सकते हैं। इसीलिए असेंबली के खत्म होने से तीन दिन पहले ही इसे भंग करने की सलाह दी जा रही है। ताकि अगर राष्ट्रपति इसे लेकर इनकार कर दें तो भी विधानसभा को कार्यकाल खत्म होने से पहले ही नेशनल असेंबली को भंग कर दिया जाए, जिससे पाकिस्तान चुनाव आयोग को 90 दिन के अंदर चुनाव कराना पड़े।

## *पुलिस पर तेजाब ...*

एआईजी जोयतिस्मान दासचौधरी ने मीडिया को बताया कि घटना के संबंध में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। लेकिन, संदिग्ध आरोपितों की तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि बदमाशों ने छिपकर पुलिस वैन को निशाना बनाते हुए तेजाब की बोतलें फेंकीं। इसलिए उनकी पहचान कर पाना कठिन हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सिमना चाय बागान क्षेत्र के एक युवक बिमल संताल को रविवार को बाजार में स्थानीय व्यापारियों ने चोर गिरोह का नेतृत्व करने का आरोप लगाते हुए बुरी तरह से पीटा था। इस घटना से उसके पड़ोस वाले उत्तेजित हो गए। उसके बाद उन्होंने सोमवार को प्राणतोष दास, काजल दास और सुबीर दास के घरों पर हमला किया, जिन्होंने कथित तौर पर बिमल को पीटने में भीड़ का नेतृत्व किया था। आरोप है कि चाय बागान श्रमिकों ने घरों में तोड़फोड़ की और उनके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। तनाव की सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। भीड़ को हटाया और प्राणतोष, काजल और सुबीर को पुलिस वैन में ले गई। हालांकि, इससे पहले कि पुलिस वैन इलाके से निकल पाती, उन पर तेजाब की बोतलें फेंक दी गईं। जिससे दो पुलिस कर्मियों सहित अंदर मौजूद लोग घायल हो गए।

## *छह राज्यों में ...*

पश्चिम बंगाल की धुपगुड़ी एससी विधानसभा सीट बिष्णु पांडे (भाजपा) और उत्तराखंड की बागेश्वर (एससी) सीट चंदन राम दास (भाजपा) के निधन के बाद रिक्त हुई थी। त्रिपुरा की एक अन्य धानपुर विधानसभा सीट भाजपा नेता प्रतिमा भैमिक के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। इसी तरह उत्तर प्रदेश की घोसी विधानसभा सीट दारा सिंह चौहान के सपा से इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

## स्वर्वेद भाष्य




**पंचम मंडल** **द्वितीय अध्याय**

**( मन )**

**माया सुक्षम मनहिं है, मन कर सकल पसार।**
**कवि कोविद ऋषि मुनि पड़े, सद्गुरु एक अधार॥ 23॥**

**शब्दार्थ :** (माया) प्रकृति (कवि) ज्ञानी (कोविद) विद्वान (ऋषि) मंत्रद्रष्टा (मुनि) मननशील, स्थिर बुद्धि वाला।

**भाष्य :** सूक्ष्म माया मन ही ह। मन का ही समस्त विस्तार है। ऋषि-मुनि एवं समस्त प्राकृतिक विद्वान इसके फंदे में पड़े हैं। इसकी निवृत्ति के लिए सद्गुरु ही एकमात्र आधार हैं।

**मन को जीते जग जिते, मन से हारे हार।**
**मन पारख गुरु बिनु नहीं, मन कर लक्ष दुवार॥ 24॥**

**शब्दार्थ :** (पारख) देखना, ज्ञान, परीक्षा (लक्ष) लाख (द्वार) दरवाजा।

**भाष्य :** मन में ही सारा संसार है इसलिए मन को जीत लेने पार सारे संसार पर विजय हो जाती है तथा मन से हार हो जाने पर अपनी हार हो जाती है। मन ही जीव का परम शत्रु है। मन की पहचान गुरु के बिना नहीं होती। मन के लाखों द्वार हैं जिससे मन अपने चंगुल में जीव को फंसा कर रखता है।

## त्रिपुरा विधानसभा का उपचुनाव 5 सितंबर को

**अगरतला (हिंस)।** चुनाव आयोग द्वारा त्रिपुरा विधानसभा की दो खाली सीटों के लिए उपचुनाव की घोषणा कर दी गई है। उपचुनाव की तारीख 5 सितंबर निर्धारित की गई है। जबकि, इसके चुनाव परिणाम आठ सितंबर को सामने आएंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य के बॉक्सनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव इसलिए कराया जा रहा है क्योंकि, मौजूदा विधायक और माकपा के वरिष्ठ नेता शमसुल हक का विधानसभा चुनाव के कुछ ही महीनों के भीतर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। जिस कारण यह विधानसभा की सीट खाली हो गई थी। वहीं दूसरी ओर, धानपुर सीट से विधानसभा चुनाव जीतकर पहुंची प्रतिमा भौमिक ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था और लोकसभा में संसद सदस्य चुन ली गई थी।

# एपीपीसीसी उम्मीदवारों के लिए पीआरसी अनिवार्य

**इटानगर (हिंस)।** सरकार ने अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों के लिए स्थायी आवासीय प्रमाणपत्र (पीआरसी) अनिवार्य कर दिया है। शिक्षा मंत्री ताबा तेदिर की अध्यक्षता वाली एक उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश पर अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के लिए पीआरसी को अनिवार्य कर दिया है। इससे पहले राज्य सरकार इस मामले पर कई बार विचार-विमर्श कर चुकी है और विभिन्न हलकों से सलाह ले चुकी है। एक सरकारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य सरकार के कर्मचारियों के बच्चे/पति/पत्नी जिनके पास

अस्थायी आवासीय प्रमाणपत्र (टीआरसी)/या रोजगार प्रमाणपत्र है, उन्हें पात्र माना जाएगा। अधिसूचना में कहा गया है कि हालांकि, इसके लिए संबंधित व्यक्ति को कम से कम पांच साल और सेवानिवृत्ति के बाद 10 साल तक राज्य में सेवा करनी होगी। समिति आगे सिफारिश करती है कि अरुणाचल प्रदेश में गैर-राज्यों में काम करने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बच्चों/पति/पत्नी को इस संबंध में पात्र नहीं माना जाएगा। मामला अब अदालत के समक्ष लंबित है, क्योंकि सरकार और ऑल निशि छात्र संघ, व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के बच्चों सहित अरुणाचल के अन्य निवासियों के संबंध में पीआरसी/टीआरसी/ आरपीसी के मुद्दे पर सहमत नहीं है। इसलिए सरकार ने अभी तक इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। इस बीच, समिति ने एक ठोस नीतिगत निर्णय के लिए मामले को सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।

## तीन करोड़ के ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

**कार्बी-आंग्लांग (हिंस)।** असम-नगालैंड की सीमा पर स्थित बोकाजान अनुमंडल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्बी आंग्लांग जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जॉन दास ने बोकाजन थाना अधिकारी मंजीत तेरन, खटखटी थाना प्रभारी रमेन बरदलै के साथ खटखटी थाना अंतर्गत तैनात 20वीं सीआरपीएफ बल के साथ संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस बल ने छापेमारी कर जिप्सी (एनएल-07सीसी-0629) में 45 साबुनदानी में रखे हुए 566 ग्राम हेरोइन बरामद की। इस घटना में कथित संलिप्तता के लिए दो तस्करों जॉन थ्रो और रापू एलिया को गिरफ्तार किया गया। पुलिस इस संबंध में तस्करों से पूछताछ जारी रखे हुए है। पुलिस ने बताया कि ड्रग्स का बाजार मूल्य लगभग 3 करोड़ रुपए है।

## मेघालय में भैंसों को ले जा रहा ट्रक खाई में गिरा : तीन लोगों की मौत, दो घायल

**शिलांग (हिंस)।** मेघालय के पूर्वी खासीपहाड़ी जिले के प्यिनुरस्ला-लिटलिंगकोट इलाके में भैंसों को ले जा रहा एक ट्रक पहाड़ी सड़क से लगभग 300 फीट गहरी खाई में पलट गया। इस घटना में तीन

लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गये। घायलों को शिलांग सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में 12 भैंसों की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि हादसा सोमवार आधी रात को हुआ। हादसा उस समय हुआ जब 12 भैंसों को लेकर ट्रक प्यिनुरस्ला शहर से लीथलिंगकोट जा रहा था। उन्होंने बताया कि आज दोपहर को तीन लोगों के शव खाई से बरामद किये गये। घायलों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। दुर्घटना के बाद ट्रक में सवार लोगों में से एक बी. खानकलीम किसी तरह खाई से निकलकर सड़क पर आने में कामयाब रहे। फिलहाल उनका शिलांग सिविल अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में ज्यादातर भैंसों की मौत हो गई।

## जेसीआई दिसपुर कैपिटल के दान कार्यक्रम को लोगों ने सराहा

**गुवाहाटी (विभास)।** जेसीआई दिसपुर कैपिटल गत 6 महीनों से निरंतर परिवार से वंचित बच्चों का अनाथालय आशानीर के लिए दान कार्यक्रम आयोजित करता आ रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न दानदाताओं से प्राप्त विभिन्न तरह की सामग्री, दैनंदिन उपयोगी वस्तुएं आदि का योगदान इस अनाथालय में रह रहे बच्चों के लिए प्रदान किया जाता है। जेसीआई दिसपुर कैपिटल के अध्यक्ष आकाश जैन ने बताया कि समाज के विभिन्न संगठनों के सहयोग से गत 6 महीना से यह कार्यकम चल रहा है। जिसे समाज के

सभी लोगों ने सराहना की है। इस कार्यक्रम में पांडु युवा महिला मंडल, दिसपुर महिला समिति, पूर्वोत्तर प्रदेशीय दिगंबर जैन महिला समिति और घर गृहस्थी दिसपुर का भी काफी सहयोग मिल रहा है। इसके अंतर्गत दाल, चावल, सरसों का तेल, दवाइयां, मुडी, बिस्कुट इत्यादि सामग्रियां हमें निरंतर प्राप्त होती है। तथा जेसीआई दिसपुर कैपिटल के सौजन्य से इस आशानीर अनाथालय में प्रदान कर दिया जाता है। इस कार्यक्रम में जेसीआई दिसपुर कैपिटल के सचिव डेजी पाटनी, उपाध्यक्ष (कार्यक्रम) अर्चना राय, पूर्व अध्यक्ष ऋषभ जैन, ममता जैन, दिव्या जैन, पुष्पा रानी विश्वास, मनमीत कौर, निशांत जैन आदि सदस्य दिन-रात अपना सहयोग देते आ रहे हैं।

## कुछ जगह से असम राइफल्स को हटाया, सीआरपीएफ तैनात

**इंफाल।** मणिपुर में जारी अस्थिरता के बीच, राज्य सरकार ने असम राइफल्स को प्रभावी रूप से मणिपुर के बिष्णुपुर और चुराचांदपुर के अंतरजिला मुख्य युद्ध क्षेत्र से हटा लिया गया है। इसकी जगह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 128वीं बटालियन को तैनात किया है। बिष्णुपुर से कांगवई सड़क मार्ग पर 9वीं असम राइफल्स की जगह ले ली है। बिष्णुपुर-चुराचांदपुर सीमा पर ताजा हिंसा और गोलीबारी की खबरें आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक यह निर्णय कई महिला निगरानी समूहों की मांगों के बाद लिया गया, जिन्होंने 3 अगस्त को महिला प्रदर्शनकारियों के एक समूह पर अर्धसैनिक बल द्वारा गोलीबारी और आंसू गैस छोड़ने के बाद राज्य से असम राइफल्स की वापसी का आह्वान किया था। उल्लेखनीय है कि इसमें पचास से अधिक महिलाएं घायल हो गई थीं। सोमवार को जारी एक आदेश में, मणिपुर पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) एल लैलुन ने कहा कि मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ अब बिशनपुर से कांगवई रोड पर मोइरंग लमखाई में चेक पोस्ट की निगरानी करेंगे। तीन अगस्त के कार्यालय के आदेश की आंशिक अधिसूचना में कहा गया है कि अगले आदेश तक बिशनपुर से कांगवई रोड पर मोइरांग लमखाई में नाका/चेक पोस्ट को 9 असम राइफल्स के स्थान पर सिविल पुलिस और सीआरपीएफ (सीआरपीएफ की 128 बटालियन) द्वारा संचालित किया जाएगा।

## मानकचार में ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

**दक्षिण सलमारा (हिंस)।** जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर झालोरचर के पीपी के पास पुलिस द्वारा छापेमारी कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थ के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के मुताबिक मानकचार पुलिस थाने के प्रभारी दीपक बरगियारी के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने झालोरचर में पीपी के पास हाटशिंगीमारी-मानकचार के एचएम रोड पर तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान टेम्पो कार (एमएल-08एच-5369) हाटशिंगीमारी से मानकचार की ओर जा रही थी। तभी पुलिस ने रोककर तलाशी ली। पुलिस ने टेम्पो से 1, 872 सामपैक्स कैप्सूल, 480 पेई वॉन स्पास कैप्सूल, 133 बोतल अनरेक्स कफ सिरप जब्त किया है। पुलिस ने टेम्पो कार के साथ-साथ चालक और एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान मानकचार थाना क्षेत्र के जॉरडांगा द्वितीय प्रखंड गांव निवासी खलेकुज्जमान और कुशनीमारा गांव के हबीबुल्ला अहमद के रूप में की गई है। हबीबुल्ला अहमद टेम्पो का चालक था। पुलिस इस संदर्भ में प्राथमिकी दर्ज आगे की कार्रवाई कर रही है।

## मुख्यमंत्री ने काजीरंगा के रख-रखाव के लिए दी टोयोटा गाड़ी

**गोलाघाट (हिंस)।** काजीरंगा में दूरदराज के इलाकों की देखभाल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को एक नई टोयोटा गाड़ी दी। काजीरंगा में नयी टोयोटा हिलक्स की ड्राइविंग सीट पर बैठे मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने टोयोटा कंपनी द्वारा काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को दी गई टोयोटा हिलक्स कार को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण को सौंप दिया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने यह आकर्षक कार राष्ट्रीय उद्यान प्राधिकरण को एक समारोह के दौरान सौंपी। मुख्य वन्यजीव वार्डन एमके यादव ने कहा कि काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में सुरक्षा कर्तव्यों के लिए टोयोटा द्वारा दी गई कार की बनाबट से पता चलता है कि कार को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में कर्तव्यों का पालन करने के लिए इसे विशेष रूप से निर्मित किया गया है। पहले तीन महीनों के लिए गाड़ी का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में परीक्षण किया जाएगा। इसे परीक्षण के लिए राज्य के अन्य राष्ट्रीय उद्यानों में भी भेजा जाएगा। इसके बाद टोयोटा कंपनी वन विभाग की इच्छानुसार इसमें आवश्यक संसोधन कर इसे वापस काजीरंगा नेशनल पार्क को सौंप देगी।

## पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन के नई सदस्यों का शपथग्रहण समारोह संपन्न

**गुवाहाटी (विभास)।** अखिल भारतवर्षीय खांडल विप्र महासभा की पूर्वोत्तर इकाई पूर्वोत्तर प्रदेशीय खांडल विप्र संगठन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह छत्रीबाड़ी स्थित श्री परशुराम सेवा सदन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सभा के प्रारंभ में भगवान परशुराम जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित और पुष्पांजलि करके मांगलिक मंत्रोचारण पंडित भगीरथ पीपलवा द्वारा किया गया। समारोह में पुप्र खांडल विप्र संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कन्हैयालाल पिपलवा, निवर्तमान अध्यक्ष बनवारी लाल सेवदा, खांडल विप्र महासभा के अध्यक्ष मोहनलाल बोचीवाल, महिला अध्यक्षा प्रभा पिपलवा, अंजना पिपलवा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अनील नवहाल, गोपाल बील विधायक राज. विधानसभा, महावीर गोधला मुख्य सचिव राजस्थान विधानसभा, रामेश्वर सोती निवर्तमान महासभा अध्यक्ष, सभी को मंच पर आसन ग्रहण करवाया गया। विशिष्ठ अतिथियों का सम्मान राजस्थान की शान साफा एवम असमिया संस्कृति के प्रतीक फुलाम गामोछा, पूर्वोत्तर की

शान नागा शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। सभा में पुप्रखावि संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कन्हैयालाल पिपलवा का सम्मान सतीश बड़ारा, बनवारी लाल सेवदा निवर्तमान अध्यक्ष का भंवर लाल सेवदा, मोहन बोचिवाल अध्यक्ष महासभा का विजय झिकनाडिया, महाबीर प्रसाद गौधला मुख्य सचिव राज. विधान सभा का कन्हैया लाल पीपलवा, गोपाल बील विधायक मांडलगढ़ का राम निवास नवहाल, राधे श्याम चोटिया महामंत्री महासभा का लक्ष्मीपत माटोलिया, ताराचंद चोटिया कोषाध्यक्ष महासभा का परमेश्वर काछवाल डिमापुर, अनिल नवहाल अध्यक्ष राज. प्रदेश का प्रभु पीपलवा, बच्छराज चोटिया पूना का बजरंग बनशिया, रामनिवास नवहाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष महासभा का गोवर्धन रिणवा, सतीश बढाढ़रा, राधेश्याम बढ़ाढ़ारा एवं भंवरलाल सेवदा का कन्हैया लाल पीपलवा, श्रीमती प्रभा पीपलवा अध्यक्ष महिला राष्ट्रीय संगठन का श्रीमती आभा गोवला, श्रीमती अंजना पीपलवा उपाध्यक्ष का श्रीमती कविता चोटिया द्वारा किया गया। शपथ विधि कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष रामनिवास नवहाल, परमेश्वर काछवाल डीमापुर, एवं विजय कुमार झिकनाडिया, महामंत्री लक्ष्मीपत माटोलिया (मुख्यालय) प्रभु दयाल पीपलवा महामंत्री (संगठन) एवं समस्त पदाधिकारी और सभी कार्यकारिणी सदस्यों को महासभा अध्यक्ष मोहनलाल जी बोचीवाल द्वारा शपथग्रहण करवाई गई। पूर्वोत्तर के महिला अध्यक्षा के रूप में श्रीमती आभा गोवला, तथा कार्येकारी अध्यक्षा के रूप में श्रीमती विनीता रिणवा को महासभा अध्यक्ष द्वारा शपथग्रहण करवाया गया। सभा का संबोधन विशिष्ठ अतिथियों द्वारा किया गया जिनमें प्रमुख हैं महासभा अध्यक्ष मोहनलाल बोचीवाल, महासभा के महासचिव राधेश्याम चोटिया, विधायक गोपाल बील, राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचिव महावीर गोधला, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अनिल नवहाल, महिला अध्यक्षा श्रीमती प्रभा पिपलवा, श्रीमती अंजना पिपलवा, पूर्वोत्तर प्रदेशाध्यक्ष कन्हैयालाल पिपलवा, कार्येकारी अध्यक्ष विजय झिकनाडिया द्वारा किया गया।

# मिशन इंद्रधनुष का नगांव में भी शुभारंभ

**नगांव (निसं)।** राज्य के विभिन्न क्षेत्रो की तरह नगांव जिला में भी मिशन इंद्रधनुष 5.0 का शुभारंभ सोमवार को नगांव भोगेश्वरी फुकननी नागरिक चिकित्सालय के सभाकक्ष में किया गया। नगांव जिला उन्नयन आयुक्त सत्यजीत चेतिया, सहकारी आयुक्त जेविन गुलनार, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. अरुपज्योति मंहत, राज्य के प्रवेक्षक डॉ. मेजर डि जे बोरा, बी पी नागरिक अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. लखीधर दास व जिला प्रतिशोधक अधिकारि डॉ. मुकुट चंद्र डेका की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मिशन इंद्रधनुष 5.0 का कार्यक्रम तीन चरणो में संपन्न होने की जानकारी मिली है। प्रथम चरण रविवार 7 अगस्त से आरंभ हुआ है और 12 अगस्त तक चलेगा। द्वितीय चरण 11 सितंबर से आरंभ होकर 16 सितंबर तक और तृतीय चरण 9 अक्तूबर से 14 अक्तूबर तक संपन्न होगा। इस अवधि के दौरान संपूर्ण जिले के 0 से 5 वर्ष तक के 8000 से भी अधिक बच्चो का टीकाकरण किया जाएगा।

जिन बच्चो का पहले टीकाकरण नही हुआ है। वो इस योजना का लाभ उठा सकेंगें। साथ ही 400 से भी ज्यादा प्रकल्पित शिविरो में 1800 गर्भवती महिलाओ को भी उक्त योजना का लाभ मिलेगा। मिशन इंद्रधनुष के शुभारंभ के मौके पर 0 से 5 वर्ष के आयु वाले उपस्थित कुछ बच्चो को पोलियो की खुराक दी गई। उक्त कार्यक्रम में जिला जनसंपर्क विभाग की अधिकारी अंकिता गोगोई, जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकीरी व कर्मचारी सहित पोलियो की खुराक लेने वाले बच्चो के अभिभावकगण उपस्थित थे।

## सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत, पांच घायल

**करीमगंज (हिंस)।** करीमगंज में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, पांच लोग घायल हो गए। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना रविवार की रात उस समय हुई जब एक ऑटोरिक्शा ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। हादसे में राधा रंजन दास नामक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, ऑटो चालक अप्पू शुक्लबैद्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों को गंभीर हालत में सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की पहचान संजू दास, झुनू दास, राजेन दास, मम्पी दास और राजद्वीप दास के रूप में हुई है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जांच की जा रही है।

## सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने लिया मां कामाख्या का आशीर्वाद

**गुवाहाटी (विभास)।** तिरुपति स्थित श्री ब्रह्मर्षि आश्रम से पधारे सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव मंगलवार को शक्तिपीठ कामाख्या धाम पहुंचे। मंदिर पहुंचने के बाद सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव ने मां कामाख्या की विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद भक्तों को भी गुरुदेव के दर्शन का लाभ मिला। उल्लेखनीय है कि करीब डेढ़ दशक बाद गुवाहाटी पहुंचे सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के सान्निध्य में गत रविवार को अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों को गुरुदेव ने अपने ज्ञानरस से मार्गदर्शन कर आशीर्वाद दिया। वहीं आगामी

11 अगस्त को ढेकियाजुली, 13 अगस्त को सिलचर तथा 16 अगस्त को तिनसुकिया में गुरुदेव अपना दिव्य आशीर्वचन देने पधारेंगे।

## श्री शिव महापुराण कथा में श्रृष्टिखंड संहिता का पंडित उपाध्याय ने किया वर्णन

**नगांव (निसं)।** श्री शिव महापुराण कथा में व्यासपीठ पर विराजमान विद्वान पंडित मां के बालक ओमप्रकाश उपाध्याय ने आज तृतीय दिवस की कथा में श्री शिव महापुराण ग्रंथ के श्रृष्टिखंड रूद्र संहिता पर वर्णन करते हुए नारद ब्रह्म संवाद, नारद मुनि की तपस्या के अतिरिक्त काम पर विजय पाने के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा ऋषियों के प्रश्न के उत्तर में नारद- ब्रह्म संवाद की अवतारणा करते हुए सूतजी का उन्हें नारद मोह का प्रसंग सुनाना आदि पर प्रवचन दिया। पंडित उपाध्याय ने काशी आनंद वन के प्रादुर्भाव की भी चर्चा कथा के दौरान की। आज तृतीय दिन भी कथा स्थल श्री श्याम धाम मंदिर श्रोताओ से भरा रहा। कथा आरंभ से पूर्व आज के यजमान शंकरलाल पोद्दार ने पूजा विधि संपन्न कार्रवाई। इससे पहले यजमान सहित अन्य उपस्थित भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। आरती व प्रसाद वितरण के साथ आज की कथा को विराम दिया गया।

## सात करोड़ की कोकीन के साथ दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

**नगांव (हिंस)।** जिले की होजाई पुलिस द्वारा चलाए गए एक ड्रग्स निरोधी अभियान के दौरान सात करोड़ रुपए मूल्य के कोकीन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तार तस्करों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार होजाई के जामूहगुल में पुलिस की कार्रवाई में जब्त कोकीन का वजन 660 ग्राम बताया गया है। पुलिस के अनुसार कोकीन की बाजार में कीमत करीब सात करोड़ रुपए है। ज्ञात हो कि अभियान का नेतृत्व अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पल्लव तामुली ने किया। अभियान के दौरान एक चार पहिया वाहन भी जब्त किया गया। घटना के संदर्भ में होजाई थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई कर रही है।

# लीग्रैंड एम्पावरिंग स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2023-24 के लिए खुला आवेदन

**गुवाहाटी।** इलेक्ट्रिकल और डिजिटल बिल्डिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के अग्रणी प्रदाता और जीवन को सशक्त बनाने और लाखों भारतीय घरों को रोशन करने में अग्रणी नाम ग्रुप लीग्रैंड इंडिया को 2023-24 के नए बैच के लिए *लीग्रैंड एम्पावरिंग स्कॉलरशिप प्रोग्राम* के लिए आवेदन प्रक्रिया की घोषणा करते है। स्कॉलरशिप पूरे भारत से योग्य छात्राओं, दिव्यांग छात्रों और ट्रांसजेंडर छात्रों के आवेदनों को प्रोत्साहित करती है। जीईईआईएस (इंटरनेशनल सर्टिफिकेट फॉर डी×आई कमिटमेंट) द्वारा प्रमाणित एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संगठन होने के नाते, लैंगिक समानता कार्रवाई का एक प्रमुख क्षेत्र बना हुआ है। *लीग्रैंड एम्पावरिंग स्कॉलरशिप* 2018 में लड़कियों को सशक्त बनाने वाली शैक्षिक पहलों का सक्रिय रूप से समर्थन करने के लिए स्थापित किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, इस कार्यक्रम ने भारत भर के मान्यता प्राप्त कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से इंजीनियरिंग, वास्तुकला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी,

वित्त और अन्य संबंधित क्षेत्रों में पढ़ाई करने वाली 400 से अधिक छात्राओं को समर्थन दिया है, जिनमें दिव्यांग और ट्रांसजेंडर छात्र भी शामिल हैं। ग्रुप लीग्रैंड इंडिया के सीईओ और एमडी श्री टोनी बेरलैंड ने कहा कि हम शिक्षा की शक्ति और जीवन को बदलने की इसकी क्षमता में विश्वास करते हैं। लीग्रैंड एम्पावरिंग स्कॉलरशिप प्रोग्राम एक विविध और समावेशी शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। योग्य लड़कियों, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडर छात्रों को सशक्त बनाकर हम एक उज्जवल और अधिक न्यायसंगत भविष्य का निर्माण करना चाहते हैं। शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के अलावा, लीग्रैंड ने 2022 में स्टूडेंट मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किया। यह कार्यक्रम भविष्य की महिला नेताओं को आत्मविश्वास निर्माण, जीवन कौशल, सॉफ्ट स्किल्स और कैरियर मार्गदर्शन प्रदान करके समग्र विकास प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। लीग्रैंड स्कॉलरशिप के 50 से अधिक लाभार्थियों ने अपने मेंटरशिप कार्यक्रम पूरे कर लिए हैं, और हर साल नए बैचों का स्वागत किया जाता है। स्कॉलरशिप कार्यक्रम के लिए आवेदन और चयन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए लीग्रैंड ने एक प्रतिष्ठित संगठन बड़ी स्टडी के साथ साझेदारी की। इच्छुक छात्र छात्राएं पोर्टल के माध्यम से नामांकन कर सकते हैं। 2023-24 के लिए, लीग्रैंड एम्पावरिंग स्कॉलरशिप प्रोग्राम का उद्देश्य 100 विद्वानों का समर्थन करना है। छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, उनके शैक्षणिक कार्यक्रम के सफल समापन तक छात्रवृत्ति लाभ जारी रहेगा।

# सशस्त्र बलों की मजबूती के लिए लोकसभा से पारित विधेयक राज्य सभा में पेश

## - रक्षा मंत्री ने कहा, भारत के सैन्य सुधारों की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा बिल
## - बिल का उद्देश्य सैन्य बलों में निहित अनुशासन की महान परंपरा को और मजबूती देना

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** लोकसभा से पारित होने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को सशस्त्र बलों की मजबूती के लिए राज्यसभा में अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) विधेयक-2023 पेश किया है। इस बिल का उद्देश्य हमारे सैन्य बलों में निहित अनुशासन की महान परंपरा को और मजबूती देना है। उन्होंने सदन को विश्वास दिलाते हुए कहा कि यह बिल भारत के सैन्य सुधारों की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विधेयक पेश करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए हमारी सेनाओं को सशक्त करना बेहद आवश्यक है। बेहतर तालमेल से ही हमारी सेनाएं वांछित परिणाम हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। इसलिए सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल व एकीकृत संरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ही इस बिल को लाया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि लोकसभा में पारित होने के बाद राज्यसभा में पेश किया गया अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और

अनुशासन) विधेयक-2023 भी उन्हीं प्रयासों में एक अहम प्रयास है। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब भी कोई राष्ट्र प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा होता है तो समय की मांग के अनुसार उसे अपने भीतर बदलाव करने पड़ते हैं। कानूनों के संबंध में भी यही बात पूरी तरह लागू होती है। हमारी सरकार ने देश की प्रगति में बाधा डाल रहे अनेक पुराने कानूनों को खत्म किया और जहां आवश्यकता पड़ने पर नए कानूनों को लागू भी किया है। इस बिल का उद्देश्य हमारे सैन्य बलों में निहित अनुशासन की महान परंपरा को और मजबूती देना है। उन्होंने सदन को विश्वास दिलाते हुए कहा कि यह बिल भारत के सैन्य सुधारों की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह बिल हमारी सेना के भीतर उचित एकीकरण और संयुक्तता को बढ़ावा देने की इच्छा रखता है। इसके साथ ही यह बिल अंतर-सेवा संगठनों के प्रमुखों को बेहतर अनुशासनात्मक या प्रशासनिक शक्तियां प्रदान करता है, जिससे वे अपने संगठनों में प्रभावी कमान, नियंत्रण और अनुशासन लाकर हमारे सुरक्षा संस्थानों को भी मजबूत बना सकते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि मूल रूप से सेना, नौसेना और वायु सेना से इनपुट लेकर कानून और न्याय मंत्रालय की सलाह से इस बिल का मसौदा तैयार किया गया है। किसी घटना में शामिल कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक या प्रशासनिक कार्रवाई किये जाने की पूरी प्रक्रिया में न केवल समय लगता है, बल्कि कर्मियों की छुट्टी के कारण धन-व्यय भी अधिक होता है। इसके अतिरिक्त यह भी समस्या सामने आती है कि कई बार एक ही अपराध के लिए अलग-अलग स्थानों के अधिकारी अलग-अलग निर्णय देते हैं, जिनसे विसंगतियां उत्पन्न होती हैं। यह बिल इन्हीं विसंगतियों को दूर करेगा।

# लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन सुनने आएंगे अमेरिकी सांसद

**वाशिंगटन, (हि.स.)।** अमेरिका में भारतीयों की आवाज बने अमेरिकी सांसद इस माह भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली आयेंगे। अमेरिकी सांसदों का यह प्रतिनिधिमंडल 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुनने के लिए लाल किले पर मौजूद रहेगा। अमेरिकी सदन में किसी देश विशेष के सबसे बड़े द्विदलीय गठबंधन 'कांग्रेसनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स' की पहल पर अमेरिकी सांसद भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना और सांसद माइकल वाल्ट्ज कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान अमेरिका के सांसद लाल किले का दौरा करेंगे, जहां प्रधानमंत्री भारत के स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करेंगे। इसके अलावा यह लोग हैदराबाद, मुंबई और नई दिल्ली में व्यापार, तकनीकी, सरकार और बॉलीवुड से जुड़े लोगों से मुलाकात करेंगे। साथ ही महात्मा गांधी को समर्पित ऐतिहासिक स्मारक राजघाट का दौरा करेंगे। भारत आने वालों में खन्ना और वाल्ट्ज के अलावा सांसद डेबोरा रॉस, कैट कैममैक, श्री थानेदार, जैस्मीन क्रॉकेट के साथ-साथ रिच मैककॉर्मिक और एड केस भी हैं। सांसद खन्ना के लिए भारत आना और सांसदों से थोड़ा ज्यादा खास है। दरअसल, उनके दादा अमरनाथ विद्यालंकार भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने गांधीजी के साथ चार साल जेल में बिताए थे और बाद में भारत की पहली संसद का हिस्सा बने थे। खन्ना ने कहा कि इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष के रूप में भारत में एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हम इस दौरान दोनों देशों के बीच आर्थिक और रक्षा संबंधों को मजबूत करने के मुद्दों पर भी चर्चा करेंगे।

# मणिपुर में डबल इंजन की सरकार हुई फेल : गौरव गोगोई

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि मणिपुर में डबल इंजन की सरकार पूरी तरह फेल रही है। वहां हुई हिंसा के कारण जिस तरह का माहौल है, वह पूरे देश के लिए चिंताजनक है। गोगोई ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि मणिपुर मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी को संसद के दोनों सदनों में जवाब देना चाहिए और देश को मणिपुर की सच्चाई खुद बतानी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे पर क्यों चुप्पी साध रखी है? उनके न बोलने का क्या कारण है? यह देश जानना चाहता है। गोगोई ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लाना विपक्ष की मजबूरी है। ऐसा हमने मणिपुर के लोगों को न्याय दिलाने के लिए किया है। मणिपुर में उपजी हिंसा के कारण अभी तक 150 लोग मारे जा चुके हैं, लगभग 5000 घर जला दिए गए, लगभग 60,000 लोग राहत शिविरों में गुजर-बसर कर रहे हैं। यह गंभीर मुद्दा है। इस विषय पर देश के प्रधानमंत्री को बात करनी चाहिए। गोगोई ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी से तीन सवाल पूछना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी आज तक मणिपुर क्यों नहीं गए? उन्हें मणिपुर पर बोलने में लगभग 80 दिन क्यों लगे? प्रधानमंत्री ने आज तक मणिपुर के मुख्यमंत्री को बर्खास्त क्यों नहीं किया?

# भाजपा संसदीय दल की बैठक, प्रधानमंत्री ने कहा- घमंडिया गठबंधन अविश्वास से भरा

**अजय त्यागी**

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में मंगलवार को चर्चा होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में भाजपा संसदीय दल की बैठक आयोजित की गई। माना जा रहा है कि यह बैठक मौजूदा सत्र में रणनीति बनाने के साथ-साथ मिशन 2024 के चुनावों के लिए भी अहम है। सूत्रों के मुताबिक संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विपक्षी गठबंधन अविश्वास से भरा है और ये दिखाने के लिए वो अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। इस प्रस्ताव में विपक्ष की हार होगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने कहा था कि राज्यसभा में वोटिंग 2024 से पहले सेमीफाइनल होगी। पीएम ने उन सांसदों को धन्यवाद दिया जिन्होंने उन्हें इस सेमीफाइनल जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विपक्ष का गठबंधन इंडिया नहीं घमंडिया गठबंधन है। संसदीय दल की बैठक के बाद संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि बैठक में अविश्वास प्रस्ताव पर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा घमंडिया गठबंधन अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है। हमारे पास बहुमत है, हमें समझ नहीं आ रहा कि वे प्रस्ताव क्यों लाए। लेकिन हो सकता है कि वे परीक्षण करना चाहते हैं कि क्या वे एकजुट हैं। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर 8, 9 एवं 10 अगस्त को चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी 10 अगस्त को चर्चा का जवाब देंगे। मंगलवार को संसद भवन परिसर में आयोजित बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेन्द्र प्रधान, एस. जयशंकर और पार्टी के सभी सांसद मौजूद रहे।

# तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन राज्यसभा से निलंबित

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन को सदन में अशोभनीय और अभद्र व्यवहार की वजह से मंगलवार को मानसून सत्र की पूरी कार्यवाही के लिए निलंबित कर दिया। सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि डेरेक का आचरण संसदीय गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। वह लगातार कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं। सभापति की अवज्ञा कर रहे हैं। डेरेक के निलंबन का प्रस्ताव पीयूष गोयल ने सदन के सामने रखा। सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए डेरेक के निलंबन की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि डेरेक इससे पहले भी सदन की कार्यवाही से निलंबित हो चुके हैं। कल भी गृहमंत्री अमित शाह के संबोधन के समय डेरेक ने कई बार शोर- शराबा किया था। दूसरी ओर, लोकसभा में हंगामा के चलते प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही को दोपहर 12:00 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

# राहुल गांधी कभी भी सावरकर नहीं बन सकते : निशिकांत दुबे

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** लोकसभा में सत्ता पक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की शुरूआत करते हुए निशिकांत दुबे ने विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन पर जमकर हमला बोला। साथ ही उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कभी सावरकर नहीं बन सकते। सावरकर ने 28 साल जेल में काटे थे। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का मानहानि मुकदमा मामले में अंतिम निर्णय अभी नहीं आया है। राहुल कहते हैं कि माफी नहीं मांगूंगा। राहुल माफी क्यों मांगेंगे? मोदी तो छोटी जाति के हैं, ओबीसी हैं। राहुल कहते हैं कि वह सावरकर नहीं हैं। राहुल जी, आप सावरकर हो भी नहीं सकते। सावरकर ने 28 साल जेल में गुजारे थे। अविश्वास प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इसे लाने का मकसद बेटे को सेट करना और दामाद को भेंट करना है। उन्होंने नेशनल हेराल्ड का मुद्दा उठाया। उन्होंने यह भी कहा कि बहुत से ऐसे मामलों जिन पर विपक्ष सरकार को निशाना बना रहा है, उन्हें कांग्रेस के समय खोला गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव एक गरीब के बेटे के खिलाफ है, उस आदमी के खिलाफ है, जिसने लोगों को घर, पीने का पानी और शौचालय दिया। यह गरीबों के खिलाफ है। मोदी सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी बहन की 1993 में डॉक्टर न होने की वजह से मौत हो गई थी। आज उन्हें गर्व है कि मोदी सरकार ने उनके लोकसभा क्षेत्र में एम्स की स्थापना की है। उन्होंने खुद को मणिपुर से जोड़ा और कहा कि उनके अंकल वहां रहे हैं और वे घायल भी हुए हैं।

# सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार के खिलाफ अब 19 अगस्त को आएगा फैसला

**आशीष वर्मा**

**नई दिल्ली।** दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय करने पर फैसला मंगलवार को टाल दिया है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने 19 अगस्त को फैसला सुनाने का आदेश दिया। दरअसल, सिख दंगा के दौरान 1 नवंबर, 1984 को जनकपुरी में दो सिखों सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या हुई थी। इसी तरह विकासपुरी पुलिस स्टेशन के इलाके में गुरुचरण सिंह को जला दिया गया, जिसकी वजह से उनकी मौत हुई थी। इन दोनों मामलों मे 2015 में एसआईटी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके लिए मई, 2018 में सज्जन कुमार का पॉलीग्राफ टेस्ट भी किया जा चुका है।

# कांग्रेस का हाथ, न्यूज क्लिक के साथ : अनुराग ठाकुर

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का हाथ न्यूज क्लिक के साथ है और न्यूज क्लिक के ऊपर चीन का हाथ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को देश से माफी मांगनी चाहिए और बताना चाहिए कि राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीन से पैसे क्यों लिए और कहां-कहां इसका इस्तेमाल किया। मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि चीन न्यूज क्लिक को फंड देता है, और कांग्रेस उसका समर्थन करती है, सवाल उठता है कि आखिर क्यों कांग्रेस पार्टी ने न्यूज क्लिक का समर्थन किया। उन्हें देश को बताना चाहिए कि फंडिंग देने वाले कौन लोग हैं और ऐसी क्या मजबूरी थी कि कांग्रेस न्यूज क्लिक के साथ खड़ी नजर आई। वहीं, आप पार्टी के नेता राघव चड्ढा पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कुछ राजनीतिक नेताओं को झूठ बोलने की आदत है। शायद, वे भूल गए कि संसद ऐसे काम नहीं करता। सदन नियमों के अनुसार चलता है, हंगामे से नहीं। वे देश को गुमराह करने का प्रयास कर सकते हैं। लेकिन वे लोकसभा और राज्यसभा दोनों में बेनकाब हो गए हैं।

# कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज ने केन्द्रीय गृह मंत्री शाह से की मुलाकात

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता व कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के बाद बोम्मई ने ट्वीट कर कहा कि आज उन्होंने दिल्ली में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मैत्रीपूर्ण मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। यहां कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई थी।

# दिल्ली सरकार ने कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के निर्माण का रास्ता किया साफ

**अजय कुमार**

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के निर्माण कार्य में आ रही बाधा को दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को प्रोजेक्ट में बांधक बन रहे 107 पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने या हटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। अशोक रोड पर बनाई जा रही कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट बिल्डिंग के निर्माण कार्य में अब तेजी आ सकेगी। इसमें केंद्र सरकार के प्रशासनिक कार्यालय होंगे। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने साइट पर बिल्डिंग निर्माण के चलते प्रभावित 107 पेड़ों को हटाने व ट्रांसप्लांट करने का प्रस्ताव दिया था। मुख्यमंत्री ने उस प्रस्ताव को अपनी मंजूरी देकर प्रोजेक्ट का रास्ता साफ कर दिया। संबंधित एजेंसी को 107 पेड़ों को हटाने व ट्रांसप्लांट करने की एवज में 1070 नए पौधे लगाने की शर्त का कड़ाई से पालन करना होगा। प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए दिल्ली सरकार ने कहा है कि संबंधित एजेंसी के रूप में सीपीडब्ल्यूडी सभी 107 पेड़ों का प्रत्यारोपण करेगा और वो किसी भी पेड़ की कटाई नहीं करेगा। सभी पेड़ों का प्रत्यारोपण बदरपुर स्थित एनटीपीसी इको पार्क में होगा। दिल्ली सरकार ने सीपीडब्ल्यूडी से कहा है कि वह साइट पर ट्रांसप्लांटेशन के लिए चिंहित पेड़ों के अलावा एक भी पेड़ को नुकसान न पहुंचाए। यदि स्वीकृत पेड़ों के अलावा किसी अन्य पेड़ को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो यह दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत अपराध माना जाएगा।

दिल्ली सरकार ने सीपीडब्ल्यूडी के लिए पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण की एवज में 10 गुना पेड़ लगाना अनिवार्य किया है। इसलिए विभाग पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए चिन्हित स्थल पर 1070 नए पेड़ लगाने के लिए बाध्य है। अब वो एनटीपीसी इको पार्क में 107 पेड़ों का प्रत्यारोपण करने के अलावा 1070 नए पेड़ पौधे लगाएंगे। इन पेड़ों को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 की धारा 12 के तहत वृक्ष अधिकारी/उप वन संरक्षक को मंजूरी और विस्तृत वृक्षारोपण प्रोग्राम पेश करने की तारीख से 4 महीने के भीतर चिन्हित भूमि पर लगाया जाएगा। दिल्ली सरकार के दिशानिदेर्शों के अनुसार, सीपीडब्ल्यूडी सात साल तक पेड़ों के रखरखाव की जिम्मेदारी लेगा। दिल्ली सरकार के अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार, पेड़ों को हटाने और प्रत्यारोपण के बदले में दिल्ली की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए जाएंगे। इनमें नीम, अमलतास, पीपल, पिलखन, गूलर, बरगद, देसी कीकर और अर्जुन सहित अन्य देशी प्रजातियां शामिल हैं।

# मप्र में 7250 करोड़ रुपए की लागत से जल्द बनेंगे 3600 किलोमीटर राज्य राजमार्ग

## - 3000 कि मी से ज्यादा लंबाई के विकास पथ पर निर्माण शुरू

**भोपाल, (हि.स.)।** प्रदेश में जल्दी ही 3600 किलोमीटर राज्य राजमार्ग की सुविधा उपलब्ध होगी। इन राजमार्गों निर्माण 7250 करोड़ रुपए की लागत से होगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में सड़कों का नेटवर्क निरंतर बढ़ रहा है। भोपाल शहर मे वीआईपी रोड के विकल्प के रूप मे आठ-लेन एलिवेटेड कॉरीडोर पश्चिम भोपाल बायपास के निर्माण की तैयारियां चल रही हैं। इस पर 3156 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जबलपुर नरसिंहपुर फोरलेन मार्ग के निर्माण के 756 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया गया है। नर्मदापुरम पिपरिया फोरलेन मार्ग के निर्माण पर 840 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वर्ष 2004 से 2023 तक कुल 32,953 रुपये की लागत से 16,510 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ है। वर्ष 2003 मे सिर्फ 328 किमी राज्य राजमार्ग डबल लेन हुआ करते थे। आज 2023 में 10 गुना बढ़कर 3428 किमी हो गये है। पहले एक भी राज्य राजमार्ग 4 लेन नहीं था। आज 376 किमी राज्य राजमार्ग 4 लेन बन गये है। राज्य राजमार्गो का नेटवर्क बढ़ने से छोटे शहरों, बाजारों तथा मंडियों तक पहुँच बेहतर हुई है। छोटे शहरों में व्यवसायिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है और किसान का सीधा संपर्क बड़े बाजारों/मंडियों से हो गया है। विकास के नये पथ राष्ट्रीय राजमार्गो में अटल प्रगति पथ के निर्माण की कार्रवाई शुरू हो गई है। इस पर 12,227 करोड़ की लागत आयेगी। नर्मदा प्रगतिपथ में बाड़ी झ बुधनी झ नसरुल्लागंज झ संदलपुर फोर लेन मार्ग 147 किमी के निर्माण के लिये 2388 करोड़ का प्रावधान है। अभी 500 किमी मार्ग का निर्माण पूरा हो गया है और शेष 223 किमी पर निर्माण चल रहा है। विंध्य एक्स्प्रेस-वे में भोपाल से सिंगरौली तक 676 किमी लंबे मार्ग को 4 लेन किया जा रहा है।

इसकी लागत 3800 करोड़ रुपये है। भोपाल से सागर तक 190 किमी 4 लेन मार्ग के निर्माण के 2516 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मालवा-निमाड़ विकासपथ में 450 किमी का गरोठ (मंदसौर)-उज्जैन- इंदौर-बुरहानपुर 4 लेन मार्ग बनना शुरू हो गया है। इस पर 7972 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इसी प्रकार बुंदेलखंड विकासपथ में भोपाल से छतरपुर मार्ग को 4 लेन करने के लिए 6160 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। सागर से छतरपुर 190 किमी मार्ग का निर्माण शुरू हो गया है। मध्य भारत विकासपथ में बैतूल से मुरैना तक मार्ग को 4 लेन करने की कार्यवाही जारी है। भोपाल से दिनार (झांसी के समीप) तक 3400 करोड़ रुपये से निर्माण कार्य शुरू हो गये हैं। जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर, सागर एवं रीवा शहरों के लिए क्रमशः 3500 करोड़, 5900 करोड़, 675 करोड़, 756 करोड़ एवं 380 करोड़ लागत से रिंगरोड निर्माण की तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। बड़वानी से देशगाओं तक 143 किमी 4 लेन मार्ग के निर्माण के लिये 4,145 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया गया है। जल्दी ही निर्माण की कार्रवाई शुरू होगी।

# उद्यमियों के बीच सहयोग बढ़ाने को ब्रिक्स स्टार्टअप फोरम लॉन्च करेगा भारत : गोयल

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** भारत निवेशकों, इनक्यूबेटरों और इच्छुक उद्यमियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए इस साल ब्रिक्स स्टार्टअप फोरम की शुरूआत करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिक्स देश के उद्योग मंत्रियों की सातवीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया पहल से देश में करीब एक लाख स्टार्टअप का गठन हुआ है। उन्होंने कहा कि इस कारण नई दिल्ली इस क्षेत्र में अन्य ब्रिक्स सदस्यों को अपना समर्थन दे सकती है।दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी में ऑनलाइन आयोजित इस बैठक में ब्रिक्स देशों के उद्योग मंत्रियों ने एक संयुक्त घोषणा को अपनाया है।

मंत्रियों ने ब्रिक्स देशों के बीच डिजिटलीकरण, औद्योगीकरण, नवाचार, समावेशन और निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया। ब्रिक्स देश के सदस्यों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

# हिमाचल में होगी 200 डॉक्टर और 700 स्टाफ नर्स की भर्ती : स्वास्थ्य मंत्री

**सोलन, (हि. स.)।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश में जल्द ही 200 चिकित्सकों और 700 नर्सों की भर्ती होगी। प्रदेश सरकार सदैव सेवानिवृत्त, सेवारत कर्मियों एवं वरिष्ठ नागरिकों की ऋणी रहेगी। डॉ. शांडिल मंगलवार को सोलन जिला की ग्राम पंचायत सायरी में पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ सायरी के 18वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। डॉ. शांडिल ने कहा कि प्रदेश के विकास में सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका सराहनीय रही है। उन्होंने कहा कि हमारे वरिष्ठ नागरिकों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने जीवन का स्वर्णिम समय प्रदेश के विकास को दिया है। आज हमारा यह उत्तरदायित्व है कि इनका ध्यान रखें और इनकी आवश्यकताओं को पूर्ण करें। उन्होंने कहा वर्तमान प्रदेश सरकार इस दिशा में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पहली कैबिनेट बैठक में ही पुरानी पेंशन योजना को बहाल कर लाखों कर्मचारियों को उनका अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि ओ.पी.एस बहाली के निर्णय से कर्मचारियों और उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। उन्होंने कहा कि सोलन में मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इसके बनने से लोगों को अत्याधुनिक अस्पताल की सुविधा मिलेगी।

# फिर गूंजेगी घंटाघर की घड़ी की मधुर आवाज, लौटेगा वैभव, बनेगा पर्यटन केंद्र

**मीरजापुर, (हि.स.)।** शहर के मध्य स्थापित ऐतिहासिक घंटाघर की वैभव जल्द लौटेगी। अब मीरजापुर शहर की धड़कन की मधुर आवाज फिर गूजेंगी। ऐतिहासिक घंटाघर की घड़ी राह चलते लोगों को समय बताने के साथ अपनी खासियत से भी वाकिफ कराएगी। साथ ही ऐतिहासिक इमारत ट्राई कलर से जगमग नजर आएगा यानी अब उपेक्षित घंटाघर पर सरकार की नजर पड़ चुकी है। ऐसे में सुंदर-ीकरण होने से शहर के मध्य घंटाघर पर्यटन केंद्र बनेगा। देश-विदेश से विंध्य क्षेत्र आने वाले लोग घंटाघर को देखने जरूर आएंगे। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। आजादी के 75 वर्ष बाद अमृत काल में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक घंटाघर व उसकी घड़ी भी स्वतंत्र हो जाएगी। स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगी आभा से दमकते घंटाघर की सुंदरता लोगों की निगाहें बरबस ही अपनी ओर खींचेगी। रौशनी से चकाचैंध घंटाघर तिरंगा रंग में नजर आएगा। नगर पालिका परिषद मीरजापुर के अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी ने बताया कि ऐतिहासिक इमारत घंटाघर की घड़ी वर्षों से बंदी पड़ी थी। यही नहीं, कुछ माह पूर्व गिरी आकाशीय बिजली से घड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। अब दिल्ली की मेडिवल इंडिया की टीम 14 अगस्त तक घंटाघर की घड़ी को बनाएगी। नई घड़ी पूरी तरह से सेटेलाइट और जीपीएस सिस्टम पर आधारित होगी। इससे ऐतिहासिक इमारत फिर से घड़ी की गूंज से गुंजायमान होगा। साथ ही ट्राई कलर से जगमग नजर आएगा, जो आटोमैटिक सिस्टम पर आधारित होगा। सुबह होते ही अपने आप उस-ाकी लाइट बंद हो जाएगी। घंटाघर के ऐतिहासिक स्वरूप को बरकरार रखते

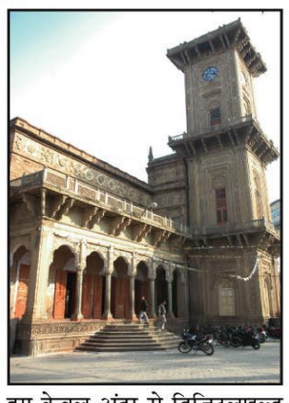

हुए केवल अंदर से डिजिटलाइल्ड किया जा रहा है। घंटाघर परिसर स्थित फाउंटेन को भी दुरुस्त किया जाएगा। साथ ही लोगों की सुविधा के लिए सुलभ शौचालय भी बनवाया जाएगा। मीरजापुर ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्व की दृष्टि से समृद्ध है। पुरखों से हमारे लिए समृद्ध विरासत छोड़ी है। मीरजापुर शहर की धड़कन कहा जाने वाला घंटाघर समृद्ध धरोहर की कहानी बयां कर रहा है, लेकिन स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना ऐतिहासिक घंटाघर की बुलंद इमारत व शहर को समय बताने वाली घंटाघर की घड़ी पर अब तक संरक्षण के अभाव में उपेक्षा की नजर लगी हुई थी। इससे मीरजापुर शहर की धड़कन कहा जाने वाले घंटाघर की घड़ी थम गई थी और प्रशासनिक व जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा के चलते घंटाघर की घड़ी बदहाल पड़ी थी। इसी बीच एक ऐसा समय आया जब आसमान से गिरी बिजली से घंटाघर की घड़ी चकनाचूर हो गई यानी प्रकृति ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। कलात्मक घंटाघर के शिखर पर लगी घड़ी की रफ्तार कब की थम चुकी थी। वर्षों से लोगों को घड़ी की सुइयां चलती नहीं दिख रही थी। कभी सैक-ड़ों लोगों को घंटाघर से ही समय की जानकारी हो पाती थी। कारण यह था कि तब घड़ी सिर्फ रइसों के पास ही हुआ करती थी। ऐसे में आम लोगों को समय की जानकारी घंटाघर में लगी घड़ी से ही हो पाती थी। उस समय काफी दूर तक घड़ी की मीठी आवाज सुनाई पड़ती थी। घड़ी खराब होने से घंटाघर का समय भी खराब चल रहा था। अब घंटाघर का सुंदर-ीकरण होने से आने वाली पीढ़ी ऐतिहासिक धरोहर से रूबरू हो सकेगी। करीब दो सौ वर्ष पूर्व घंटाघर का निर्माण हुआ था। इसके निर्माण की तिथि घंटाघर के आखिरी मंजिल की खिड़कियों पर अंकित है। उस समय इसके निर्माण में 18 हजार रुपये खर्च आए थे। सबसे खास इस इमारत की घड़ी है, जिसे मीरजापुर की धड़कन कहा जाता था। इसकी मीठी आवाज नगर के चारों ओर सुनाई पड़ती थी और लोगों को समय पता चलता था। खास बात यह थी कि घड़ी गुरुत्वाकर्षण बल से चलती थी। ऐसी टेक्नोलाजी आज के समय में असंभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर्यटन व धार्मिक स्थलों के विकास को लेकर प्रयत्नशील हैं। शासन की मंशानुरूप ऐतिहासिक विरासत घंटाघर पर्यटन को बढ़ावा देगा ही, रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। गुलाबी देशी पत्थरों पर की गई अद्भुत व महीन नक्काशियों से बने घंटाघर जैसी विशाल इमारत कहीं और देखने को नहीं मिलती। इस कलात्मक घंटाघर को बनाने में यहां के कारीगरों ने अपनी कारीगरी का बखूबी इस्तेमाल किया है, जो वाकई काबिले तारीफ है। ऐसी दुर्लभ नक्काशियां कम ही देखने को मिलती हैं। फिलहाल यह इमारत इस वक्त नगर पालिका की अभिरक्षा में है।

# अच्छा है अब समाजवादियों को भी जनसंख्या की चिंता सताने लगी : मुख्यमंत्री योगी

**लखनऊ, (हि. स.)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में नेता विरोधी दल अखिलेश यादव को प्रदेश में बेरोजगारी और शिक्षा के संबंध में पूछे गए सवाल पर आईना दिखाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छा है कि नेता विरोधी दल को भी अब जनसंख्या की चिंता होने लगी है। इसी को नियंत्रित करने के लिए हम लोग समान कानून की बात कर रहे हैं। कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि चलिए, समाजवादियों में कुछ तो प्रोग्रेस हुई है। प्रगति के बारे में सोचना अच्छी बात है। उन्होंने कहा कि अभी एक सदस्य ने बेसिक शिक्षा के विषय में एक प्रदेश, एक कोर्स और एक मूल्य को लेकर सवाल पूछा था। इसमें एक देश और एक कानून को भी जोड़ देते तो अच्छा होता। योगी ने बेरोजगारी दर को लेकर कहा कि बेरोजगारी दर जो 2017 से पहले 19 फीसदी थी, वो आज 03 से 04 के बीच रह गई है। प्रदेश में रोजगार के जो अवसर सृजित हुए हैं, उसी की वजह से बेरोजगारी दर में कमी आई है। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में बेरोजगारी दर में हुए सुधार को रोजगार के बढ़ रहे अवसरों से जोड़ते हुए अखिलेश पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार क्या कर रही है ये तो सर्वे भी बताते हैं। बेरोजगारी दर इस बात पर निर्भर करती है कि रोजगार कितने सृजित हुए। 2016-17 में उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर 19 फीसदी से अधिक थी और आज के दिन पर यह 03 से 04 के बीच रह गई है। ये दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। लोगों

को पारदर्शी तरीके से नौकरी मिल रही है और नौकरी की कोई भी प्रक्रिया न्यायालय में लंबित नहीं है। न्यायालय को भी मालूम है कि प्रक्रिया में पारदर्शिता है, शुचिता और पूरी ईमानदारी से सरकार इसको आगे बढ़ा रही है। उत्तर प्रदेश के इस परसेप्शन के कारण ही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 36 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव पास हुए हैं जो एक करोड़ नई नौकरियों का सृजन करेंगे। यह उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए अवसर है। उत्तर प्रदेश के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए ही 02 करोड़ यु-वाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे पहले, सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू हो चुकी है और इसमें सामान्य पाठ्यक्रम के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को भी पैरलल उपलब्ध कराने के कार्यक्रम शुरू किए जा चुके हैं। माध्यमिक शिक्षा में भी राज्य सरकार ने उस अभियान को आगे बढ़ाया है जिसमें सामान्य पाठ्यक्रम को जारी रखते हुए पैरामेडिकल, ड्रोन टेक्नोलॉजी, डेटा एनालिसिस, थ्री डी प्रिंटिंग या फिर इससे संबंधित सर्टिफिकेट कोर्सेज से छात्रों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए पहले से ही व्यवसायिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में व्यापक परिवर्तन करने के कार्य हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में रोजगार के अवसर के बारे में कहा कि ये कहना की बीते 06 वर्ष में भर्ती नहीं हुई है, इसमें आपकी पीड़ा को मैं समझ सकता हूं। पिछले 06 वर्ष में नकल विहीन परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हुई है। नकल माफिया पर लगाम कसी गई है। पहली बार हुआ है जब माध्यमिक शिक्षा जिसमें हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा जो पहले 02 से 03 महीने तक चलती रहती थी वो मात्र 15 दिन में संपन्न हुई है और मात्र 14 दिन में परिणाम भी आए हैं। 56 लाख बच्चों के परिणाम मात्र 29 दिन (परीक्षा से लेकर परिणाम जारी होने तक)में आए हैं। यह भी उस रिफॉर्म का परिणाम है जो शिक्षा के क्षेत्र में आज देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जहां तक शिक्षकों की भर्ती का विषय है तो कोई भी मामला न्यायालय में लंबित नहीं है। 1.64 हजार से अधिक शिक्षकों की भर्ती बेसिक और माध्यमिक शिक्षा में इस सरकार ने की है। शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को युद्धस्तर पर किया जा रहा है। यदि कहीं वेकेंसी है चाहे वो माध्यमिक में हो, बेसिक में हो, उच्च शिक्षा में हो, प्राविधिक में हो, व्यवसायिक शिक्षा में हो या फिर संस्कृत विद्यालयों में हो, इन सबकी भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए हमारी सरकार एक नए शिक्षा आयोग के गठन के लिए बिल लेकर आई है। बिल पर आपको भी अपनी बात रखने का अवसर प्राप्त होगा। जो भी सुझाव आएंगे उन पर सरकार विचार करेगी।

# सुभासपा की बढ़ती ताकत से सपा नेता परेशान : ओम प्रकाश राजभर

**लखनऊ, (हि.स.)।** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी(सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा है कि उनकी पार्टी की बढ़ती ताकत से सबसे अधिक समाजवादी पार्टी के नेता परेशान हैं। सपा नेताओं द्वारा पुरानी वीडियो का कटपेस्ट कर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। ऐसा ही एक वीडियो इस समय वायरल किया गया है, जिसमें सुभासपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव अरविंद राजभर द्वारा सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को गोली मारने की बात कहते हुए दिखाया गया है जो पूरी तरफ से फर्जी है। उक्त बातें सुभासपा सुप्रीमो ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को पार्क रोड स्थित पार्टी कार्यालय पर सपा, बसपा और कांग्रेस के दर्जन भर नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाने के बाद कहीं। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी पर पूछे गए सवाल पर बोले कि ओम प्रकाश राजभर जो कहता है वह होता है। दारा चौहान के बारे में कहा था बात सच हुई। उन्होंने रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को भी एनडीए में शामिल होने की बात कही है। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सुभासपा एनडीए के साथ

गई है तो अब प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर एनडीए की जीत तय है। 330 से अधिक सीटों पर जीत हासिल कर एनडीए तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश में सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि सुभासपा की बढ़ती ताकत से सबसे अधिक सपा परेशान है।

जब से सपा नेताओं को यह पता चला है कि अक्टूबर में सुभासपा की अगुवाई में आजमगढ़ जिले में होने वाली रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आएंगे, तब से सपाई और बौखला गए हैं। सपा ने अब तक जिस अति पिछड़े और अति दलित की उपेक्षा की, उनको आगे बढ़ाने का काम पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे हैं। कहाकि खरवार और चौहान को राज्यपाल भाजपा ही बना सकती है। विश्वकर्मा को एमएलसी बनाने का काम भी भाजपा ने किया है।

# ज्ञानवापी परिसर में पांचवें दिन एएसआई टीम का सर्वे, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

**वाराणसी, (हि.स.)।** इलाहाबाद हाई कोर्ट के निर्देश पर ज्ञानवापी परिसर में सुरक्षा की अभेद्य किलेबंदी के बीच लगातार पांचवें दिन मंगलवार को भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएस-ाआई) टीम का सर्वे कार्य शुरू हो गया है। सर्वे के लिए निर्धारित समय सुबह 08 बजे एएसआई की टीम ज्ञानवापी पहुंच गई। माना जा रहा है कि व्यासजी के तहखाना के साथ गुंबद का सर्वे होगा। सूत्रों के मुताबिक पांचवें दिन एएसआई की टीम व्यास जी के तहखाने के मलबे की जांच के साथ गुंबदों पर बनी कलाकृतियों की कार्बन कापी, परिसर में मिले ताखे, गुंबदों की दो सीढ़ियों के पास बने कलश नुमा नक्काशी का स्कैनिंग, गुंबद आदि का सर्वे करेगी। सर्वे दोपहर 12.30 बजे लंच और नमाज के लिए रोका जाएगा। अपराह्न 2.30 बजे से दोबारा सर्वे शुरू होकर शाम 05 बजे तक चलेगा। इसके पहले एएसआई टीम ने पश्चिमी दीवार का सर्वे किया था। दीवार पर बने निशान, रंगाई-पुताई में इस्तेमाल सामग्री, ईंट-पत्थर के टुकड़े व दीवार

बनाने में प्रयोग होने वाली सामग्री के नमूने बतौर साक्ष्य जुटाए। मिट्टी के नमूने भी लिए। इसके जरिये भवन निर्माण की अवधि, उम्र आदि की जानकारी हासिल की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि एएसआई टीम ने ज्ञानवापी के गुंबदों की शुरूआती बनावट एवं निर्माण की जानकारी ली है। गुंबदों की थ्रीडी मैपिंग कराई गई। कंगूरों (गुंबद के ऊपरी हिस्से) की प्राचीनता का अध्ययन किया गया। दीवार और गुंबद के बीच निर्माण में समानता नहीं मिली है। इसकी थ्रीडी मैपिंग, फोटो व वीडियोग्राफी कराई गई। एएसआई की 58 सदस्यीय टीम चार अलग अलग टीमों के रूप में हिस्सों में बंटकर सर्वे कार्य में जुटी हुई है। माना जा रहा है कि बुधवार से ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक से सर्वे शुरू हो सकता है। इसके लिए आईआईटी कानपुर की विशेषज्ञों की टीम मंगलवार रात तक वाराणसी पहुंच सकती है। उधर, सर्वे से जुड़ी जानकारी साझा करने पर जिला प्रश-ासन के तेवर सख्त हैं। अफसरों ने कहा है कि मामला अदालत में विचाराधीन है। गोपनीय रिपोर्ट अदालत में जमा कराई जानी है। ऐसे में किसी भी तरह की बयानबाजी से बचना होगा।

# उप्र के बुलंदशहर में भीषण सड़क हादसा, चार की मौत, एक जख्मी

**बुलंदशहर, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक जख्मी युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। पुलिस को हादसे का शिकार होने वाली इको कार को गैस कटर से काटकर मृतकों के शव बाहर निकालने पड़े। पुलिस के मुताबिक हादसा थाना डिबाई कोतवाली क्षेत्र के दानपुर के अनूपशहर-डिबाई मार्ग पर हुआ जहां तेज रफ्तार एक अज्ञात वाहन ने ईको कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जान गंवाने वाले कार सवार प्रमोद, पुष्पेंद्र, नीरज एवं जितेंद्र संभल

जिले के निवासी थे। घायल मुकेश भी संभल के ही रहने वाले थे। टक्कर लगने के बाद इको कार सड़क किनारे खाई में जा पलटी।

पुलिस अधीक्षक (देहात) बजरंगबली चौरसिया ने बताया कि हादसा रात में करीब 1 बजे हुआ। एडीएम प्रशासन प्रशान्त कुमार ने बताया कि मृतकों के परिवार को हादसे की सूचना दी जा चुकी है। घायल को बेहतर से बेहतर उपचार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे में सभी शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिए गए हैं।

# एटीएस डीएसपी और दारोगा पर गोली चलाने के आरोपित रवि मुंडा ने किया सरेंडर

**रांची, (हि.स.)।** आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) में पदस्थापित ड-ीएसपी नीरज और पतरातू थाना के दारोगा सोनू साव पर गोली चलाने के आरोपित रवि मुंडा ने मंगलवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। एटीएस कोर्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभात शर्मा की अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया। अधिवक्ता संतोष कुमार साहू और वरुण कुमार ने रवि मुंडा को स-रेंडर करवाया। उल्लेखनीय है कि 17 जुलाई को अपराधी अमन साहू गिरोह के शूटर को पकड़ने गए एटीएस के डीएसपी नीरज कुमार और पतरातू थाना के दारोगा सोनू साव को अपराधियों ने गोली मार दी थी। मामले में अन्य आरोपितों सिद्धार्थ कुमार उर्फ बॉबी और रंजन कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

# राष्ट्रीय थांग-टा चैंपियनशिप के लिए आयोजन समिति का गठन, मंत्री मिथलेश ठाकुर बने अध्यक्ष

**रांची, (हि.स.)।** खेल गांव रांची में 24 से 26 नवंबर तक होने वाली 29वीं राष्ट्रीय सब जूनियर तथा सीनियर थांग-टा चैंपियनशिप के बेहतर आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस बाबत मंगलवार को रांची में जल एवं स्वच्छता मंत्री मिथलेश ठाकुर के आवास पर झारखंड थांग-टा संघ की एक बैठक संपन्न हुई। इसमें चैंपियनशिप के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया। समिति का अध्यक्ष मंत्री मिथलेश ठाकुर को बनाया गया है जबकि दिल्ली पब्लिक स्कूल, धनबाद के उप प्राचार्य रेजा इशियाक को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा झारखंड थांग-टा संघ के अध्यक्ष रंजीत केशरी एवं महासचिव मनोज शर्मा को बनाया गया है। मनोज आयोजन समिति के सचिव एवं कोषाध्यक्ष होंगे। गढ़वा विधायक प्रतिनिधि संजय चौधरी, पवन बरनवाल, राजेश कुमार चौधरी आयोजन समिति के संयुक्त सचिव होंगे। सके अलावा विभिन्न जिला थांग-टा संघों के सचिव को आयोजन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। इसमें

विनित कुमार यादव (रांची), श्रवण साहू (लोहरदगा), सोनामोती कुमारी (पलामू), सुनील कुमार प्रसाद (पूर्वी सिंहभूम), कृष्णा कुमार साव (धनबाद), संजू कुमार (बोकारो)। शंकर राम (कोडरमा), उदय कुमार (हजा-रीबाग) तथा उदय शंकर भारती (दुमका) शामिल हैं।

# झारखंड में लोकसभा चुनाव में जीत के लिए नेताओं की यात्राओं का दौर शुरू

**रांची, (हि.स.)।** झारखंड में लोकसभा चुनाव को लेकर अभी से ही सभी राजनीतिक पार्टियां कमर कस चुकी हैं। एनडीए बनाम इंडिया की 2024 में होने वाली चुनावी संघर्ष से पहले यात्रा के माध्यम से सभी दलों के नेताओं ने जनता के बीच जाने का मन बनाया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी 17 अगस्त से राज्य के 81 विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की संकल्प यात्रा पर निकलेंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक बार फिर खतियानी जोहार यात्रा के दूसरे चरण की तैयारी में लगे हैं। बाबूलाल मरांडी ने यात्रा के पहले गिरिडीह के मधुबन में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के संकल्प को दोहराते हुए झारखंड के 14 लोकसभा सीट पर जीत सुनिश्चित कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी लड़ाई परिवारवाद और राष्ट्रवाद के बीच है। मायावी शक्तियां भेष बदलकर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालना चाहती हैं।

इस मंसूबे को नाकाम करते हुए उन्हें कठोर सजा दिलानी है। बाबूलाल मरांडी राज्य के सभी 14 लोकसभा क्षेत्र के 81 विधानसभा के लिए यात्रा शुरू करने वाले हैं। इस यात्रा के दौरान बाबूलाल मरांडी जहां राज्य की जनता की समस्याओं से रूबरू होंगे उनका दुख दर्द जानेंगे। जनता के बीच हेमंत सोरेन की झूठ की बुनियाद पर बनी सरकार का पोल भी खोलेंगे। बाबूलाल मरांडी का संकल्प राज्य में सभी 14 लोकसभा सीट पर भाजपा का परचम लहराने का है। इधर, एनडीए का घटक दल आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो जहां हल्ला बोल जन पंचायत यात्रा कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस में फिर एक बार प्रदेश स्तर पर भारत जोड़ो यात्रा 2.0 की तैयारी में लग गयी है।

राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव और जदयू भी इसी तरह की राजनीतिक यात्रा की तैयारी में लगी है। नेताओं की चुनावी यात्रा से पहले ही आरोप प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। कोई 14 में 14 लोकसभा सीट को जीतने का दावा कर रहा है तो कोई महंगाई, बेरोजगारी, मणिपुर के मुद्दे पर विपक्ष को घेरने की बात कर रहा है।

# नीतीश मंत्रिपरिषद ने नौ एजेंडों पर लगाई मुहर

**पटना, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल नौ एजेंडों पर निर्णय लिए गए। इस सन्दर्भ में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव, डॉ एस सिद्धार्थ ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि श्रम संसाधन विभाग के अन्तर्गत बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना नियमावली, 2008 (वर्ष 2011, 2014, 2016 एवं 2020 में यथा संशोधित) के नियम 5, 5क एवं 5ख में संशोधन के फलस्वरूप बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना (संशोधन) नियमावली, 2023 को लागू करने की स्वीकृति दी गई। पूर्व में बिहार के प्रवासी मजदूरों की दुर्घटना में मृत्यु पर उनके परिजनों को 01 लाख, पूर्ण अपंगता पर, 75 हजार तथा आं-शक अपंगता पर 37,500 रुपये बिहार सरकार द्वारा दुर्घटना अनुदान स्वरूप दिया जाता था, जिसे बढ़ाकर क्रमशः 02 लाख (दुर्घटना मृत्यु), 01 लाख (पूर्ण अपंगता) तथा 50 हजार रुपया (आंशिक अपंगता) कर दिया गया है। नगर विकास एवं आवास विभाग के अन्तर्गत बिहार संग्रहालय से पटना संग्रहालय को जोड़ने वाले सब-वे निर्माण योजना के लिए 542 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। नगर

विकास एवं आवास विभाग के ही तहत पटना शहर के करमलीचक जोन में विश्व बैंक सम्पोषित एसटीपी के कार्य को पूर्ण करने के लिए 98 करोड़ उनसठ लाख उनासी हजार रुपये, जिसमें से केन्द्रांश के रूप में 62 करोड़ 17 लाख एवं राज्यांश की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी (सेंटेज की राशि सहित) कुल 36 करोड़ 42 लाख उनासी हजार का व्यय राज्यांश के रूप में किये जाने की स्वीकृति दी गई। नगर विकास एवं आवास विभाग के ही तहत राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अन्तर्गत सामाजिक जागरुकता एवं संस्थागत विकास घटक को क्रियान्वयन के लिए जीविका को हस्तांतरित करने से संबंधित समझौता ज्ञापन प्रारूप की स्वीकृति दी गई। उद्योग विभाग के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए राशि 409.33 करोड़ (चार सौ नौ करोड़ तैंतीस लाख) रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति एवं 150.00 करोड़ (एक सौ पचास करोड़) रुपये की प्रथम अनुपूरक आगणन से निकासी एवं व्यय की स्वीकृति दी गई। इसके तहत 29 चयनित औद्योगिक क्षेत्रों में नाला, बाउंड्री, सोलर लाइट एवं रोड निर्माण के विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। मेसर्स दादीजी स्नैक्स प्रा.लि., पटना को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली-2016 के नियम-7 के उप नियम (2)(५) के आलोक में वित्तीय प्रोत्साहन क्लीयरेंस की स्वीकृति दी गई। उद्योग विभाग के अन्तर्गत मेसर्स एएफपी मैनुफैक्चरिंग कंपनी प्रालि, हाजीपुर, वैशाली को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली-2016 के नियम - 7 (2) (५) के आलोक में वित्तीय प्रोत्साहन क्लीयरेंस की स्वीकृति दी गई। इसके तहत 38.61 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अन्तर्गत बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के कार्यालय के कार्यों के संचालन के लिए वैज्ञानिक पदाधिकारी सह जैव स्थानिक विश्लेषक के एक संविदा आधारित पद के सृजन की स्वीकृति दी गई। श्रम संसाधन विभाग के अन्तर्गत नये औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना योजना अन्तर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, राघोपुर एवं औद्योगिक प्रि-शक्षण संस्थान, गड़खा की स्थापना के लिए कुल 86 (छियासी) पदों का सृजन वित्तीय वर्ष 2023-24 में करने की स्वीकृति एवं रुपये 468. 61 लाख (चार करोड़ अड़सठ लाख इकसठ हजार) की राशि प्रति वर्ष व्यय करने की स्वीकृति दी गयी है।

# शौचालय बनाने के दौरान मिट्टी का धंसना गिरने से मजदूर की मौत

**बेगूसराय, (हि.स.)।** बेगूसराय में मंगलवार की दोपहर शौचालय के लिए गड्ढा खोदने के दौरान मिट्टी धंसने से दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र के केलाबारी गांव की है। स्थानीय लोगों एवं मजदूरों की मदद से शव को निकाल लिया गया है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि केलाबारी गांव निवासी खखोरन सिंह ने नया मकान बनाया था। मकान के सामने शौचालय बनाने के लिए गड्ढा खोदा जा रहा था। जिसमें तेघड़ा नगर परिषद के वार्ड संख्या-18 निवासी स्व. जागेश्वर यादव का पुत्र 30 वर्षीय संतोष यादव भी मजदूरी कर रहा था। मंगलवार को सभी मजदूर काम कर रहे थे और संतोष यादव गड्ढा के अंदर से मिट्टी निकाल रहा

था। इसी दौरान मिट्टी धंसने से वह मिट्टी के अंदर दब गया तथा दम घुटने से मौत हो गई। मिट्टी धंसते ही हड़कंप मच गया तथा स्थानीय लोग एवं मजदूरों की मदद से शव को मिट्टी के अंदर से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलते ही तेघड़ा थाना की पुलिस और परिजन भी पहुंच गए। इसके बाद परिजन एवं ग्रामीण ने शव को सड़क पर रखकर मुआवजा के लिए प्रदर्शन शुरू कर दिया। सामाजिक स्तर से लोगों द्वारा सकारात्मक बातचीत की जा रही है। जिससे कि मृतक के चार बच्चे सहित परिवार के भरण-पोषण की व्यवस्था हो सके।

## संपादकीय

# 'अविश्वास' का संसद सत्र

यह संसद के मानसून सत्र का अंतिम सप्ताह है। पूरा सत्र मणिपुर हिंसा और हत्याओं के मुद्दे पर धुल गया। सदन में विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच मोदी सरकार ने 13-14 विधेयक ध्वनि-मत से पारित करा लिए। सत्र में कुल 31 बिल पारित किए जाने थे। बेशक तकनीकी आधार पर बिल पारित माने जाएंगे, क्योंकि ध्वनि-मत भी संसदीय तरीका है, लेकिन रक्षा, शिक्षा, जन-सरोकार, कानून और सूचना प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर न तो कोई बहस हो सकी और न ही संसदीय स्थायी समितियों में चिंतन कर सकीं। यदि 'दिल्ली सेवा विधेयक' (अध्यादेश) राज्यसभा में भी पारित हो जाता है, तो इसी बिल पर बहस हुई और बाकायदा पारित किया गया। दरअसल यह बिल विपक्षी गठबंधन की आम आदमी पार्टी की सरकार से जुड़ा था। बहरहाल लोकसभा और राज्यसभा में सत्ता और विपक्ष के बीच 'नियम और नाक की लड़ाई' के कारण औसतन 10-15 फीसदी ही काम हो पाया। अब लोकसभा में सोमवार, 7 अगस्त, को हो बची-खुची कार्यवाही संभव है, क्योंकि मंगलवार-बुधवार, 8-9 अगस्त, को अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी है। फिर 10 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी पूरी बहस का जवाब देंगे। मत-विभाजन होगा और संसद को 'अनिश्चितकाल के लिए स्थगित' (साइनेडाइ) किया जा सकता है। वैसे भी पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मानसून सत्र की अवधि 11 अगस्त तक ही तय की गई थी। मणिपुर हिंसा के अलावा दिल्ली सेवा बिल, अविश्वास प्रस्ताव और सर्वोच्च अदालत द्वारा राहुल गांधी की सजा पर रोक आदि मानसून सत्र के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे रहे हैं। आश्चर्य यह रहा कि प्रधानमंत्री मोदी एक बार भी, किसी भी सदन में, उपस्थित नहीं रहे। विपक्ष ने लगातार यह सवाल उठाया। माना जा सकता है कि प्रधानमंत्री की स्वदेशी और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताएं काफी रहती हैं, लेकिन उन्होंने भाजपा-एनडीए सांसदों से मुलाकातों के घंटे भी तो निकाले थे। राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उन्होंने उद्घाटन और शिलान्यास भी किए और चुनावी जनसभाओं को भी संबोधित किया। हमने संवैधानिक कवरेज के अपने अनुभव में यह नहीं देखा कि प्रधानमंत्री एक बार भी, सत्र के दौरान, संसद में मौजूद न रहे हों। देवगौड़ा और गुजराल जैसे अपेक्षाकृत कमजोर प्रधानमंत्री भी सदन में मौजूद रहते थे। बहरहाल अब अविश्वास प्रस्ताव पर मौजूद रहना और अंततः बहस का जवाब देना प्रधानमंत्री की संसदीय बाध्यता है। अविश्वास प्रस्ताव पर किसी भी पक्ष का बोलना, मुद्दे उछालना, 2024 के आम चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार करना स्वाभाविक है। संसद का मानसून सत्र बुनियादी तौर पर 'अविश्वास' के नाम रहा। पहला अविश्वास मणिपुर की हिंसा और हत्याओं पर था। विपक्ष सदन में ऐसी बहस पर सहमत ही नहीं हुआ, जिसका उपसंहार मत-विभाजन के साथ न होता हो। अंततः लोकसभा के नियम 198 और संविधान के अनुच्छेद 75 के तहत कांग्रेस को अविश्वास प्रस्ताव पेश करना पड़ा। हालांकि वह जानती थी कि लोकसभा में आज भी प्रचंड बहुमत मोदी सरकार के पक्ष में है, लेकिन विपक्ष देश को एक राजनीतिक संदेश देना चाहता था। इस प्रस्ताव के अलावा अविश्वास 'दिल्ली सेवा बिल' (अध्यादेश) पर रहा। विपक्ष के लगभग सभी दल, तेलंगाना के बीआरएस समेत, इस बिल का विरोध करने पर एकमत हुए। लोकसभा में तो बिल पारित हो गया। राज्यसभा में भी सत्ता पक्ष को आंध्र की वाईएसआर कांग्रेस, ओडिशा के बीजद और उप्र की बसपा सरीखे कथित तटस्थ पक्षों का समर्थन प्राप्त है, लिहाजा वहां भी बिल के पारित होने के पूरे आसार हैं। विपक्ष इस मुद्दे को संविधान, संघीय ढांचा, न्यायपालिका आदि के उल्लंघन के तौर पर चित्रित नहीं कर सका। दरअसल हमारे संविधान के पुरखे ही इस पक्ष में नहीं थे कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोई स्थानीय सरकार बने। अनुच्छेद 239 एए के मुताबिक, संघशासित दिल्ली में भी चुनी हुई सरकार और विधानसभा की व्यवस्था 1991 में की गई। उसके बाद सभी राज्य सरकारें उसी के तहत काम करती रहीं। केजरीवाल की राजनीति गरीब, बेचारगी, पीड़ित, वंचित और झगड़ालू की रही है, जबकि केंद्र सरकार को किसी भी राज्य के लिए कानून बनाने का अधिकार है। फिर भी यह बिल सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है।

> राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उन्होंने उद्घाटन और शिलान्यास भी किए और चुनावी जनसभाओं को भी संबोधित किया। हमने संवैधानिक कवरेज के अपने अनुभव में यह नहीं देखा कि प्रधानमंत्री एक बार भी, सत्र के दौरान, संसद में मौजूद न रहे हों। देवगौड़ा और गुजराल जैसे अपेक्षाकृत कमजोर प्रधानमंत्री भी सदन में मौजूद रहते थे। बहरहाल अब अविश्वास प्रस्ताव पर मौजूद रहना और अंततः बहस का जवाब देना प्रधानमंत्री की संसदीय बाध्यता है। अविश्वास प्रस्ताव पर किसी भी पक्ष का बोलना, मुद्दे उछालना, 2024 के आम चुनाव की राजनीतिक जमीन तैयार करना स्वाभाविक है। संसद का मानसून सत्र बुनियादी तौर पर 'अविश्वास' के नाम रहा। पहला अविश्वास मणिपुर की हिंसा और हत्याओं पर था। विपक्ष सदन में ऐसी बहस पर सहमत ही नहीं हुआ, जिसका उपसंहार मत-विभाजन के साथ न होता हो।

## कुछ अलग

# इस इलाज में आदर्श कहां

आदर्श अस्पतालों के नए मायनों में स्वास्थ्य मंत्री का बयान आशा जगाता है, लेकिन सरकारी इमारतों के बंद कान खोलने के लिए जनता की आवाज को सुनना पड़ेगा। भले ही स्वास्थ्य मंत्री धनी राम शांडिल के रिकार्ड मुताबिक 26 विधानसभा क्षेत्रों के अस्पताल आदर्श हो गए हों, लेकिन जनता की निगाहों, अनुभवों और सरकारी सेवाओं के ढर्रे भी क्या आदर्श स्थापित कर पा रहे हैं। बेशक आगे चलकर पहले 34 विधानसभा क्षेत्र और फिर समस्त 68 विधायकों के चुनावी क्षेत्रों की जनता को स्वास्थ्य विभाग आदर्श होने का सबूत देगा। दरअसल आदर्श का सबूत तो आलीशान इमारतें और उनके भीतर सरकारी पगार से सुसज्जित काई नौकरी पेशा हो सकता है, लेकिन आदर्श के अर्थ स्थापित करने की एक व्यवस्था, मानिटरिंग व संवेदना चाहिए। निश्चित रूप से सरकारें बहुत कुछ करती रही हैं और मौजूदा सरकार ने भी व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर चिकित्सा विभाग की कार्यशैली बदलने के उपाय ढूंढे हैं, लेकिन जहां मरीजों को रैफर करने की आपसी सहमति से स्वास्थ्य के आदर्श चल रहे हों, वहां इस तंत्र को तोड़े बिना शायद ही वास्तविकता बदले। हिमाचल के स्वास्थ्य मंत्री पहले यह पता लगाएं कि प्रदेश के नागरिक, क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों से हर दिन कितने मरीज मेडिकल कालेजों को धकेले जाते हैं। हर दिन विभिन्न मेडिकल कालेजों से मरीज एक से दूसरी ओर या पीजीआई तथा जालंधर-लुधियाना के अस्पतालों को धकेले जाते हैं। जिस इमर्जेंसी सेवा के नाम पर सरकार ने आते ही स्थिति सुधारने का प्रण लिया था, वहां का बिस्तर सिर्फ औपचारिकता है और अनमने से ड्यूटी पर डाक्टर सिर्फ मरीज को एंबुलेंस से उतार कर दूसरी पर चढ़ा देता है। रात्रिकालीन सेवाओं में इतनी भी इनसानियत नहीं कि मरीज को बचाने के लिए एक नेक सलाह ही दे दी जाए। श्रीमान स्वास्थ्य मंत्री महोदय यह पता लगाएं कि प्रमुख क्षेत्रीय या जोनल अस्पतालों की इमर्जेंसी में आकर कितने मरीज दाखिल होते हैं और कितने निजी अस्पतालों के मत्थे मढ़ दिए जाते हैं। रात के वक्त जिला स्तरीय अस्पतालों के टेस्टों, अल्ट्रासाउंड या एक्सरे मशीनों को क्यों सांप सूंघ जाता है। जरा यह भी देख लें कि सरकारी अस्पतालों के टेस्टों, अल्ट्रासाउंड या एकसरे के नतीजों को कितनी गलती से पढ़ा जाता है। खुदा के लिए डाक्टरों व अन्य स्टाफ को कार्य संस्कृति सिखाइए, नहीं तो पीजीआई से ही मालूम कर लें कि रैफर हुए मामलों की लिखावट में वहां कितने दोष निकलते हैं। यह तब भी साबित होता है जब सूबे के मंत्री या मुख्यमंत्री को इलाज के लिए चंडीगढ़ या दिल्ली की राह पकडनी पड़ती है। दरअसल शिक्षा-चिकित्सा से जुड़ी वचनबद्धता के बजाय हिमाचल ने इनके नाम पर मीनारें खड़ी की हैं, वरना एंबुलेंस सेवाओं के रिकार्ड बताते हैं कि रैफर मरीजों के काफिले हर दिन बाहरी राज्यों से मौत की खबर को ही वापस ले आते हैं। जिन छह विभागों की खेप में आदर्श अस्पताल को हर विधानसभा क्षेत्र में सजाना है, उससे पहले यह तो पता कर लें कि बारह जिला अस्पतालों में विशेषज्ञों के कितने पद खाली हैं। कहीं डाक्टर है तो उपकरण नहीं और कहीं उपकरण है तो डाक्टर नहीं, फिर भी आदर्श अस्पतालों की जरूरत को नकारा नहीं जा सकता। शर्त सिर्फ यह होनी चाहिए कि आइंदा हर विधायक अपनी-अपनी बीमारी का अपने ही हलके के आदर्श अस्पताल में इलाज कराएंगे। ऐसे में जब स्वास्थ्य मंत्री का उपचार सोलन अस्पताल और मुख्यमंत्री का इलाज नादौन के अस्पताल में संभव हो पाएगा, आम जनता का विश्वास वापस सरकारी चिकित्सा पद्धति में लौट आएगा, वरना हिमाचल के निजी स्कूलों के बाद अब निजी अस्पतालों की बाढ़ में गुणवत्ता के बहने का खतरा बढ़ रहा है।

## यूपीआई के अंतरराष्ट्रीयकरण से आसानी से अंतरराष्ट्रीय भुगतान भारतीय रुपए में संभव हो सकेंगे

# यूपीआई का अंतरराष्ट्रीयकरण : गेम चेंजर

अश्वनी महाजन

> डिजिटल भुगतान प्रणाली है जिसके माध्यम से विभिन्न बैंकों के बीच धन का स्थानांतरण किया जाता है। बड़ी बात यह है कि यह भारतीय रुपए पर आधारित है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संबंध में फ्रांस में अपने वक्तव्य में यह कहा कि अब भारतीय फ्रांस के आईफिल टावर से भी रुपए में भुगतान कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में यूपीआई के इस्तेमाल के लिए यूपीआई इंटरनेशनल का एक नया फीचर यूपीआई में शामिल किया गया है, जिससे क्यूआर कोड की मदद से भारतीय बैंक खातों से विदेशों में भुगतान किए जा सकते हैं। भूटान, नेपाल, सिंगापुर, यूएई और मॉरिशस में तो पहले से ही यूपीआई से भुगतान संभव था, और अब फ्रांस भी उस सूची में शामिल हो गया है। भारत में नेशनल पेमेंट्स कॉरपेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 2014 में रुपे कार्डों का चलन शुरू हुआ था और बाद में ऑनलाईन भुगतानों की सुविधा के लिए यूपीआई को शुरू किया गया।

क्या है यूपीआई : यूपीआई की शुरुआत 2016 में भारत सरकार द्वारा समर्थित एजेंसी, नेशनल पेमेंट्स कॉरपेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा की गई थी। यह एक त्वरित डिजिटल भुगतान प्रणाली है जिसके माध्यम से विभिन्न बैंकों के बीच धन का स्थानांतरण किया जाता है। बड़ी बात यह है कि यह भारतीय रुपए पर आधारित है। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संबंध में फ्रांस में अपने वक्तव्य में यह कहा कि अब भारतीय फ्रांस के आईफिल टावर से भी रुपए में भुगतान कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में यूपीआई के इस्तेमाल के लिए यूपीआई इंटरनेशनल का एक नया फीचर यूपीआई में शामिल किया गया है, जिससे क्यूआर कोड की मदद से भारतीय बैंक खातों से विदेशों में भुगतान किए जा सकते हैं। भूटान, नेपाल, सिंगापुर, यूएई और मॉरिशस में तो पहले से ही यूपीआई से भुगतान संभव था, और अब फ्रांस भी उस सूची में शामिल हो गया है। भारत में नेशनल पेमेंट्स कॉरपेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 2014 में रुपे कार्डों का चलन शुरू हुआ था और बाद में ऑनलाईन भुगतानों की सुविधा के लिए यूपीआई को शुरू किया गया। आज भारत में अनेक प्लेटफॉर्म हैं जो यूपीआई से जुडक़र अपने ग्राहकों को ऑनलाईन भुगतानों की सुविधा प्रदान करते हैं। यह सच है कि ऑनलाइन यानी डिजिटल भुगतानों का चलन पूरी दुनिया में बढ़ा है, लेकिन दुनिया में भी सबसे ज्यादा यह भारत में बढ़ा है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में कुल 149.5 लाख करोड़ रुपए के ऑनलाइन लेन-देन हुए। इन लेन-देनों में 126 लाख करोड़ रुपए के लेन-देन सिर्फ यूपीआई के माध्यम से हुए। गौरतलब है कि देश में कुल लगभग 88 अरब ऑनलाइन लेन-देन रिकार्ड किए गए। प्राइस वाटरहाउस कूपर की एक रिपोर्ट के अनुसार ऑनलाइन भुगतान की संख्या 2026-27 तक एक अरब प्रतिदिन तक पहुंच सकती है। इससे ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि दुनिया में जितने ऑनलाइन लेने-देन होते हैं, उसके 40 प्रतिशत से ज्यादा लेन-देन भारत में होते हैं। बड़ी बात यह है कि भारत में ऑनलाइन लेन-देन पूर्णतया मुफ्त रहा है। हाल ही में सरकार ने 2000 और उससे ऊपर की राशि पर उपभोक्ता द्वारा मर्चेंट को खरीददारी के लिए भुगतान पर 1.1 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने की अनुमति दी है। लेकिन यदि उपभोक्ता द्वारा मर्चेंट के बैंक अकाउंट में भुगतान किया जाता है तो शुल्क लागू नहीं होगा।

### यूपीआई का अंतरराष्ट्रीयकरण

यूपीआई का अंतरराष्ट्रीयकरण एनपीसीआई के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता है। 2022 में एनपीसीआई ने घोषणा की कि वह उन बाजारों में यूपीआई भुगतान को सक्षम करने के लिए कई देशों में



बैंकों और भुगतान कंपनियों के साथ काम करेगा। तब से यूपीआई को कई देशों में लॉन्च किया जा चुका है और कई अन्य मुल्कों में इस हेतु तैयारी चल रही है। यूपीआई के अंतरराष्ट्रीयकरण से उपयोगकर्ताओं और व्यापारियों को कई लाभ मिलेंगे। उपयोगकर्ताओं के लिए इसका मतलब यह होगा कि वे अपने स्थान से अतिरिक्त अन्य स्थानों पर भी अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से भुगतान करने और प्राप्त करने में सक्षम होंगे। व्यापारियों के लिए, इसका मतलब यह होगा कि वे व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंचने और भारतीय ग्राहकों से भुगतान स्वीकार करने में सक्षम होंगे। यूपीआई का अंतरराष्ट्रीयकरण भारतीय भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है। यह इस बात का प्रमाण है कि यूपीआई भारत में सफलता का परचम लहराने के बाद वैश्विक भुगतान परिदृश्य को बाधित करने की क्षमता रखती है। यूपीआई सुविधाजनक होने के साथ साथ सुरक्षित भुगतान प्रणाली भी है। आज के इस साइबर अपराधों के युग में यह एक सुरक्षित भुगतान प्रणाली भी है जो उपयोगकर्ताओं के खातों की सुरक्षा के लिए दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करती है। इसलिए हम देखते हैं कि लेन-देन के इतने बड़े प्रमाण के बाद भी धोखाधड़ी न्यूनतम है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में लागत बहुत अधिक है। यूपीआई के अंतरराष्ट्रीयकरण से सीमा पार भुगतान की लागत को कम करने में भी मदद मिलेगी। गौरतलब है कि पिछले साल रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर यूरोपीय प्रणाली 'स्विफ्ट' में अचानक आई रुकावट के बाद यूपीआई को वैश्विक बनाने की मुहिम तेज हो गई है।

### यूपीआई के वैश्विक होने के निहितार्थ

गौरतलब है कि चूंकि यूपीआई भारतीय रुपए पर आधारित है, इसलिए यूपीआई के अंतरराष्ट्रीयकरण से आसानी से अंतरराष्ट्रीय भुगतान भारतीय रुपए में संभव हो सकेंगे। समझना होगा कि इससे पूर्व भारत से अंतरराष्ट्रीय भुगतान करने के लिए वीजा और मास्टर कार्ड सरीखी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा जारी क्रेडिट और डेबिट कार्ड का इस्तेमाल जरूरी था। यहां तक कि वर्ष 2014 से पहले भारत में भी उपभोक्ताओं द्वारा मर्चेंट को ऑनलाइन भुगतान करने के लिए इन्हीं कार्डों का इस्तेमाल किया जाता था। एक मोटे अनुमान के अनुसार कुल लेन-देन के 2.5 प्रतिशत तक की राशि भुगतान प्राप्त करने वाले मर्चेंट को वीजा और मास्टर कार्ड को देनी पड़ती थी। इस लाभ को ये कार्ड कंपनियां अपने मूल देश में ले जाती थी। वर्ष 2014 में यह राशि 1 अरब डालर से ज्यादा की थी। एक समय ऑनलाइन भुगतानों में जिस वीजा और मास्टर कार्डों का एकाधिकार था, अब कार्ड व्यवसाय में भी इन दोनों कार्डों का हिस्सा रुपे कार्ड से कहीं कम रह गया है। लेकिन आज की वास्तविकता यह है कि हालांकि कार्ड भुगतानों में रुपे कार्ड का योगदान 60 प्रतिशत तक पहुंच गया है और वीजा और मास्टर कार्ड का योगदान मात्र 40 प्रतिशत मात्र ही रह गया है, लेकिन यदि कुल ऑनलाइन भुगतानों की बात की जाए तो कार्डों का महत्व बहुत कम रह गया है क्योंकि एक बैंक खाते से दूसरे खाते में, एक व्यक्ति के वॉलेट से दूसरे व्यक्ति के वॉलेट में राशि अंतरित करने के लिए यूपीआई समर्थित प्लेटफार्मों का कोई विकल्प नहीं है। आज क्यूआर कोड और मोबाइल नंबर और बैंक खाता आधारित ऑनलाइन लेन-देन सबसे अधिक हो रहे हैं। यह सुविधाजनक और सस्ता तो है ही, त्वरित भी है। पिछले मार्च में, यूरोपीय संघ (ईयू) ने प्रमुख रूसी बैंकों को स्विफ्ट (सोसाइटी फॉर वल्र्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन) प्रणाली, जो वैश्विक वित्तीय संदेश प्रणाली है, का उपयोग करने से प्रतिबंधित कर दिया था जिसका मुख्यालय बेल्जियम में है। यह प्रणाली विभिन्न देशों में धन के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है।

### एक गेम चेंजर

एक समय था जब पश्चिमी देशों का वित्तीय दुनिया पर शासन था, उनका न केवल अंतरराष्ट्रीय वित्त पर, बल्कि भुगतान प्रणालियों पर भी नियंत्रण था। वैश्विक भुगतान में स्विफ्ट का एकाधिकार था। पश्चिमी देश जब-तब दुनिया को धमकी देते रहते थे कि अगर कोई देश उनके कहे मुताबिक नहीं चलेंगे तो वे उस पर प्रतिबंध लगा देंगे। उनके प्रतिबंधों का मतलब आमतौर पर स्विफ्ट के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय भुगतान को रोकना होता है। अब जब रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोपीय संघ द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के मद्देनजर, भारत की ओर से भारतीय रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के निपटान को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ कई अन्य क्षेत्रीय ब्लॉक भी अपने सदस्यों की संबंधित घरेलू मुद्राओं में व्यापार के निपटान को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं, तो पश्चिमी ब्लॉक को ख़ासा अच्छा जवाब मिल रहा है।

# शिक्षक सम्मान की स्थायी नीति कब तक बनेगी

> पुरस्कारों से प्रेरणा, पहचान, प्रोत्साहन तथा मनोबल बढ़ता है। बशर्ते कि चयन प्रक्रिया के निश्चित मानक हों तथा पुरस्कार योग्यता व उपलब्धियों पर आधारित हों, न कि 'पुरस्कार प्रबन्धन कौशल' से प्राप्त हों। जुगाड़ से प्राप्त पुरस्कारों से जीवन भर आत्मग्लानि ही होती है। वैसे आत्मसम्मान, आत्मशांति तथा आत्मसंतोष से बढक़र दुनिया में कोई पुरस्कार नहीं है। विगत कई वर्षों से हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में पांच सितम्बर को दिए जाने वाले शिक्षक पुरस्कार चयन की प्रक्रिया विवादास्पद ही रही है। फलस्वरूप बार-बार कोई न कोई बदलाव होता रहा है। चयन प्रक्रिया तथा चयनकर्ताओं पर उंगलियां उठती रही हैं। माननीय न्यायालयों में चयन प्रक्रिया के विरुद्ध केस दायर हुए। झूठे दस्तावेज, फोटो, प्रमाणपत्र, जुगाड़ से प्राप्त किए प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संस्थाओं तथा राजनेताओं के प्रशंसा पत्र लगाकर पुरस्कार के दावे प्रस्तुत किए जाने के आरोप लगाते रहे हैं। पुरस्कार प्रदान करने के बाद वापस करने तक को भी कहा गया। इसका कारण या तो व्यक्ति की श्रेष्ठता विभिन्न मानकों के मकडज़ाल में फिट नहीं बैठती या फिर चयन प्रक्रिया तथा संबंधित महत्वाकांक्षी व्यक्ति दोषी होता है।

पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा किसे नहीं होती। सभी चाहते हैं कि उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक, प्रशासनिक, राजनीतिक या किसी भी क्षेत्र में किए गए कार्य के लिए उन्हें मान-सम्मान, प्रतिष्ठा, पहचान मिले तथा उनका अलंकरण हो। योग्य तथा कर्मठ व्यक्तियों को पुरस्कृत तथा सम्मानित करना किसी भी व्यवस्था संचालन तथा भविष्य में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रशासन या प्रबन्धन के लिए आवश्यक भी है। पुरस्कारों से प्रेरणा, पहचान, प्रोत्साहन तथा मनोबल बढ़ता है। बशर्ते कि चयन प्रक्रिया के निश्चित मानक हों तथा पुरस्कार योग्यता व उपलब्धियों पर आधारित हों, न कि 'पुरस्कार प्रबन्धन कौशल' से प्राप्त हों। जुगाड़ से प्राप्त पुरस्कारों से जीवन भर आत्मग्लानि ही होती है। वैसे आत्मसम्मान, आत्मशांति तथा आत्मसंतोष से बढक़र दुनिया में कोई पुरस्कार नहीं है। विगत कई वर्षों से हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में पांच सितम्बर को दिए जाने वाले शिक्षक पुरस्कार चयन की प्रक्रिया विवादास्पद ही रही है। फलस्वरूप बार-बार कोई न कोई बदलाव होता रहा है। चयन प्रक्रिया तथा चयनकर्ताओं पर उंगलियां उठती रही हैं। माननीय न्यायालयों में चयन प्रक्रिया के विरुद्ध केस दायर हुए। झूठे दस्तावेज, फोटो, प्रमाणपत्र, जुगाड़ से प्राप्त किए प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संस्थाओं तथा राजनेताओं के प्रशंसा पत्र लगाकर पुरस्कार के दावे प्रस्तुत किए जाने के आरोप लगाते रहे हैं। पुरस्कार प्रदान करने के बाद वापस करने तक को भी कहा गया। इसका कारण या तो व्यक्ति की श्रेष्ठता विभिन्न मानकों के मकडज़ाल में फिट नहीं बैठती या फिर चयन प्रक्रिया तथा संबंधित महत्वाकांक्षी व्यक्ति दोषी होता है। सम्मान चाहने वाले व्यक्तियों में भी तीव्र महत्वाकांक्षा तथा प्रतिस्पर्धा पाई जाती है। अनेकों बार महत्वाकांक्षी व्यक्ति अपना कार्य छोड़ कर केवल पुरस्कारों के आवेदन, प्रबन्धन तथा जुगाड़ पर ही केन्द्रित रहते हैं। इससे भी योग्य, कर्मठ तथा ईमानदारी से कार्य करने वालों की उपेक्षा होने से उनका मनोबल भी कमजोर होता है। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग में पुरस्कार चयन नियमावली में अनेक बार परिवर्तन हुए। कुछ वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह द्वारा शिक्षक दिवस पर जनजातीय क्षेत्र से किसी भी अध्यापक को पुरस्कृत न किए जाने पर आक्रोशित होकर शिक्षक चयन के लिए नई नीति बनाने के आदेश दिए। परिणामस्वरूप 24 सितम्बर 2015 में एक नई शिक्षक पुरस्कार योजना सामने आई। तदोपरांत पांच वर्षों तक निरंतर शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले अध्यापकों को सम्मानित करने के लिए योजना बनी, लेकिन यह कार्य भी आगे नहीं बढ़ सका। पिछली सरकार ने कुछ वर्षों से बिना आवेदन के दो शिक्षकों को सम्मानित करना शुरू किया था। अब वर्तमान सरकार ने 2015 की शिक्षक पुरस्कार योजना नीति को वापस ले लिया है। पूर्व में राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों के कार्यकाल में एक वर्ष तथा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को दो वर्ष के सेवाकाल की वृद्धि की जाती थी। उसके बाद पुरस्कार विजेताओं को एकमुश्त 40000 तथा 60000 सम्मान राशि देने का प्रावधान रखा गया। प्रदेश 'अवार्डी टीचर्स एसोसिएशन' काफी समय से इसके विरोध में मांग उठाती रही है। अब सरकार पुरस्कृत अध्यापकों का सेवा विस्तार नहीं करेगी बल्कि इच्छुक पुरस्कृत अध्यापकों को अगर वो चाहें तो निश्चित वेतन पर एक वर्ष के लिए पुनः रोजगार पर नियुक्त करेगी। अन्यथा पुरस्कार के लिए निश्चित एकमुश्त राशि का भुगतान करेगी। शिक्षक पुरस्कारों के बारे में बार-बार बदल रहे नियमों, मानकों तथा विवादास्पद चर्चाओं से बेहतर एवं आवश्यक है कि इन पुरस्कारों तथा शिक्षकों की गरिमा व विश्वसनीयता को बनाए कर रखा जाए। शिक्षा व्यवसाय नहीं बल्कि एक मिशन है। अध्यापक के लिए जीवन निर्माण की प्रक्रिया है। मजदूरों, किसानों, बागवानों, सैनिकों, कर्मचारियों, डाक्टरों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, उद्योगपतियों, अभिनेताओं, राजनेताओं, प्रधानमंत्रियों तथा राष्ट्रपतियों की पृष्ठभूमि में शिक्षक निर्माता के रूप में अपनी अतुलनीय भूमिका निभाता है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रदान किए जाने वाले इन पुरस्कारों को विवादास्पद या चर्चा का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। आवश्यक हो तो कुछ समय के लिए इन पर विराम लगा देना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इन पुरस्कारों के लिए आवेदन नहीं मांगे जाने चाहिए। पुरस्कार मांगा नहीं जाना चाहिए बल्कि स्वतन्त्र व्यवस्था द्वारा प्रदान किया जाना चाहिए। चयन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए। शिक्षा विभाग द्वारा अध्यापकों के चयन की स्वचलित प्रक्रिया होनी चाहिए। राज्य शिक्षा प्रशासन से लेकर जिला तथा स्थानीय स्तर तक प्रशासकीय आंख हर समय खुली रहनी चाहिए। उत्कृष्ट परिणामों के लिए इनाम तथा विपरीत स्थिति में दण्ड का विधान होना भी आवश्यक है। शिक्षकों के आचरण, उत्कृष्ट कार्यों, उपलब्धियों तथा परिणामों का सम्मान होना ही चाहिए, न कि मधुर सम्बन्धों को अधिमान दिया जाना चाहिए। शिक्षक सम्मान नीति में न केवल शिक्षकों के लिए बल्कि चयन प्रक्रिया तथा चयनकर्ताओं के लिए भी मानक निश्चित किए जाने चाहिए। मशहूर शायर मिर्जा गालिब का एक शे'र याद आ रहा है, 'हमने माना कि तगाफुल न करोगे लेकिन खाक हो जाएंगे हम तुमको खबर होने तक।' इस नीति में अनेकों बार परिवर्तन हो चुके हैं तथा पता नहीं कब तक स्थायी एवं सर्व स्वीकार्य शिक्षक निर्माण नीति बन कर तैयार होगी।

## दृष्टिकोण

# वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन की सुस्ती; भारत के लिए अवसरों का नया दौर

इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक-वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में दो महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। एक, वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन की सुस्ती का दौर है। दो, चीन की बढ़ती हुई आर्थिक समस्याओं और आपदाओं के बीच भारत के लिए आर्थिक अवसरों का नया दौर आकार लेते दिखाई दे रहा है। चीन-ताइवान के बीच चरम पर पहुंची तनातनी और चीन द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका विरोध की रणनीति के कारण एप्पल और सैमसंग जैसी कई बड़ी कंपनियां चीन से निकल भारत में काम शुरू कर चुकी हैं। विगत तीन अगस्त को दुनिया की दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोर्गन स्टेनली द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष में 6.2 फीसदी के साथ चीन से अधिक है। इस दशक के अंत तक जहां भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत पर रहेगी, वहीं चीन 3.9 फीसदी की सुस्त दर से विकास करेगा। मोर्गन स्टेनली ने भारत की इकोनॉमिक आउटलुक रेटिंग बढ़ाकर ओवरवेट, तो चीन की घटाकर इक्वलवेट की है। चीन की आउटलुक रेटिंग गिरना इसका संकेत है कि उसके बाजारों में निवेश के अवसरों में कमी आने की आशंका बनी हुई है। चीन के बाजार में सुस्त उपभोक्ता खर्च, निर्यात में गिरावट, संकटग्रस्त संपत्ति बाजार, बढ़ती बेरोजगारी, भारी स्थानीय सरकारी ऋण, घरेलू मांग में कमी, कमोडिटी की कीमतों से लेकर इक्विटी बाजारों तक गिरावट, कर्मचारियों की छंटनी जैसी आर्थिक मुश्किलों का परिवेश दिखाई दे रहा है। कुछ साल पहले तक कहा जा रहा था कि चीन 2028 तक दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। पर अब अमेरिका की बराबरी करने में चीन को अधिक समय लगेगा। अमेरिका की इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के मुताबिक, चीन को अमेरिका से आगे निकलने के लिए 2040 के दशक तक इंतजार करना होगा। दूसरी ओर, भारत में ढांचागत विकास की तेजी, बढ़ते विदेशी निवेश, बढ़ते शेयर बाजार, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, मध्यवर्ग की ऊंची क्रय शक्ति, कॉरपोरेट टैक्स में कटौती, प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम तथा बढ़ते हुए कामकाजी उम्र वाले लोग अर्थव्यवस्था की ताकत बढ़ा रहे हैं। एक वर्ष पहले कहा जा रहा था कि पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, पर अब आईएमएफ और अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक मोर्गन स्टेनली जैसे कई वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट बता रही है कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने में बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में आई क्रांति अहम भूमिका निभा रही है। पिछले नौ साल में बुनियादी ढांचे के निर्माण पर 34 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए 1,500 से अधिक पुराने कानूनों के अनावश्यक अनुपालन को खत्म किया गया है। श्रम लागत में तेजी से कमी आई है। वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को साकार करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। जैसे कि नई लॉजिस्टिक नीति और गति शक्ति योजना के कारगर कार्यान्वयन पर अधिक ध्यान देना होगा। कोशिश करनी होगी कि देश की ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षित कार्यबल में परिणत किया जाए। बड़ी संख्या में युवाओं को डिजिटल कारोबार के दौर की और नई तकनीकी योग्यताओं के साथ एआई, क्लाउड कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग एवं अन्य नए डिजिटल कौशल से लैस करना होगा। विभिन्न देशों के साथ एफटीए के लिए वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। रुपये को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे तथा मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने पर ध्यान देना होगा।

## देश दुनीया से

# सब भाग रहे हैं

हम कितने पुण्यभागी हैं कि चार वेदों के इस देश की चार दिशाओं में गोल-गोल भाग रहे हैं। सब भाग रहे हैं अपनी औक़ात और हैसियत के मुताबिक़। कोई राष्ट्र सेवा के नाम पर कर्तव्य पथ बनाम राज पथ होकर भाग रहा है, कोई अपने कर्तव्य से भाग रहा है तो कोई सत्ता और धर्म के ठेकेदारों द्वारा धर्म के नाम पर उकसाए जाने पर श्वानों की तरह भाग रहा है। जिनके पास बैंकों से उगाहे हुए खरबों रुपये थे, वे पहली ही देश छोड़ कर भाग चुके हैं और जिन्होंने अपनी मेहनत से अरबों कमाए हैं, वे देश में असुरक्षित महसूस करते हुए सब कुछ समेटने के बाद नागरिकता छोड़ कर विदेश भाग रहे हैं। देश की पढ़ी-लिखी क्रीम और अनपढ़ लोग डॉलर कमाने के लिए विदेशों में भाग रहे हैं। ग्रामीण बेरोजग़ार रोजग़ार की तलाश में शहर भाग रहे हैं। कोई किसी को गरियाते हुए भाग रहा है तो कोई गाली खाने से बचने के लिए भाग रहा है। कुल मिला कर सब भाग रहे हैं। पर यीशु मसीह के शब्दों में कहें तो 'धन्य हैं वे लोग' जो देश सेवा के नाम पर सरकारी सम्पत्ति भोगते हुए भाग रहे हैं या सरकारी सम्पत्ति के भोग के जुगाड़ में भाग रहे हैं। लेकिन ऐसे लोग लात मारने पर भी सही दिशा में नहीं भागते। नहीं तो कुत्ता भी लतियाने पर बचने के लिए सही दिशा में कूं-कूं करता हुआ भाग जाता है। भागने की इसी परम्परा को निर्बाध आगे बढ़ाते हुए आम लोगों के सवालों से बचने के लिए वह देश की परिक्रमा करते हुए निरन्तर भाग रहे हैं। हर रोज़ प्रायः अठारह-अठारह घंटे काम करने के बावजूद उन्हें कई बार परिक्रमा पूरी करने के लिए बाईस-बाईस घंटे भागना पड़ता है। यहाँ तक कि विश्व भ्रमण के दौरान कई बार लगातार कितने तक वह सो भी नहीं पाते। वह बेहद किफायती हैं और अगर देश हित में उन्हें सोना भी पड़े तो किसी होटेल में रुकने की बजाए जहाज़ में ही सो लेते हैं। सदा अपनी ठकुरसुहाती में मगन रहने वाले परिधानमंत्री को देश का एक नया पैसा भी बर्बाद करना नहीं सुहाता। पर बुरा हो गोदी मीडिया के पत्रकारों का, जो उनके अथक परिश्रम को प्राईम टाईम पर ठीक से परोसते नहीं और उनकी दिनचर्या केवल अठारह घंटों तक सीमित कर देते हैं। मीडिया के इस अधूरे महिमामंडन की वजह से देशवासी उनके अथक परिश्रम से अभी भी ठीक से अवगत नहीं हो पाए हैं। जबकि सच्चाई है कि परिधानमंत्री ने युगपुरुषत्व के मामले में भगवान श्रीकृष्ण को मीलों पीछे छोड़ दिया है। श्रीकृष्ण के सोने के कई क़िस्से, कथाओं-कहानियों में हमारे सामने आते हैं। सोने के इसी चक्कर में श्रीकृष्ण को व्याध का तीर भी झेलना पड़ा था, जो उनकी मृत्यु का कारण बना। पर देवों के देव, परिधानमंत्री न केवल निंद्रा बल्कि निंदा से भी कोसों दूर हैं। भले विपक्ष पानी पी-पीकर उन्हें कोसता रहे कि मणिपुर हिंसा के तीन महीने गुज़र जाने के बाद भी वह न तो मणिपुर से आए किसी प्रतिनिधि मंडल से मिले, न ही स्वयम् वहाँ गए और न ही सदन में बोलने के लिए आए। प्रशंसा ग्रहण करने के मामले में चाहे वह ग़रीबनवाज़ सिद्ध हों लेकिन उनकी छप्पन इंची पर आलोचना और निंदा का असर नहीं होता। कुछ समय पूर्व तक लोगों को इस बात का अन्दाज़ा नहीं था कि बचपन में उनके द्वारा मगरमच्छ का बच्चा पकडऩे से उनका कर्म और चर्म दोनों एक जैसे हो गए हैं। यहाँ तक कि छोडऩे के मामले में भी वह भगवान श्रीकृष्ण से कोसों आगे हैं। श्रीकृष्ण ने यदुवंशियों को बचाने के लिए रण छोड़ा था। किन्तु हर बेवक्त लम्बी-लम्बी छोडऩे वाले परिधानमंत्री मणिपुर, नूह और संसद छोड़ कर चुनावी रैलियों में भाग लेने के लिए भाग रहे हैं। मगरमच्छ और मौर में 'म' होने की वजह से दोनों को एक बताते हुए परिधानमंत्री, उनके मंत्री और प्रवक्ता मणिपुर महिला नग्न परेड और बलात्कार मामले में सदन में बहस करने की बजाए यहा-वहां भाग रहे हैं।

> ग्रामीण बेरोजग़ार रोजग़ार की तलाश में शहर भाग रहे हैं। कोई किसी को गरियाते हुए भाग रहा है तो कोई गाली खाने से बचने के लिए भाग रहा है। कुल मिला कर सब भाग रहे हैं। पर यीशु मसीह के शब्दों में कहें तो 'धन्य हैं वे लोग' जो देश सेवा के नाम पर सरकारी सम्पत्ति भोगते हुए भाग रहे हैं या सरकारी सम्पत्ति के भोग के जुगाड़ में भाग रहे हैं। लेकिन ऐसे लोग लात मारने पर भी सही दिशा में नहीं भागते। नहीं तो कुत्ता भी लतियाने पर बचने के लिए सही दिशा में कूं-कूं करता हुआ भाग जाता है। भागने की इसी परम्परा को निर्बाध आगे बढ़ाते हुए आम लोगों के सवालों से बचने के लिए वह देश की परिक्रमा करते हुए निरन्तर भाग रहे हैं।

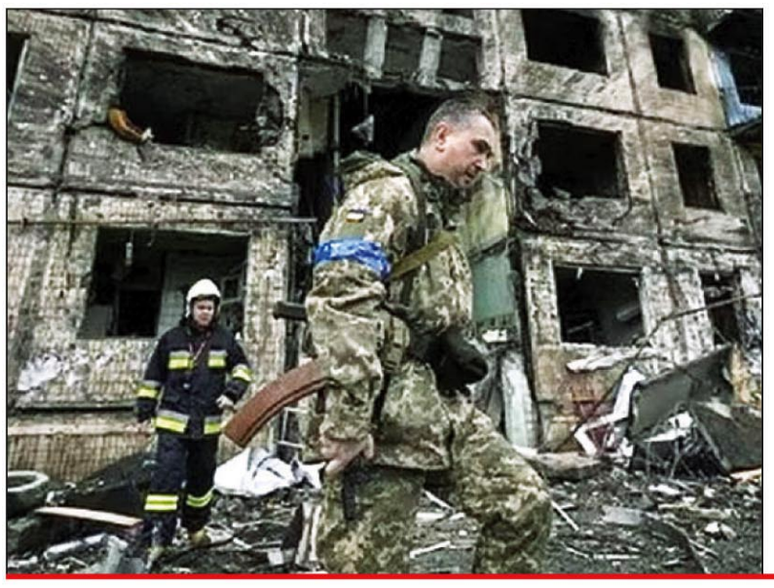

# रूस के मिसाइल हमले में यूक्रेन के 5 लोगों की मौत 31 घायल; जेलेंस्की ने शेयर किया वीडियो

**कीव।**

रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को एक साल से भी ज्यादा समय हो चुका है। दोनों देशों के बीच इस जंग को शांत कराने के लिए कई देश प्रयासरत हैं। इसी क्रम में सऊदी अरब के जेद्दाह में रूस-यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान ढूंढने पर चर्चा चल रही है। बावजूद इसके दोनों देश एक दूसरे पर लगातार हमले भी कर रहे हैं। इस बीच, सामने आाया है कि पूर्वी यूक्रेन के शहर पोक्रोव्स्क में रूस ने मिसाइल हमले किए हैं। शहर की एक आवासीय इमारत को निशाना बनाकर किए गए इस हमले में पांच लोगों की मौत हो गई वहीं, 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

**जेलेंस्की ने वीडियो शेयर कर कही यह बात**

- यूक्रेन ने इस हमले की निंदा की है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि मॉस्को ने एक साधारण आवासीय इमारत पर हमला किया है। उन्होंने सोवियत-युग की एक पांच मंजिला इमारत का फुटेज भी जारी किया है। इस इमारत की ऊपरी मंजिल नष्ट हो गई है। हमले के बाद बचाव अभियान जारी है। अपने पोस्ट नें जेलेंस्की ने लिखा है कि मलबा अभी भी साफ किया जा रहा है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। उन्होंने आगे कहा कि हमें रूसी आतंक को रोकना होगा। दुनिया में जो भी यूक्रेन की मदद करेगा, वह हमारे साथ मिलकर आतंकवादियों को हराएगा। इस भयानक युद्ध में रूस ने जो कुछ भी किया है उसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। यूक्रेन के एक मंत्री इगोर क्लिमेंको ने भी इस हमलों के बारे में टेलीग्राम पर जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, दूसरे हमले में डोनेत्सक क्षेत्र के एक उच्च पदस्थ आपातकालीन अधिकारी की मौत हो गई। इन हमलों में 31 लोग घायल हो गए। इनमें 19 पुलिस अधिकारी, पांच बचावकर्मी और एक बच्चा शामिल है। बता दें कि पोक्रोव्स्क रूस के कब्जे वाले डोनेत्सक शहर के उत्तर-पश्चिम में लगभग 70 किलोमीटर (43 मील) दूर है।

**मॉस्को और कीव एक दूसरे पर कर रहे हमले**

- इससे पहले, मॉस्को और कीव ने एक दूसरे पर हमले किए थे। रूस के हमले में यूक्रेन में एक ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेंटर, एक यूनिवर्सिटी और एक एयरोनॉटिक्स फैसिलिटी क्षतिग्रस्त हो गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को के अधिकारियों ने यूक्रेन पर डोनेत्स्क क्षेत्र में एक यूनिवर्सिटी को नष्ट करने के लिए क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। डोनेत्स्क क्षेत्र अभी रूसी बलों के नियंत्रण में है। वहीं, यूक्रेनी अधिकारियों ने पूर्वी कुपियांस्क शहर (खारकीव) में ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेंटर पर हमले की जिम्मेदारी रूस पर डाली। इससे पहले यूक्रेन ने ही एक प्रमुख रूसी बंदरगाह पर हमला किया था।

## न्यूज ब्रीफ

### पाक ने इजराइल से खरीदे फोन हैकिंग डिवाइसः 11 साल से आईएसआई और एफआईए कर रही हैं इस्तेमाल; यहूदियों को दुश्मन मानता है पाकिस्तान

**तेल अवीव।** इजराइली मीडिया में पिछले हफ्ते एक खबर आई और इसने दुनिया का ध्यान खींचा। खबर थी कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां दुश्मन मुल्क इजराइल में बने फोन हैकिंग डिवाइस या टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक- पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के अलावा कुछ पुलिस यूनिट्स भी इस टेक्नोलॉजी का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रही हैं और ये काम 2012 से जारी है। हैरानी की बात यह है कि पाकिस्तान दुनिया के उन चुनिंदा मुल्कों में शुमार है, जिसने इजराइल को मान्यता नहीं दी है। मान्यता तो सऊदी अरब ने भी इजराइल को नहीं दी है, लेकिन बैकडोर डिप्लोमैसी के तहत वो लगातार इजराइल के संपर्क में रहता है। पिछले दिनों इजराइल के अखबार 'द हेरात्ज' ने एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट पब्लिश की थी। इसके मुताबिक- पाकिस्तान की इंटेलिजेंस एजेंसियों के अलावा कुछ पुलिस यूनिट भी इजराइल की फोन हैकिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही हैं। यह सिलसिला 2012 में शुरू हुआ था और तब से बदस्तूर जारी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक- पाकिस्तान ने सबसे पहले 2012 में इजराइल की टेक्नोलॉजी फर्म सेलिब्रिटी से कॉन्ट्रैक्ट किया था। सबसे पहले इसका प्रोडक्ट खरीदा गया। इसका इस्तेमाल खासतौर पर लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसीज करती हैं। दुनिया में कई देशों की इंटेलिजेंस एजेंसियों के पास इजराइली फर्म की यह स्पेशल स्पाय डिवाइस मौजूद हैं। पासवर्ड प्रोटेक्टेड फोन का भी डेटा चुराया जा सकता है। इसके अलावा टैक्स्ट मैसेज, कॉल, वीडियो और फोटो भी हासिल किए जा सकते हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसीज अपने ही देश में भी इन डिवाइस का इस्तेमाल करती रही हैं। रिपोर्ट में एक दिलचस्प खुलासा किया गया है।

### हिजाब नहीं पहनने वाली महिलाओं पर पहले से ज्यादा सख्ती बरत रही ईरान सरकार; करवाई जा रही शवों की सफाई

**तेहरान।** ईरान में हिजाब न पहनने वाली महिलाओं को सजा दी जा रही है। उनसे मुर्दाघर में शवों की साफ-सफाई कराई जा रही है। साथ ही मनोचिकित्सक के पास इलाज के लिए भेजा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान सरकार हिजाब न पहनने वाली महिलाओं पर पहले से ज्यादा सख्ती बरत रही है, ताकि हिजाब कानून का उल्लंघन करने वाली महिलाओं पर लगाम लगाई जा सके। यहां तक कि हिजाब न पहनने वाली महिलाओं को अस्पताल में इलाज देने से भी मना किया जा रहा है। हिजाब न पहनने वाली महिलाओं को नौकरी से निकाले जाने का फरमान जारी किया गया है। इसी कड़ी में ईरानी अभिनेत्री अफसाने बेयेगन को भी दो साल की निलंबित जेल की सजा सुनाई गई है। साथ ही हर सप्ताह मनोचिकित्सक के पास काउंसलिंग के लिए जाने का निर्देश दिया है। बता दें कि अभिनेत्री ने बीते दिनों अपनी कई तस्वीरें बिना हिजाब पहने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान की अदालत ने एक महिला को हिजाब नियमों का उल्लंघन करने पर मुर्दाघर में शवों की सफाई करने की सजा दी। पीड़ित महिला का गुनाह इतना ही था कि वह बगैर हिजाब पहने कार चला रही थी।

### भारत-चीन सीमा विवाद पर करेंगे बैठकः विदेश मंत्री बोले- पिछले 3 साल में हालात बेहतर हुए; मोदी सरकार ने बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारा

**बीजिंग।** भारत और चीन जल्द ही सीमा विवाद को लेकर बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- सीमा पर तनाव कम करने के लिए भारत और चीन के बीच बातचीत रुकी नहीं है और जल्द ही दोनों देशों के बीच बैठक होगी। जयशंकर के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले 3 सालों में तनाव के मुद्दों पर स्थिति बेहतर हुई है। विदेश मंत्री ने कहा- पिछले 9 सालों में मोदी सरकार ने बॉर्डर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर किया है। इसमें चीन के साथ लगने वाली सीमा पर भी हालात सुधरे हैं। हम बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के साथ भी अपनी कनेक्टीविटी बढ़ा रहे हैं। भूटान के साथ असम से रेलवे लाइन शुरू करने पर भी चर्चा जारी है। भूटान भी इसके लिए उत्साहित है। जयशंकर ने कहा- नॉर्थ बॉर्डर पर बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों पर भारत की प्रतिक्रिया तय होगी। भूटान-चीन के रिश्तों को लेकर विदेश मंत्री ने बताया कि दोनों देशों के बीच 24 राउंड की बातचीत हो चुकी है। अभी और भी राउंड्स होंगे। हम इस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद कब और कैसे खत्म होगा ये वही तय करेंगे। हालांकि, म्यांमार के साथ बॉर्डर पर हालात को लेकर जयशंकर ने कहा- म्यांमार के साथ हालात अभी चुनौतीपूर्ण हैं।

## अमेरिका में 15 अगस्त पर मनेगा राष्ट्रीय जश्न

# संसद में बिल पेश; सांसद बोले- ये सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के लिए जश्न का दिन

**वॉशिंगटन।**

अमेरिका में भी जल्द ही भारत के स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय जश्न के तौर पर मनाना शुरू किया जा सकता है। देश के संसद में इसे लेकर प्रस्ताव पेश किया गया है। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में भारतीय मूल के सांसद श्री थानेदार ने ये रिजॉल्यूशन रखा है।

इसमें भारत के स्वतंत्रता दिवस को दुनिया के 2 सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के नेशनल डे ऑफ सेलिब्रेशन के तौर पर घोषित किए जाने की मांग की है। इस बिल का आधार भारत और अमेरिका के बीच मजबूत साझेधारी को बताया गया है, जो दोनों के लोकतांत्रिक मूल्यों पर निर्भर है।

यही साझेदारी बाकी देशों में भी वैश्विक लोकतंत्र की भावना, शांति और स्थिरता लाने में मदद करेगी। इस प्रस्ताव को सांसद बडी कार्टर और ब्रैड शर्मन ने भी को-स्पॉन्सर किया है।

### पीएम मोदी की यात्रा से दोनों देशों की साझेदारी और मजबूत हुई

प्रस्ताव में कहा गया है कि पीएम मोदी 22 जून को अमेरिका की यात्रा पर आए थे। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के साझा हितों, स्वतंत्रता, लोकतंत्र, कानून के शासन, मानवाधिकार के सम्मान के लिए कमिटमेंट के आधार पर विश्वास और आपसी समझ को आगे पहुंचाया है।

### अमेरिका में अहम पदों पर भारतीय मूल के लोग

प्रस्ताव में बताया गया है कि अमेरिका में रह रहे भारतीय अलग-अलग पदों पर काम कर रहे हैं। इनमें सरकारी अफसर, सैनिक, कानूनी अधिकारी जैसे कई लोग शामिल हैं। ये सब मिलकर अमेरिका की लाइफ को और बेहतर बनाने और उसके सिद्धातों को दुनिया तक पहुंचाने में मदद कर रहे हैं।

इसे देखते हुए भारत के स्वतंत्रता दिवस के जश्न को अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के साथ मनाया जाना जरूरी है। इससे दोनों देश उन लोकतांत्रिक सिद्धांतों को और दृढ़ता के साथ लागू कर सकते हैं, जिनके आधार पर उनका जन्म हुआ था।

### अमेरिकी संसद में दिवाली पर सरकारी छुट्टी के लिए प्रस्ताव

इससे पहले अमेरिका में 25 मई को निचले संदन की सांसद ग्रेस मेंग ने दिवाली को सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने संसद में एक बिल भी पेश किया था। इस बिल को दिवाली डे ऐक्ट नाम दिया गया था। बिल के तहत दिवाली को अमेरिका में 12वीं सरकारी छुट्टी घोषित करने की मांग की गई थी।

वहीं न्यूयॉर्क में दिवाली पर स्कूलों में छुट्टी होने की घोषणा हो चुकी है। करीब महीने भर पहले स्टेट असेंबली में इसके लिए बिल पारित हुआ था। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक ऐडम्स ने इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था- मुझे भरोसा है कि गवर्नर कैथी इस बिल पर साइन कर देंगी। इससे न्यूयॉर्क में रह रहे 2 लाख से ज्यादा परिवारों को बेहतर तरह से त्योहार मनाने का मौका मिलेगा।

### अमेरिका में 44 लाख भारतवंशी

यूएन इंटरनेशनल माइग्रेशन रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में करीब 1.80 करोड़ प्रवासी भारतीय हैं। इनमें से 44 लाख लोग अमेरिका में रहते हैं। यहां 6 राज्यों के 10 जिलों में भारतीय-अमेरिकी लोगों की तादाद 6-18प्रतिशत हैं। कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, इलिनोइस में इनकी सबसे ज्यादा आबादी है।

अमेरिकी एडमिनिस्ट्रेशन में 80 से ज्यादा भारतवंशी अहम पदों पर तैनात हैं। इसके अलावा अमेरिका में करीब 38प्रतिशत डॉक्टर भारतीय मूल के हैं। भारतीय-अमेरिकी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले जातीय समूह हैं।

## पानी को लेकर युद्ध की नौबत

# ईरान सीमा पर तालिबान ने सैकड़ों फिदायीन उतारे, हेलमंद नदी के पानी को लेकर विवाद

**तेहरान।**

ईरान इस वक्त भीषण सूखे से जूझ रहा है। उसकी परेशानी अफगानिस्तान के साथ लंबे समय से चले आ रहे जल विवाद के कारण बढ़ गई है। ईरान का दावा है कि हेलमंद नदी जल बंटवारे के समझौते पर तालिबान अमल नहीं कर रहा है। इस बारे में मई में ही ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने तालिबान को चेतावनी दी थी- या तो अफगानिस्तान समझौते का सम्मान करे या परिणाम भुगतने को तैयार रहे। इस चेतावनी के एक हफ्ते बाद ईरान और तालिबान के बीच सीमा पर भारी गोलीबारी हुई। इसमें दो ईरानी गार्ड और एक तालिबान लड़ाके की मौत हो गई। इससे दोनों देशों के बीच तनाव गहरा गया है। मामले से जुड़े एक व्यक्ति के अनुसार, तालिबान इस मामले में जरा भी झुकने को तैयार नहीं है। उसने युद्ध की तैयारी कर ली है। इसके तहत सीमा क्षेत्र में हजारों सैनिक और सैकड़ों आत्मघाती हमलावर भेजे हैं। पहचान उजागर न करने की शर्त पर उन्होंने कहा कि सैनिकों और फिदायीनों के साथ मोर्चे पर अमेरिका द्वारा छोड़े गए वाहन और हथियार भी भेजे गए हैं। थिंक-टैंक मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के फतेमेह अमान का कहना है कि इन हालात के लिए ईरान खुद दोषी है।

### 97प्रतिशत ईरानी इलाका सूखे की चपेट में, पलायन बढ़ा

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरानी सांसदों ने जून में कहा था कि सिस्तान और बलूचिस्तान में स्थिति इतनी गंभीर है कि अगर पानी नहीं मिला तो 'मानवीय आपदा' उत्पन्न हो जाएगी। पिछले साल 10,000 से अधिक परिवार प्रांत की राजधानी से भाग गए। एक अनुमान के मुताबिक, बांध सूख रहे हैं और देश का 97प्रतिशत से अधिक हिस्सा सूखे से प्रभावित है। सिंचाई के साधन न होने से करीब 2 करोड़ लोग शहरों में चले गए।

## इमरान बोले- पुलिस ने बिना वारंट गिरफ्तार किया

# बुशरा के कमरे में घुसने की कोशिश की, वकील ने कहा- खान की बैरक में कीड़े-मक्खियां

**लाहौर।**

तोशाखाना केस में गिरफ्तार हुए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री अपना पूरा जीवन जेल में काटने के लिए तैयार हैं। खान के वकील नईम हैदर ने बताया कि सी ग्रेड अटक जेल में रह रहे पूर्व पीएम को बहुत ही बुरी हालत में रखा जा रहा है। उनके सेल में मक्खियां और कीड़े हैं। खान से मिलने के बाद वकील ने बताया कि उनका सेल बहुत छोटा है और उसमें बाथरूम भी खुला हुआ है।

नईम ने कहा- इमरान ने मुझे बताया है कि जब पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने जमान पार्क पहुंची थी, तो उनके पास गिरफ्तारी वारंट नहीं था। खान के मुताबिक, पुलिस ने उनकी पत्नी बुशरा बीबी के कमरे का दरवाजा तोड़ने की भी कोशिश की थी। साथ ही उन्हें जेल में बुशरा से मिलने भी नहीं दिया जा रहा है।

### ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ करेंगे अपील

वकील ने बताया कि इमरान ने पावर ऑफ अटॉर्नी पर साइन कर दिया है और ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ वो अपील करेंगे। इससे पहले इमरान की पार्टी ने कोर्ट में अर्जी लगाई थी कि उन्हें अटक के अडियाल जेल ट्रांसफर किया जाए। पिटीशन में उनकी पढ़ाई, तबियत, माहौल और पॉलिटिकल स्टेटस का हवाला दिया गया था।

याचिका में कहा गया था कि बचपन से ही इमरान अच्छे परिवार में पले-बढ़े हैं। उन्होंने अच्छे स्कूल से पढ़ाई की है और राजनीति में काफी समय से एक्टिव हैं। वो लंदन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट हैं, देश की क्रिकेट टीम के कप्तान और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। इस वजह से उनके जीवन जीने का तरीका काफी अच्छा रहा है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए खान के लिए पाकिस्तान प्रिजन रूल्स के आधार पर क्लास फैसिलिटी की मांग की गई है। इससे पहले बताया था कि इमरान की जेल में बेहद कम सुविधाएं हैं और उन्हें खाना भी नहीं दिया जा रहा है।

# अमेरिकी एटमी मिसाइल बेस में 268 वर्कर कैंसर संक्रमित: जांच में पता चला, कैंसर फैलाने वाला तत्व जरूरत से ज्यादा... तुरंत खाली होगा बेस

**वॉशिंगटन।**

अमेरिका के परमाणु मिसाइल बेस में कैंसर फैलाने वाले तत्व मिले हैं। मोंटाना न्यूक्लियर बेस में बड़ी संख्या में कर्मचारी कैंसर से संक्रमित पाए गए हैं। अमेरिकी एयरफोर्स ने इसकी पुष्टि की है। मिसाइल बेस में कैंसर फैलने की शिकायत की गई थी। इसके बाद इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल बेस से सैंपल लिए गए, जिसमें कार्सिनोजेन पाया गया। टॉर्चलाइट इनिशिएटिव के मुताबिक, परमाणु मिसाइल साइट पर काम करने वाले करीब 268 कर्मचारी और उनके परिजनों ने पिछले कुछ सालों में कैंसर, खून से जुड़ी बीमारी या दूसरे गंभीर रोगों से पीड़ित होने की जानकारी दी है। मोंटाना बेस की 2 मिसाइल लॉन्च फैसिलिटी से लिए ग ए सैंपल्स में PCB (कैंसर फैलाने वाला तत्व) का लेवल एनवायरन्मेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी के अप्रूव्ड लेवल से ज्यादा है।

### न्यूक्लियर मिसाइल बेस को खाली करवाने का आदेश

रिपोर्ट आने के बाद अमेरिकी एयरफोर्स ने तुरंत बेस को खाली करवाकर सफाई और कैंसर फैलाने वाले तत्वों को हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही बेस पर काम करने वाले कर्मचारियों, एयरफोर्स के वर्कर्स और उनके परिजनों के लिए बेहतर सुविधाएं लागू करने के आदेश दिए हैं। बेस में सबसे ज्यादा केस ब्लड कैंसर के मिले हैं। न्यूक्लियर साइट पर जो लोग कैंसर की चपेट में आए हैं, उनमें से ज्यादातर लोग मिसाइलर हैं जो अंडरग्राउंड कंट्रोल सेंटर में काम करते हैं। ये मिसाइलों की मॉनिटरिंग करते हैं और जरूरत पड़ने पर साइलो-आधारित परमाणु हथियार को लॉन्च करते हैं।

### राष्ट्रपति के आदेश पर मिसाइल लॉन्च करते हैं मिसाइलर

इनमें से 2 मिसाइलर की नियुक्ति अंडरग्राउंड बंकरों में रहती है। ये मिसाइलर राष्ट्रपति का आदेश मिलते ही मिनटमैन इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने के लिए तैयार रहते हैं। मिनटमैन का साइलो और दूसरे अंडरग्राउंड कंट्रोल सेंटर्स को करीब 60 साल पहले बनाया गया था।

### कंट्रोल सेंटर में बुनियादी सुविधाएं भी मौजूद नहीं

सेंटर्स में मौजूद ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर दशकों पुराने हैं। मिसाइलर कई बार अपनी सेहत पर इसका बुरा असर पड़ने की शिकायत कर चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें खराब वेंटिलेटर, पानी की बुरी क्वालिटी, जहरीले पदार्थों के बीच 24-48 घंटे ऑन ड्यूटी रहने को मजबूर हैं।

टॉर्चलाइट इनिशिएटिव के मुताबिक, 1960 के दशक में मिनटमैन ऑपरेशन शुरू होने के बाद से अब तक अमेरिका में कुल मिलाकर करीब 21 हजार मिसाइलर ही रहे हैं।

## जर्मनी में मिला दूसरे विश्व युद्ध का बम

# वजन- 500 किलो, 13 हजार लोगों को हटाया गया; बॉम्ब स्क्वॉड बम निष्क्रिय करने में जुटा

**डसलडॉर्फ।**

जर्मनी के डसलडॉर्फ शहर में वर्ल्ड वॉर 2 के समय का बम मिला। इसके बाद शहर के 13 हजार लोगों को टेम्परेरी तौर पर घर छोड़ने का आदेश दिया गया है। अमेरिका में बने इस बम का वजन 500 किलोग्राम है। पुलिस, फायरब्रिगेड और बॉम्ब स्क्वॉड मौके पर मौजूद हैं और बम को निष्क्रिय करने में लगे हैं। ये बम चिड़ियाघर के पास काम कर रहे वर्कर्स को मिला था। इसके बाद इसके आसपास 500 मीटर के एरिया से लोगों को हटा दिया गया और सड़कें बंद कर दी गईं। लोगों को शहर के 2 स्कूलों में शिफ्ट किया गया। शहर से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का रूट बदल दिया गया। इसके अलावा लोकल बस और ट्राम सर्विस भी रोक दी गई।

### पहले भी मिले हैं ऐसे बम

जर्मनी के कई शहरों में कंस्ट्रक्शन साइट पर काम के दौरान इस तरह के बम मिलते रहते हैं। इससे पहले 2021 में म्यूनिख में भी दूसरे विश्व युद्ध के समय का बम फट गया था, जिससे 4 लोग घायल हो गए थे। वहीं 2020 में भी फ्रैंकफर्ट में एक ब्रिटिश बम मिलने के बाद करीब 13 हजार लोगों को टेम्परेरी घर छोड़ना पड़ा था। 2017 में फ्रैंकफर्ट में ही 1400 किलो का एक बम मिला था, जिसके बाद करीब 65 हजार लोगों को घर छोड़ना पड़ा था। वर्ल्ड वॉर 2 के दौरान 1940 से 1945 के बीच अमेरिका और ब्रिटेन की एयरफोर्स ने यूरोप पर करीब 27 लाख टन के बम गिराए थे। इनमें से आधे से ज्यादा बम जर्मनी में गिरे थे।

### कैसे और कब शुरू हुआ था दूसरा विश्व युद्ध

1 सितंबर 1939 को द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई थी। करीब 6 साल चले इस युद्ध में 7 से 8 करोड़ लोग मारे गए थे। 1 सितंबर को एडोल्फ हिटलर की अगुवाई में जर्मनी ने कब्जे की मंशा से पौलेंड पर हमला कर दिया था। इस हमले से बौखलाए ब्रिटेन और फ्रांस पौलेंड की मदद के लिए आगे आए।

इसके बाद जर्मनी के पक्ष में इटली और जापान देश जबकि पौलेंड के साथ फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका, सोवियत संघ और कुछ हद तक चीन आमने-सामने आ गए। इसके बाद यह जंग विश्व युद्ध में तब्दील हो गई। यह युद्ध भी पहले विश्व युद्ध की तरह दो गुटों के बीच लड़ा गया था। जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने युद्ध में जर्मनी को हारता देखकर 30 अप्रैल 1945 को आत्महत्या कर ली थी।

हिटलर के मरने के एक हफ्ते बाद जर्मनी ने बिना किसी शर्त के समर्पण के कागजों पर दस्तखत कर दिए थे। इसके बाद 8 मई को जर्मनी ने आधिकारिक तौर पर हार मान ली। हालांकि, जापान ने फिर भी जंग जारी रखी। 6 और 9 अगस्त को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहर पर परमाणु बम से हमला किया, जिसके बाद वर्ल्ड वॉर खत्म हो गया।

# नए जिलों में एससी-एसटी एक्ट की जांच के लिए डिप्टी एसपी की अध्यक्षता में बनेगी सैल

**जयपुर ( हिंस )।** मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत गठित राज्य स्तरीय सतर्कता और मॉनिटरिंग समिति की बैठक हुई। मुख्यमंत्री निवास पर बैठक में गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार की संवेदनशीलता और पुलिस की कार्रवाई से एससी-एसटी वर्ग को न्याय सुनिश्चित हो रहा है। बैठक में नए जिलों में एससी-एसटी एक्ट की जांच के लिए डिप्टी एसपी की अध्यक्षता में सैल बनाने का निर्णय किया गया। गहलोत ने कहा कि एससी-एसटी अत्याचार के मामलों में पुलिस द्वारा पूरी संवेदनशीलता के साथ बिना किसी दबाव व भयमुक्त होकर त्वरित अनुसंधान कर उन्हें न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस पर आम जनता की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। पुलिस द्वारा तुरंत एक्शन कर अपराधियों की गिरफ्तारियां की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एससी-एसटी के प्रकरणों में एफआर के बाद भी पुलिस द्वारा प्रकरणों के रिव्यू का दायरा और बढ़ाया जाए। उन्होंने एससी-एसटी के लम्बित प्रकरणों में जांच कम से कम समय में पूरी करने, पुलिस में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में कदम उठाने, महिलाओं के विरूद्ध अपराधों को रोकने के लिए सामाजिक जनजागृति के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थानों में निर्बाध पंजीकरण के फैसले से संख्या में जरूर वृद्धि हुई है, लेकिन पूरे देश में सराहना भी हो रही है। इससे परिवादियों में पुलिस के प्रति सकारात्मक संदेश पहुंचा है। बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय में महिलाओं एवं बाल अपराधों के लिए एडिशनल एसपी की अध्यक्षता में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट फॉर क्राइम एगेंस्ट वूमेन (सिकाउ) यूनिट बनाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा एससी-एसटी एक्ट के प्रकरणों के निस्तारण का समय वर्ष 2017 में 197 दिन था। अब यह समय 64 दिन रह गया है। इसे 60 दिन से भी कम करने के प्रयास किए जाएंगे। एससी-एसटी एक्ट मुकदमों को सरकार द्वारा निस्तारण किया जा चुका है। शेष मुकदमों को शीघ्रता से निस्तारण किया जाएगा। एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों की संख्या को चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर क्षमता 50 हजार से दोगुनी कर 1 लाख की जाएगी। इसमें बालिकाओं की संख्या को वर्तमान की 15, 000 से बढ़ाकर 50, 000 एवं बालकों की संख्या को वर्तमान में 35 हजार से 50 हजार किया जाएगा। वहीं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यालय शुरू करने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावासों में अध्ययनरत बालिकाओं एवं बालकों से मुख्यमंत्री का संवाद कार्यक्रम किया जाएगा। बैठक में पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण ने बताया कि राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों के कारण एससी-एसटी अपराधों में कन्विक्शन रेट 12 प्रतिशत बढ़ी है। राजस्थान में एससी के प्रकरणों में कन्विक्शन रेट 42 प्रतिशत जबकि समस्त भारत का औसत 36 प्रतिशत, एसटी के प्रकरणों में कन्विक्शन रेट 45 प्रतिशत जबकि समस्त भारत का औसत 28 प्रतिशत है। यह देश में सर्वाधिक है। इसे और बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अनिवार्य एफआईआर पंजीकरण के बावजूद भी अभी तक वर्ष 2023 में पिछले वर्ष के मुकाबले एससी-एसटी के विरुद्ध अपराध के दर्ज मुकदमों में 4 प्रतिशत की कमी आई है। एफआईआर के अनिवार्य पंजीकरण नीति से एससी-एसटी वर्ग को बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2015 में एससी-एसटी एक्ट के करीब 51 प्रतिशत मामले अदालत के माध्यम से सीआरपीसी 156(3) से दर्ज होते थे, अब महज 10 प्रतिशत रह गए हैं। बैठक में मुख्यमंत्री निवास पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली, विधायक जेपी चंदेलिया, प्रशांत बैरवा, मुख्य सचिव उषा शर्मा, महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव गृह आनंद कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एंड एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग स्मिता श्रीवास्तव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। वीसी के जरिए विधायक पदमाराम और हीराराम मेघवाल शामिल हुए।

## जब तक सरकार हक नहीं देगी, तब तक काम पर नहीं जाएंगे लिपिक : श्योराण

### लिपिकों के धरने पर बढ़ रही अन्य विभागों के कर्मचारियों की हाजिरी

**हिसार ( हिंस )।** क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के आह्वान पर चल रहे लिपिकों के धरने पर विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की संख्या बढ़ने लगी है। धरने के 35वें दिन मंगलवार को पशुपालन विभाग के सहायक गुलाब सिंह एवं सत्यप्रकाश ने अध्यक्षता की जबकि पशुपालन विभाग से ही सहायक भूपसिंह, प्रवीण कुमार, सत्यपाल, लिपिक विनय कुमार व मोहित क्रमिक भूख हड़ताल पर रहें। इस दौरान रविशंकर एवं मुनीष कुमार ने मंच संचालन किया। एसोसिएशन के जिला प्रधान जितेन्द्र श्योराण ने कहा कि जब तक सरकार हमारा हक नहीं दे देती तब तक हम कार्य पर नहीं जाएंगे। एसोसिएशन की एकमात्र मांग केवल 35400 है। सरकार हमारे कार्य की समीक्षा के आधार पर हमें वेतनमान दें। एसोसिएशन के उपप्रधान दीपक जांगड़ा ने बताया कि सरकार हमारी मांग की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। गूंगी व बहरी सरकार को जगाने के लिए बुधवार को हिसार का प्रत्येक लिपिक भूख हड़ताल पर रहेगा। उपायुक्त कार्यालय के प्रधान राजेश घोटिया ने बताया कि जब तक सरकार हमारी मांग को पूरा नहीं करती है तब तक लघु सचिवालय में कोई कार्य नहीं होगा। धरने को हकृवि से गीता, शिक्षा, रीतू, मनीषा, रीतू, नगर निगम से अंजू, गीता मोर, सुमन, प्रिया, नीतू, मक्खन देवी, सुमन, कविता, भावना, प्रियंका, मंजू, अंजू, गीत, सुमिता, सोनिका, प्रवीण, अंजू, बिन्दू, सुनीता, सीमा, संतोष आशुलिपिक, पशुपालन विभाग से सत्यप्रकाश, नवनीत बल्हारा, स्वास्थ्य विभाग से महेष कुमार, सुभाष ढिल्लो, मोहित, गुजवि से मुकेश जांगडा, विपिन वधवा, नवीन लाल, राजेन्द्र डांडा, अनिल ग्रेवाल तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संबोधित किया।

# महात्मा गांधी मजबूती का नाम : प्रो. अग्रवाल

**जोधपुर ( हिंस )।** संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रो. पुरूषोतम अग्रवाल ने कहा कि महात्मा गांधी मजबूती का नाम है लेकिन आज सोशल मीडिया पर महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के खिलाफ दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है। यह बात उन्होंने डॉक्टर एसएन मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व शांति एवं अहिंसा की गांधीवादी राह विषय पर शुरू हुई तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में कही। प्रथम दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर संघ लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रोफेसर पुरुषोत्तम अग्रवाल, गांधी पीस फाउंडेशन नई दिल्ली के कुमार प्रशांत, अहिंसा एवं शांति निदेशालय के निदेशक डॉ. मनीष कुमार शर्मा, राजस्थान राज्य पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी शामिल हुए। वहीं गांधी इन्फॉर्मेशन सेंटर बर्लिन जर्मनी के अध्यक्ष डॉक्टर क्रिस्टियन बारलोफ वर्चुअल शामिल हुए। अपने संबोधन में पूर्व यूपीएससी मेंबर पुरुषोत्तम अग्रवाल ने कहा महात्मा गांधी को दो तरह से देखा जा सकता है। एक उनके कामों का ऐतिहासिक आंकलन, उनके दार्शनिक सिद्धांतों पर विचार कर सकते हैं। महात्मा गांधी से वो लोग भी प्रभावित रहे जो अहिंसा की राजनीति में विश्वास नहीं करते थे। गांधी उन लोगों में नहीं थे जो उनकी बात नहीं मानने वालों को अंधभक्त और देशद्रोही कहते। पहले मूर्ख होना शर्म की बात मानी जाती थी, लेकिन आज मूर्ख होना गर्व की बात है। ऐसा माहौल हो गया है। आज जो लोग आपदा में अवसर खोज रहे हैं। उनके पीछे दुनिया जा रही है। देश में अजीब अजीब बातें की जाती है। अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में स्मारिका का विमोचन किया गया। आयोजन सचिव हेमसिंह गहलोत ने बताया कि केंद्र की स्थापना के बाद से जोधपुर में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस हो रही है। इस कार्यक्रम से महात्मा गांधी के जीवन दर्शन, विचार पर सार्थक चर्चा होगी।

# भाजपा मणिपुर में विफलता को छिपा कोटड़ी मामले में राजनीति कर रही है : गृहराज्य मंत्री

**भीलवाड़ा ( हिंस )।** कोटड़ी थाना क्षेत्र के नरसिंहपुरा हत्याकांड मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर तीन मंत्रियों का एक दल मंगलवार को पीड़ित परिवार के घर पहुंचा। मंत्रियों के दल ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के साथ ही घटना स्थल का निरीक्षण कर पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से बातचीत की तथा पीडित परिवार से अब तक कार्रवाई के बारे में जानकारी लेकर विश्वास दिलाया कि सरकार उनके साथ है। इस दौरान जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहे। बाद में मीडिया से बातचीत के दौरान गृह राज्य मंत्री राजेंद्र यादव ने कहा की भाजपा मणिपुर में अपनी विफलता को छिपाने के लिए कोटड़ी के मामले पर राजनीति कर रही है। यह मामला राजनीति का नहीं, बेटी को न्याय दिलाने के लिए एकजुटता दिखाने का था। किसी भी घटना में पुलिस

के लिए शुरुआती पांच दिन काफी अहम होते है जांच के लिए, लेकिन भाजपा नेताओं ने धरना प्रदर्शन कर जांच को प्रभावित करने का काम किया है। राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि इस जघन्य अपराध की जितनी निंदा की जाये वो कम है। आरोपियों को अंजाम तक पहुंचाने के लिए पुलिस सजगता से काम कर रही है। जल्द मामले में चार्जशीट पेश करेगी। राजस्थान बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर आज पीड़ित परिवार को पांच लाख की सहायता राशि का चेक दिया गया है। इस मामले में किसी भी दल के नेताओं को राजनीति नहीं करना चाहिए। नेता यहां आयें, लेकिन पीड़ित परिवार के जख्मों पर मरहम लगाने का काम करें, ना की जख्मों को कुरेदने का काम। उन्होंने कहा कि भाजपा का मनसूबा कोटड़ी की 36 कौम ने एकजुटता दिखाते हुए विफल कर दिया है।

## भारतीय जनता पार्टी ने निकाली तिरंगा यात्रा

**कैथल ( हिंस )।** भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को शहीदों को नमन करते हुए शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। जिलाध्यक्ष ने तिरंगा यात्रा को रवाना किया। तिरंगा यात्रा कमेटी चौक, सनातन धर्म मंदिर से शुरू होकर पेहवा चौक होते हुई छात्रावास रोड़ के महेश चौक पर संपन्न हुई। जिला कैथल में विभिन्न जगहों पर 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाते हुए पार्क रोड़ होते हुए पेहवा चौक पहुंचे। वहां उन्होंने देर तक रुक कर भारत माता की जय के नारे लगाए। महेश चौक पर मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव कृष्ण कुमार बेदी ने तिरंगा यात्रा का समापन किया। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलवाने में असंख्य शहीदों ने अपने प्राणों को न्यौछावर किया है। आजादी की लड़ाई में कई बहनों ने अपने भाई, सुहागिनों ने सुहाग, मां ने अपने बेटे देश की अस्मिता की रक्षा के लिए भेजे। उन सभी ने देश वासियों के लिए बलिदान दिया।

# असम के राज्यपाल कटारिया ने परशुराम कुंड पर किया महारुद्राभिषेक

**जयपुर/लोहित ( हिंस )।** असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया विप्र फाउंडेशन के आमंत्रण पर सोमवार को पत्नी अनिता कटारिया के साथ धार्मिक यात्रा पर परशुराम कुंड पहुंचे और मंदिर परिसर में महारुद्राभिषेक में शामिल हुए। कटारिया ने भगवान परशुराम की पूजा अर्चना भी की तथा यहां विप्र फाउंडेशन की ओर से स्थापित की जाने वाली 51 फीट ऊंची परशुराम प्रतिमा स्थल का अवलोकन किया। इस अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के उप मुख्यमंत्री चाउना मीन, राजस्थान से गए विधायक धर्मनारायण जोशी, संजय शर्मा, गोपाल खंडेलवाल, मांडलगढ़ से राष्ट्रीय सचिव परमेश्वर शर्मा, बाबा हरिचरण दास आदि मौजूद थे। कटारिया ने राजस्थान से परशुराम कुंड पहुंचे विप्र फाउंडेशन दल के साथ आत्मीय संवाद भी किया। इस अवसर पर राजस्थान से पहुंचे विप्र फाउंडेशन दल के अलावा रमेश शास्त्री, कौशल शर्मा, दिनेश पारीक, विनोद शर्मा सहित गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया से विप्र फाउंडेशन के अनेक पदाधिकारी महारुद्राभिषेक में शामिल हुए।

## केंद्र शासित चंडीगढ़ के अधिकारी दिल्ली तक जहाज में नहीं कर सकेंगे यात्रा

**चंडीगढ़( हिंस )।** पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारी लाल पुरोहित ने दिल्ली दौरे पर जाने वाले अधिकारियों के लिए हवाई यात्रा और स्टार होटलों में ठहरने पर रोक लगा दी है। मंगलवार को पुरोहित ने इस संबंध में एक आदेश यूटी प्रशासन को जारी किए। यूटी के सलाहकार को लिखे पत्र में पुरोहित ने कहा है कि जिम्मेदार अधिकारी होने के नाते यह हमारा नैतिक कर्तव्य है कि सार्वजनिक धन की बर्बादी न हो और फिजूलखर्ची किसी भी कीमत पर बर्दाश्त न की जाए। इस संबंध में चंडीगढ़ प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे खर्च से संबंधित एक समाचार उनके संज्ञान में लाया गया था। इसमें बताया गया था कि अधिकारी दिल्ली के पांच सितारा होटलों में रुके और कमर्शियल उड़ानों में बिजनेस क्लास से यात्रा की।

# *खेडां वतन पंजाब दीयां* में साइकिलिंग, घुड़सवारी रग्बी और वॉलीबॉल शामिल : खेल मंत्री

**चंडीगढ़( हिंस )।** पंजाब को खेलों में देश का नंबर एक राज्य बनाने के सपने को व्यावहारिक रूप देने के लिए बनाई गई *खेडां वतन पंजाब दीयां* की पहले साल की सफलता के बाद इस साल दूसरी *खेडां वतन पंजाब दीयां* करवाने के लिए विभाग द्वारा पूरी तैयारी की जा रही है। मंगलवार को पंजाब भवन में खेल की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आहूत बैठक के उपरांत सूबे के खेल मंत्री मीत हेयर ने बताया कि अलग- अलग खिलाड़ियों और खेल एसोसिएशनों की तरफ से मांगों को स्वीकार करते हुए इस बार चार नए खेल साइकिलिंग, धुड़सवारी, रग्बी और वॉलीबॉल शूटिंग को शामिल किया गया है। इस बार कुल 34 खेलों के मुकाबले करवाए जाएंगे, जिनमें उक्त चार के अलावा एथलेटिक्स, हॉकी, फुटबाल, वॉलीबॉल

नेशनल स्टाइल), हैंडबाल, मुक्केबाजी, बास्केटबाल, कुश्ती, जूडो, तीरंदाजी, निशानेबाजी, पावर लिफ्टिंग, लॉन टैनिस, बैडमिंटन, किक्क बॉक्सिंग, काएकिंग और कैनोइंग, खो खो, जिमनास्टिक, तैराकी, नेटबाल, गतका, शतरंज, टेबल टैनिस, (स्मैशिंग), कबड्डी (सर्कल और रोलर स्केटिंग, वेटलिफ्टिंग, साफ्टबाल, रोइंग और तलवारबाजी शामिल हैं। खेल मंत्री ने बताया कि अंडर 14 से 60 वर्ष आयु से अधिक वैटर्न तक अलग-अलग आयु वर्गों के मुकाबले करवाए जाएंगे। एथलेटिक्स, फुटबाल, खो खो, कबड्डी (नेशनल और सर्कल स्टाइल) और वॉलीबॉल के मुकाबले ब्लाक स्तर से शुरू होंगे। इनके विजेता और बाकी खेलों के जिला स्तरीय मुकाबले होंगे और फिर जिला स्तरीय विजेताओं के राज्य स्तरीय मुकाबले होंगे। इस बार राज्य स्तरीय मुकाबलों का दायरा बढ़ा कर पिछली बार के 10 जिलों की बजाय 20 जिलों में किया गया है। राज्य स्तर के पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वालों को क्रमवार 10 हजार, 7 हजार और 5 हजार रुपए का नकद इनाम दिया जाएगा। मीत हेयर ने कहा कि रंगारंग उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा खेल की शुरुआत की जाएगी, जिसके लिए दिन और स्थान के चयन का फैसला जल्द किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के अन्य खेल मुकाबलों के कैलेंडर को देखते हुए जल्द ही खेल के मुकाबलों की तिथियों का एलान किया जाएगा। खेल में हिस्सा लेने के लिए आनलाइन और आफलाइन एंट्री होगी।

# महिला ने मायके वालों के साथ ससुराल पहुंचकर किया हंगामा

**कैथल ( हिंस )।** पति से विवाद के बाद मायके में रह रही महिला ने रिश्तेदारों के साथ ससुराल पहुंचकर हंगामा किया। हंगामे के दौरान सास ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। पति ने पत्नी व उसके रिश्तेदारों के खिलाफ थाना शहर में जबरन घर में घुसकर हंगामा करने का मामला दर्ज करवाया है। पति ने 3 अगस्त की घटना की शिकायत पुलिस को सोमवार को की। थाना थाना सिविल लाइन पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में पत्नी व उसके रिश्तेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। हुडा सेक्टर 19 निवासी विमल गुप्ता ने पुलिस में दी शिकायत में कहा है कि उसका प्रतापगेट की रहने वाली पत्नी प्रीति से विवाद चल रहा है। 3 अगस्त दोपहर को प्रीति अपनी मां, मासी, मासड़, बुआ व दो भाइयों को लेकर उसके घर आई। उनके साथ खुद को किसान एकता यूनियन के कार्यकर्ता बताने वाले लोग भी थे। सभी ने उनके घर के बाहर जोर-जोर से गालियां देनी शुरू कर दी और उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। उसकी मां ने खतरा भांपकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। सभी गैर कानूनी रूप से गेट खोल कर अंदर दाखिल हो गए। उसकी माता ने फोन कर उसे सूचना दी व 112 नंबर पर पुलिस को भी घटना के बारे में बताया गया। पुलिस ने आकर उसकी मां को बचाया। उसके पास घटना की सारी सीसीटीवी फुटेज है। थाना सिविल लाइन के एसएचओ राजकुमार ने बताया कि हर्षित गुप्ता की शिकायत पर प्रीति, किरण देवी, संजीव कुमार, संजीव की पत्नी, प्रीति की बुआ, साहिल बंसल, दीपक, किसान यूनियन के पदाधिकारियों पर सिविल लाइन थाना में केस दर्ज किया गया है। घटना 3 अगस्त की है लेकिन हर्षित गुप्ता ने उन्हें सोमवार शाम को शिकायत दी थी। पुलिस ने उसी समय कार्रवाई की है। दूसरी ओर प्रीति गुप्ता का कहना है कि हर्षित गुप्ता उसके कानूनन पति है। उनका विवाद चल रहा है, लेकिन तलाक नहीं हुआ। इसलिए कानूनी तौर पर वह अपने ससुराल जा सकती है। उसके पति व उसके दोस्त ने मामला सुलझाने के लिए अपने घर पंचायत बुलाई थी। उसके साथ रिश्तेदार पंचायत में शामिल होने के लिए ही गए थे। बाद में हर्षित गुप्ता पंचायत करने से मुकर गया और विवाद खड़ा कर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन वह अपनी कानूनी लड़ाई जारी रखेगी।

## कश्मीरी पंडित जज नीलकंठ गंजू की हत्या के 34 साल बाद नए सिरे से जांच शुरू

**श्रीनगर ( हिंस )।** कश्मीरी पंडित जज नीलकंठ गंजू की 1989 में हुई हत्या के मामले में नए सिरे से जांच शुरू होने के बाद उनके परिवार ने कहा है कि अब देर हो चुकी है और वे नहीं चाहते कि पुराने जख्मों को फिर से कुरेदा जाए। जम्मू-कश्मीर में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने सोमवार को 1989 में सेवानिवृत्त न्यायाधीश नीलकंठ गंजू की हत्या की नए सिरे से जांच शुरू की है। मारे गए पूर्व जज के बेटे एसके गंजू ने कहा कि घटना के 34 साल बाद अब बहुत देर हो चुकी है। अब हम नहीं चाहते कि हमारे घाव दोबारा कुरेदे जाएं। इस बीच जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने जांच का स्वागत करते हुए कहा कि यह अच्छा है कि उन्हें (नीलकंठ गंजू) न्याय मिलेगा। भाजपा सरकार पहले ही कह चुकी है कि ऐसी बातों की जांच होनी चाहिए। यह एक साजिश थी। लोगों को इसमें सहयोग करना चाहिए, ताकि साजिश का पर्दाफाश हो सके। तीन दशक से अधिक पुराने मामले की जांच फिर से शुरू होने पर कश्मीरी पंडित लेखक और राजनीतिक कार्यकर्ता अग्निशेखर ने कहा कि कश्मीरी पंडितों का नरसंहार हुआ था। नीलकंठ गंजू के लिए न्याय होना चाहिए, जिनकी जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के नेता यासीन मलिक ने हत्या कर दी थी। अग्निशेखर ने कहा कि 34 वर्षों से हम जांच करवाने के लिए एसआईटी के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1500 कश्मीरी पंडित मारे गए थे। अब हम 34 साल बाद जांच की इस खबर का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक चुनिंदा हत्या थी, एक को मारो और दस को डराओ। अग्निशेखर ने कहा कि नीलकंठ गंजू एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस की एसआईटी ने जनता से आगे आने और हत्या के पीछे की बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए घटनाओं का लेखा-जोखा साझा करने की अपील की है।

## अजमेर में तेजी से फैल रहा है आई फ्लू

**अजमेर( हिंस )।** अजमेर में आई फ्लू तेजी से फैल रहा है। सरकारी और निजी अस्पतालों में आई फ्लू पीड़ितों की भीड़ आए दिन बढ़ती जा रही है। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में ही आईफ्लू के मरीजों की संख्या हर दिन सैंकड़ों तक पहुंच गई है। वहीं, नेत्र रोगियों की आई ड्रॉप की समस्या खड़ी हो गई है। मरीजों की संख्या अधिक होने से सभी को पर्याप्त दवाइयां भी उपलब्ध होने में मुश्किल आ रही है। इधर निजी चिकित्सालयों में मरीजों के साथ स्टाफ को भी आई फ्लू होने से नया संकट खड़ा हो गया है। स्टाफ को छुट्टी पर जाने से मरीजों की संभाल में भी दिक्कतें आ रही है। जिले की स्कूलों में बच्चों को शिक्षकों द्वारा स्क्रूटनी कर ही प्रवेश दिया जा रहा है। दरवाजे पर ही बच्चों की जांच के लिए शिक्षक खड़े रहने लगे हैं। आई फ्लू के संदिग्ध बच्चों को बाहर से ही घर लौटा रहे हैं। कक्षाओं में तो सोशल डिस्टेंसिंग शुरू कर दी गई है।

# जीवा आयुर्वेद थाइलैंड में शुरू करेगा दो आयुर्वेद सेंटर

**फरीदाबाद ( हिंस )।** आयुर्वेद के क्षेत्र में अग्रणीय जीवा आयुर्वेद थाईलैंड के पहाड़ी क्षेत्र पाक थोंग चाई और उत्तरी वन क्षेत्र चियांग माई में पहले दो सेंटर्स स्थापित करेगा। जीवा समूह के अध्यक्ष ऋषि पाल चौहान ने मंगलवार को सेक्टर-21बी स्थित जीवा स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान इरिट्रीट हेल्थ एंड वैलबलिंग सेंटर के साथ पार्टनरशिप की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जीवा आयुर्वेद और इरिट्रीट के बीच यह परस्पर सहयोग समग्र स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान, ध्यान और चेतना की परिवर्तनकारी शक्ति को एक साथ लाता है। इस विस्तार के माध्यम से, जीवा आयुर्वेद दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में आयुर्वेदिक पद्धतियों और उत्पादों का प्रसार करेगा। जिससे जनता को स्वस्थ और अधिक समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन समाधान उपलब्ध होंगे। चौहान ने कहा कि यह सहयोग स्वास्थ्य देखभाल में आयुर्वेद की परिवर्तनकारी क्षमता के बारे में वैश्विक जागरूकता को एक नई दिशा प्रदान करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आयुर्वेद, माइंडफुलनेस और ध्यान का महत्व और समग्र स्वास्थ्य के कल्याण

को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को पहचानने से निस्संदेह दुनिया भर के लोगों के लिए एक स्वस्थ और सामंजस्यपूर्ण भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा वह आयुर्वेद के पारंपरिक ज्ञान और ध्यान की परिवर्तनकारी शक्ति को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त प्रयास के लिए जीवा आयुर्वेद और इरिट्रीट को बधाई देते है। भारत व्यापक वैश्विक जन-कल्याण के लिए आयुर्वेद के विशाल ज्ञान को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आयुष मंत्रालय की स्थापना के बाद से हमारा उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा को अधिक लोगों तक पहुंचाने, ज्ञान प्रदान करने और इसकी वैश्विक पहुंच को बढ़ावा देने में उत्प्रेरक के रूप में काम करना रहा है। इस तरह के अनूठे पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य दुनिया को आयुर्वेद और ध्यान की वास्तविक क्षमता का एहसास कराने में सक्षम बनाना है, जिससे अंतत: एक स्वस्थ और अधिक संतुलित दुनिया का मार्ग प्रशस्त होगा। इरिट्रीट के संस्थापक मोंक ड्यूक ने संयुक्त उद्यम की सराहना करते हुए कहा कि जीवा आयुर्वेद के साथ हमारा सहयोग वैश्विक मानसिक कल्याण के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आयुर्वेद के प्राचीन और अद्भुत ज्ञान तथा शांति एवं ध्यान की पद्धतियों को मिलाकर हम आंतरिक शांति और आत्म-खोज को बढ़ावा देने की दिशा में आज हम एक छलांग लगा रहे हैं। इस अवसर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक, टीवी व्यक्तित्व और वरिष्ठ राजयोग ध्यान शिक्षिका, बहन बीके शिवानी ने इस पहल की सराहना की और कहा कि जीवा आयुर्वेद और इरिट्रीट के बीच यह सहयोग समग्र वैलनेस की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान और इरिट्रीट की परिवर्तनकारी ध्यान प्रथाओं का एकीकरण व्यक्तियों को आंतरिक शांति प्राप्त करने और उनके जीवन में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए सशक्त बनाएगा।

# टेस्ला के नए सीएफओ बने भारतीय मूल के वैभव तनेजा : जाचरी किरखोर्न को किया रिप्लेस, मस्क की कंपनी में 7 साल से काम कर रहे हैं वैभव

**नई दिल्ली।**

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने भारतीय मूल के वैभव तनेजा को अपना नया चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नियुक्त किया है। वैभव तनेजा को जाचरी किरखोर्न की जगह रिप्लेस किया गया है। कंपनी ने इस बात की जानकारी रेगुलेटरी फाइलिंग में दी है।

**टेस्ला में 13 साल काम करने के बाद किरखोर्न ने दिया इस्तीफा**– जाचरी किरखोर्न ने टेस्ला के साथ 13 साल तक काम करने के बाद सीएफओ पद से इस्तीफा दे दिया था। वे पिछले चार साल से सीएफओ पद पर काम कर रहे थे। किरखोर्न इस साल के आखिरी तक कंपनी में बने रहेंगे। हालांकि, इलेक्ट्रिक व्हीकल और सोलर पैनल मेकर कंपनी ने इस बदलाव का कारण अब तक नहीं बताया है। किरखोर्न ने लिंक्डइन पोस्ट में कहा, इस कंपनी का हिस्सा बनना एक स्पेशल एक्सपीरियंस और 13 साल पहले टेस्ला में शामिल होने के बाद से हमने एक साथ जो काम किया है, उस पर मुझे बेहद गर्व है।

**टेस्ला में 2019 से सीएओ के पद पर हैं वैभव तनेजा** – अमेरिकी ऑटोमोबाइल दिग्गज कंपनी टेस्ला में 45 साल के वैभव तनेजा वर्तमान में चीफ अकाउंटिंग ऑफिसर के पद पर मार्च 2019 से काम कर रहे हैं। अब वे सीएफओ पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सीएफओ से पहले वे कंपनी में मई 2018 से कॉरपोरेट कंट्रोलर के पद पर थे। इससे पहले तनेजा फरवरी 2017 से मई 2018 के बीच कंपनी में असिस्टेंट कॉरपोरेटर कंट्रोलर रहे थे।

**वैभव तनेजा की टेस्ला में एंट्री 2017 में हुई थी** – वैभव तनेजा ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने जुलाई 1999 से मार्च 2016 के बीच भारत और अमेरिका में प्राइस वॉटर हाउस कूपर्स कंपनी में काम किया था। इस कंपनी से ही उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। 2016 में वे सोलर एनर्जी कंपनी सोलर सिटी में चले गए थे। सोलर सिटी को 2017 में टेस्ला ने खरीद लिया था। फिर इसी साल वैभव तनेजा की एंट्री टेस्ला में हुई थी।

**टेस्ला की भारतीय शाखा के डायरेक्टर भी हैं वैभव** –जनवरी 2021 में वैभव तनेजा को टेस्ला की भारतीय शाखा–टेस्ला इंडिया मोटर्स एंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर के रूप में भी नियुक्त किया गया था। वैभव के पास अकाउंटिंग में 20 साल से ज्यादा का एक्सपीरियंस है। उन्होंने टेक्नोलॉजी, फाइनेंस, रिटेल और टेलीकम्युनिकेशन में कई मल्टीनेशनल कंपनियों के साथ काम किया है।

## न्यूज ब्रीफ

### ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों में भारी उछाल

**नई दिल्ली ।** ड्रोन बनाने वाली कंपनी जेन टेक्नोलॉजीज ने जून तिमाही में अपने मुनाफे में छह गुना उछाल दर्ज किया गया है। कारोबार में तिमाही नतीजे आने के बाद जेन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों में जोरगार तेजी देखने को मिल रही है। वहीं स्टॉक शेयर भी आज के कारोबार में 10 फीसदी चढ़ गए। यहां गौरतलब है कि जेन टेक्नोलॉजीज डिफेंस ट्रेनिंग सॉल्यूशन मुहैया कराने के साथ-साथ ड्रोन और एंटी-ड्रोन सॉल्यूशन भी प्रदान करती है। जून की तिमाही में कंपनी का मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के 8.21 करोड़ रुपये से बढ़कर 47.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के सेल्स के आंकड़े में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। सेल्स 33.23 करोड़ रुपये से चार गुना बढ़कर 132.45 करोड़ रुपये हो गई। एबिटा मार्जिन मार्च में 35.65 प्रतिशत और एक साल पहले की तिमाही के 37.80 प्रतिशत के मुकाबले बढ़कर 50.93 प्रतिशत हो गया। तिमाही के जोरदार नतीजे के बाद जेन टेक्नोलॉजीज के शेयर बीएसई पर 10 फीसदी बढ़कर 674.75 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। अपनी प्रतिक्रिया में कंपनी के चैयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अशोक अटलुरी ने कहा कि जेन टेक्नोलॉजीज का रेवेन्यू और लाभ मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा। उन्होंने कहा कि कंपनी को तिमाही में लगभग 202 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले। इसके अलावा, जुलाई में जेन टेक्नोलॉजीज को लगभग 500 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले। अशोक अटलुरी ने कहा कि हमारी संचयी ऑर्डर बुक का पोजिशन 1,000 करोड़ रुपये हो गया है। ये पिछले पूरे दशक के संचयी कारोबार से अधिक है। उनकी कंपनी की लिक्विडिटी की स्थिति मजबूत है और वर्किंग कैपिटल चक्र में उल्लेखनीय सुधार के साथ बैलेंस शीट भी अच्छी है। आने वाले वर्षों में सामने आने वाले डेवलपमेंट के अवसरों के लिए आदेशों और ईंधन योजनाओं को एग्जीक्यूट करने में मदद मिलेगी।

### सरकारी बैंकों को ग्राहक सेवा में बहुत तेज रहने की जरूरत, संसदीय समिति ने रिपोर्ट में कही ये बात

**नई दिल्ली।** बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी की अध्यक्षता वाली एक समिति ने अपनी रिपोर्ट में ग्राहक सेवा के लिहाज से बैंकों को बहुत तेज बनाने की बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को नयी तकनीक को समय से अपनाने के साथ ही ग्राहक सेवा में बहुत तेज रहना होगा। संसदीय समिति ने बैंकों पर बढ़ते कार्यभार का हवाला देते हुए यह बात कही। समिति ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि बैंकरों के काम की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए भर्ती परीक्षा की बनावट को भी समय-समय पर बदलने की जरूरत है, ताकि सही उम्मीदवारों का चयन किया जा सके। कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति ने कहा, बैंकरों के लिए जरूरी गति और सटीकता की परिभाषा समय-समय पर बदलती रहती है। लगभग 10 साल पहले कार्यभार और कार्य की प्रकृति को देखते हुए शायद ऐसी गति या सटीकता की जरूरत नहीं थी। समिति ने आगे कहा, ...लेकिन आज बैंक कर्मचारी सैकड़ों केंद्रीय और राज्य सरकारों की योजनाओं को लागू कर रहे हैं और सरकार की गरीब-समर्थक योजनाओं की प्रकृति को देखते हुए गति और सटीकता बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

### विदेशी ग्राहकों को निवेश सलाह देने वालों को आईए नियमों के तहत पंजीकरण से छूट, एनआरआई पर सेबी ने कही ये बात

**नई दिल्ली ।** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेश में रहने वाले ग्राहकों को निवेश सलाह देने वालों को राहत दी है। सेबी के मुताबिक उन्हें निवेश सलाहकारों (आईए) को नियंत्रित करने वाले नियमों के तहत पंजीकरण से छूट दी गई है। सेबी ने कहा कि हालांकि, यदि कोई प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) और भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) को निवेश सलाह देता है, तो वह आईए नियमों के दायरे में आएगा और उसे पंजीकरण की जरूरत होगी। बाजार नियामक ने निवेश सलाहकारों पर अक्सर पूछे जाने वाले सवालों के जवाब में यह बात कही। इसे सेबी की वेबसाइट पर डाला गया है। इसके अलावा सेबी ने कहा कि पंजीकृत निवेश सलाहकार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को निवेश सलाहकार सेवाएं दे सकते हैं। निवेश सलाहकार शेयर, ऋणपत्र, बॉन्ड, वायदा-विकल्प, प्रतिभूतिकृत माध्यम, एआईएफ (वैकल्पिक निवेश कोष), आरईआईटी (रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट) और इनविट (बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट) आदि में निवेश की सलाह देते हैं।

पेपरफ्राई के को-फाउंडर अंबरीश का हार्ट अटैक से निधन

# आखिरी वीडियो में बोले– भगवान का मेरे लिए कुछ और ही प्लान था

**नई दिल्ली।**

पेपरफ्राई के को-फाउंडर और सीईओ अंबरीश मूर्ति का 51 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह लेह में थे जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा। अंबरीश ने 2011 में आशीष शाह के साथ मुंबई में फर्नीचर और होम डेकोर कंपनी की स्थापना की थी। वह आईआईएम कलकत्ता के पूर्व छात्र और ट्रैकिंग के शौकीन थे। पेपरफ्राई से पहले अंबरीश ईबे में कंट्री मैनेजर थे। पेपरफ्राई के एक और को-फाउंडर आशीष शाह ने एक इसकी जानकारी देते हुए लिखा– यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मेरे दोस्त, मेंटर, भाई अंबरीश मूर्ति अब नहीं है। कल रात लेह में दिल का दौरा पड़ने से हमनें उन्हें खो दिया। कृपया उनके लिए और उनके परिवार और प्रियजनों को शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना करें। आखिरी पोस्ट में कहा– मैंने आज ऐंजल बनने की कोशिश की लेकिन भगवान का मेरे लिए कुछ और ही प्लान था दो दिन पहले अंबरीश ने इंस्टाग्राम पर अपना आखिरी वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में वो मनाली-लेह हाईवे पर बाइक को पार्क कर सफर में आई परेशानी के बारे में बता रहे थे। वीडियो में शुरुआत में वो रोड की तारीफ करते हुए कहते हैं- अगर भगवान ने कभी बाइकर्स के लिए स्वर्ग बनाया, तो स्वर्ग की सभी सड़कें इस तरह दिखेंगी। फ्लैट, ब्लैक टरमैक। वो कहते हैं- यह मनाली-लेह हाईवे के बीच मूर प्लेन है। मूर प्लेन यानी घास और पहाड़ियों का एक खुला क्षेत्र। इन मूर प्लेन्स के बीच में, भगवान ऐंजल्स को पार्टी करने के ऑप्शन देंगे। ऐंजेलिक बाइकर्स ने पार्टियां मनाईं, पिकनिक मनाईं। मैंने आज एक ऐंजल

बनने की कोशिश की लेकिन भगवान की मेरे लिए कुछ और ही योजना थी। उन्होंने मुझे एक ऐंजल के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

### मोटरसाइकिल के गियर से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा

उन्होंने समस्या बताते हुए कहा: मुझे मोटरसाइकिल के गियर से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। मैं अपनी बाइक का तीसरा, चौथा और पांचवां गियर नहीं लगा पा रहा था। इसलिए मैंने केवल पहले और दूसरे गियर में सफर किया। फिर मैंने इसे ठीक करने के लिए वही किया जो आइंस्टाइन करते। मैंने एक बड़ा पत्थर उठाया और उससे अपने गियर पेडल पर प्रहार किया। उसके बाद सब कुछ ठीक हो गया।

### अंबरीश को पसंद थी ट्रैकिंग और बाइकिंग

अंबरीश मूर्ति का जन्म 10 सितंबर 1971 में हुआ था। उन्हें बाइकिंग और ट्रैकिंग पसंद थी। छुट्टियों के लिए वो अकसर बाइक से लद्दाख जाते थे। उन्होंने बताया था कि जंस्कार वैली के चादर ट्रैक में उनका ट्रैकिंग एक्सपीरिएंस उनके सबसे अच्छे अनुभवों में से एक था। 1996 में आईआईएम से एमबीए किया, फिर 2011 में खुद की कंपनी खोली अंबरीश ने 1990-1994 में दिल्ली टेक्नॉलॉजिकल यूनिवर्सिटी से सिवल इंजीनियरिंग की। इसके बाद 1994-1996 में आईआईएम कलकत्ता से एमबीए पूरा किया। फिर कैडबरी में मैनेजमेंट ट्रेनी के तौर पर शामिल हो गए। कंपनी ने उन्हें एरिया सेल्स मैनेजर बनाकर केरल भेज दिया। करीब 5 साल बाद 2001 में उन्होंने कैडबरी छोड़ दी। फिर अंबरीश ने 2 साल तक म्यूचुअल फंड प्रोडक्ट लॉन्च करना सीखा। साल 2003 में उन्होंने एक वित्तीय प्रशिक्षण उद्यम, ओरिजिन रिसोर्स शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी। उसमें उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली और 2005 में ब्रिटानिया में मार्केटिंग मैनेजर के तौर कॉर्पोरेट वर्ल्ड में उन्होंने वापसी की। 7 महीने बाद ही वह ईबे इंडिया में चले गए और दो साल के भीतर वह भारत, फिलीपींस और मलेशिया के कंट्री हेड बन गए। वो जानते थे की भारत में ई-कॉमर्स का कारोबार तेजी से बढ़ने वाला है, लेकिन ईबे भारतीय कारोबार में निवेश नहीं करना चाहता था, इसलिए उन्होंने खुद का स्टार्टअप शुरू करने का फैसला किया। साल 2011 में उन्होंने आशीष शाह के साथ के साथ होम डेकोर और फर्नीचर के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पेपरफ्राई की शुरुआत की। उन्हें पूरी तरह से यकीन नहीं था कि ग्राहक अभी इसके लिए तैयार है। इसलिए लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट बेचे। 2013 में, जब उन्हें लगा कि फर्नीचर-होम डेकोर बिजनेस में उनकी पकड़ अच्छी है तो इसी पर फोकस किया। पेपरफ्राई शुरुआत में ज्वैलरी, कपड़े जैसे प्रोडक्ट बेचा करता था। 2012 के अंत में पेपरफ्राई ने फर्नीचर और होम डेकोर कंपनी बनने का फैसला किया। पेपरफ्राई के को-फाउंडर आशीष शाह बताते हैं कि वर्तमान में उनका 50प्रतिशत बिजनेस मार्केट प्लेस से आता है, बाकी प्राइवेट लेबल या डी2सी ब्रांडों से आता है। 2014 में उसने अपना पहला एक्सपीरियंस स्टूडियो खोला था। अभी उसके लगभग 125 शहरों में 210 से ज्यादा स्टूडियो है। 210 स्टोरों में से लगभग 60 स्टोर कंपनी के स्वामित्व वाले और कंपनी ऑपरेटेड हैं, जबकि शेष 150 स्टोर फ्रेंचाइजी के स्वामित्व वाले और फ्रेंचाइजी ऑपरेटेड हैं।

स्मॉल सेविंग्स स्कीम्स में घटा निवेश

# 2022-23 में इसमें आए 3.04 लाख करोड़ रुपए, ये 2021-22 से 8प्रतिशत कम

**नई दिल्ली।**

छोटी बचत योजनाओं में निवेश 11 साल में पहली बार घटा है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट पोस्ट ऑफिस जमा जैसी स्कीम्स इनमें शामिल हैं। 2022-23 में इन स्कीम्स में 3.04 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ। यह 2021-22 के 3.33 लाख करोड़ के निवेश से 8.5प्रतिशत कम है। वित्त मंत्रालय ने जनवरी-मार्च तिमाही में इन योजनाओं की ब्याज दरें 1.10प्रतिशत तक बढ़ाई थी। इसके बावजूद निवेशकों की दिलचस्पी नहीं बढ़ी। छोटी बचत योजनाओं के नेट कलेक्शन में बीते वित्त वर्ष सबसे ज्यादा बढ़ोतरी बिहार, छत्तीसगढ़, असम, अरुणाचल प्रदेश में हुई।

### लगभग सभी निवेश में कमी

**म्यूचुअल फंड:** वित्त वर्ष 2022-23 में एक रिटेल निवेशक का औसत निवेश 70,199 रुपए था जो 2022-23 में घटकर 68,321 रुपए रह गया।

**इक्विटी:** एनएसई के कुल कारोबार में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी 40.7प्रतिशत हो गई थी। वित्त वर्ष 202-23 में ये घटकर 36.5प्रतिशत रह गई।

**गोल्ड ईटीएफ:** बीते वित्त वर्ष 14 गोल्ड ईटीएफ में निवेश 74प्रतिशत घटकर 653 करोड़ रह गया। एक साल पहले यह 2,541 करोड़ रुपए था।

### क्यों घटा छोटी बचत योजनाओं में निवेश

बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस के मुताबिक, लोग लंबे समय के लिए पैसा लॉक नहीं करना चाहते। इसके अलावा अब करदाता नई टैक्स व्यवस्था में जा रहे हैं, जहां इन निवेश साधनों का बहुत फायदा नहीं है। बीते साल महंगाई भी ऊंचे स्तर पर रही। इससे खर्च बढ़ा और लोगों की बचत में कमी आई।

अडाणी पोर्ट्स ने नतीजे जारी किए

# पहली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 82.6प्रतिशत बढ़कर 2,114 करोड़ रहा, रेवेन्यू 23.5प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई।**

अडाणी पोर्ट्स ने को यानी फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी को सालाना आधार पर 82.6प्रतिशत बढ़कर करोड़ 2,114.7 रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले में कंपनी को 1,158.3 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ था।

इसके साथ ही इस तिमाही में कंपनी के ऑपरेशन्स से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 23.5प्रतिशत बढ़कर 6,247.6 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में 5,058.1 करोड़ रुपए था।

### कार्गो वॉल्यूम 12प्रतिशत बढ़कर 101 एमएमटी से ज्यादा हुआ

जून तिमाही में कंपनी का सालाना आधार पर 80प्रतिशत बढ़कर 3,765 करोड़ रुपए रहा। वहीं, कार्गो वॉल्यूम सालाना आधार पर 12प्रतिशत बढ़कर 101 एमएमटी से ज्यादा हो गया है।

### घरेलू बाजार में 200बीपीएस हिस्सेदारी बढ़ी

अडाणी पोर्ट्स के सीईओ और होल टाइम डायरेक्टर करण अडाणी ने कहा कि यह कंपनी का अब तक का सबसे मजबूत तिमाही ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस है। कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक तिमाही कार्गो वॉल्यूम, रेवेन्यू के साथ घरेलू बाजार में लगभग 200बीपीएस की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी की है।

# दो साल में दोगुना हुए एक करोड़ रुपये से अधिक सालाना आय वाले व्यक्तिगत करदाता

**नई दिल्ली ।**

सालाना एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले व्यक्तिगत करदाताओं की संख्या पिछले दो साल में दोगुनी होकर मार्च, 2022 तक 1.69 लाख हो गई है।आकलन वर्ष 2022-23 के आयकर रिटर्न के आंकड़ों (वित्त वर्ष 2021-22 की अर्जित आय से संबंधित) के अनुसार, कुल 1,69,890 लोगों ने अपनी सालाना कमाई एक करोड़ रुपये से अधिक दिखाई है। आकलन वर्ष 2021-22 में ऐसे लोगों की संख्या 1,14,446 थी। आकलन वर्ष 2020-21 में 81,653 व्यक्तिगत करदाताओं ने आय एक करोड़ रुपये से अधिक दिखाई थी। आकलन वर्ष 2022-23 में 2.69 लाख इकाइयों ने अपनी आय एक करोड़ रुपये से अधिक दिखायी। इन इकाइयों में व्यक्तिगत करदाता, कंपनी, फर्म और न्यास शामिल हैं।

### अप्रैल-जून के बीच दाखिल रिटर्न

### की संख्या 1.36 करोड़ के पार

देश में अप्रैल-जून 2023 के बीच दाखिल आयकर रिटर्न की संख्या सालाना आधार पर करीब दोगुना होकर 1.36 करोड़ के पार पहुंच गई। आईटीआर भरने के ऑनलाइन मंच पर उपलब्ध तुलनात्मक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2022-23 में 70.34 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए थे। अप्रैल-जून 2023-24 में यह संख्या 93.76 फीसदी बढ़कर 1.36 करोड़ से अधिक हो गई। आयकर विभाग के मुताबिक, जुलाई में 5.41 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए।

### महाराष्ट्र पहले व यूपी दूसरे स्थान पर

आकलन वर्ष 2022-23 के दौरान भरे गएआयकर रिटर्न की संख्या 7.78 करोड़ थी। आकलन वर्ष 2021-22 में 7.14 करोड़ और आकलन वर्ष 2020-21 में 7.39 करोड़ रिटर्न दाखिल किएगए थे।आकलन वर्ष 2022-23 में महाराष्ट्र सबसे आगे रहा।यहां 1.98 करोड़ रिटर्न भरे गए।उत्तर प्रदेश 75.72 लाख के साथदूसरे स्थान पर रहा। गुजरात में 75.62 लाख और राजस्थान में 50.88 लाख रिटर्न भरे गए। पश्चिम बंगाल में 47.93 लाख, तमिलनाडु में 47.91 लाख, कर्नाटक में 42.82 लाख और दिल्ली में 39.99 लाख आयकर रिटर्न दाखिल हुए।

पेपाल ने लॉन्च किया स्टेबल कॉइन

# ये ऐसी पहली बड़ी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी फर्म जिसने डिजिटल करेंसी को पेमेंट के लिए शामिल किया

**वॉशिंगटन।**

पेमेंट कंपनी पेपाल ने स्टेबल कॉइन लॉन्च किया है। ये अमेरिकी डॉलर से जुड़ा होगा। ऐसी पहली बड़ी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी फर्म है जिसने डिजिटल करेंसी को पेमेंट और ट्रांसफर के लिए शामिल किया है। इस खबर के सामने आने के बाद कंपनी के शेयरों में 2.66प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी के फाउंडर एलन मस्क हैं। हालांकि, उन्होंने ईबे को साल 2002 में इसे 1.5 अरब डॉलर में बेच दिया था। स्टेबल कॉइन्स, एक तरह की क्रिप्टोकरेंसी है जिसे डॉलर के रेट से जोड़कर अस्थिरता को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। अभी टीथर सबसे बड़ा स्टेबलकॉइन है। स्टेबल कॉइन का नाम है। इसे पेक्सॉस ट्रस्ट नाम की कंपनी जारी करेगी। अभी ये क्रिप्टोकरेंसी अमेरिका में ग्राहकों तक सीमित होगी।

### स्टेबलकॉइन को कभी भी अमेरिकी डॉलर में कर सकते हैं कन्वर्ट

इस स्टेबलकॉइन का एक फायदा यह है कि इसे किसी भी समय अमेरिकी डॉलर में कन्वर्ट किया जा

सकता है। इसका इस्तेमाल बिटकॉइन सहित पेपैल के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध अन्य क्रिप्टोकरेंसी की खरीद और बिक्री के लिए भी किया जा सकता है।

### मेटा साल 2019 में लॉन्च नहीं कर पाया था अपना स्टेबल कॉइन

इससे पहले भी कई बड़ी कंपनियों ने स्टेबल कॉइन पेश करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें फाइनेंशियल रेगुलेटर्स के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। ग्लोबल फाइनेंशियल स्टेबलिटी से जुड़ी चिंताओं के कारण मेटा साल 2019 में अपने स्टेबल कॉइन लिब्रा को लॉन्च नहीं कर पाया था।

### डिजिटल एसेट को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाए

स्टेबल कॉइन में बढ़ती रुचि के जवाब में, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन सहित कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं ने हाल ही में इन डिजिटल एसेट को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाए हैं। यूरोपीय संघ की नीतियां जून 2024 में प्रभावी होने वाली हैं।

### पेपाल ने फिनटेक सेक्टर में बदलाव लाया

पेपाल की शुरुआत 1998 में हुई थी जब पीटर थिएलल और 3 साथियों ने कन्फिनिटी नाम की कंपनी बनाई। कन्फिनिटी के टैबलेट जैसे दिखने वाले डिवाइस के जरिए यूजर्स पैसों का ट्रांजैक्शन कर सकते थे। साल 2000 में मस्क ने अपनी ऑनलाइन बैंकिंग कंपनी के साथ इसका मर्जर कर दिया और कुछ टाइम बाद इसका नाम पेपाल कर लिया। ईबे ने 2002 में इसे 1.5 अरब डॉलर में खरीद लिया। आज के हिसाब से ये रकम करीब 12 हजार करोड़ रुपए होती है।

### भारतीय सांख्यिकीय प्रणाली दुनिया में सबसे बेहतर, एचसी ने कहा- कंपनियों को डाटा मुहैया करानी चाहिए

**नई दिल्ली ।** कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक कंपनी की उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें उसने वर्ष 2021 के लिए अपने परिचालन के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए थे। उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले वस्त्रों की तकनीकी इकाइयों का निर्माण करने वाली मेसर्स मस्तूरलाल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ 2015 में सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू की गई थी। कंपनी ने इसके खिलाफ 2022 में उच्च न्यायालय का रुख किया था। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने हाल के एक फैसले में कहा कि किसी भी कंपनी की ओर से किसी भी तरह की लापरवाही का निस्संदेह देश की आर्थिक नीतियों पर प्रभाव पड़ेगा, जो किसी भी राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। डेटा संग्रह के महत्व पर उच्च न्यायालय ने कहा, यह सार्वजनिक है कि भारतीय सांख्यिकी प्रणाली दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से एक है। देश सांख्यिकीय अनुपालन और अंतर्राष्ट्रीय प्रथाओं पर एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए संयुक्त राष्ट्रीय आर्थिक और सामाजिक आयोग के सभी अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठनों में भाग लेता है। अदालत ने कहा कि इसलिए अधिनियम के तहत प्रत्येक हितधारक के लिए यह अनिवार्य हो जाता है कि वह अपने आंकड़े सालाना, लगन से प्रस्तुत करे, जैसा कि कानून के तहत आवश्यक है या कानून की धारा 15 के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ता है।

# सनी पाजी को सीमा-अंजू की कहानी गले नहीं उतरी, गदर-2 की सक्सेस पर यकीन

**मुंबई (ईएमएस)।** सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा स्टारर गदर-2 जल्द ही ऑन स्क्रीन होने वाली है। इसमें भी इंडिया-पकिस्तान के दो परिवारों की जबरदस्त मिस्ट्री है। पहले बीवी के लिए सनी पाक गए, अब बेटे के लिए जाएंगे। यहां तक तो ठीक है, लेकिन सनी पाजी को सीमा-अंजू की कहानी गले नहीं उतर रही है। वहीं गदर-2 की सफलता पर उन्हें पूरा चकीन है। फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग नए-नए रिकॉर्ड बना रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि गदर 2 को भी 2001 में रिलीज हुई गदरः एक प्रेम कथा वाला रिस्पॉन्स मिल सकता है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म को लेकर मेक्रस और एक्टर सभी काफी पॉजिटव हैं। इन दिनों सनी देओल और अमीषा पटेल भी फिल्म के प्रमोशन्स में व्यस्त चल रहे हैं। इसी बीच सनी देओल ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में गदर 2 से लेकर पापा धर्मेंद्र, भाई बॉबी देओल, अपने दोनों बेटों करण और राजवीर के अलावा पाकिस्तान से आई सीमा हैदर और फिर अंजू पर भी खुलकर बात की। सनी देओल ने बताया कि पहले गदर 2 बनाने का कोई प्लान नहीं था, लेकिन बाद में फिल्म बनी और ये एक ऐसी फिल्म है, जिसे दर्शक सिनेमाघरों में परिवार के साथ देख सकते हैं। सीमा हैदर और अंजू पर बात करते हुए सनी देओल ने कहा- आजकल लोग एप्स के जरिए मिल रहे हैं। पहले तो ऐसा नहीं होता था। टेक्नोलॉजी बहुत बदल चुकी है। इस पर ज्यादा गौर नहीं करना चाहिए। इसे क्रिटिसाइज नहीं करना चाहिए। टीवी न्यूज चैनल सीमा हैदर और अंजू की जो कहानी चला रही है, मैं तो उससे कनेक्ट ही नहीं कर पा रहा हूं। उसे देखकर कोई धारना नहीं बनाई जा सकती। आज हर चीज एक खबर बनती जा रही है। तो सीमा हैदर की कहानी भी मेरे लिए बस उतनी ही है। सनी देओल ने कहा कि मैं नहीं चाहता था कि गदर 2 बने, लेकिन कहानी लिखी गई। 22 साल बाद फिल्म आ रही है, जिसे फैमिली के साथ देख सकते हैं। सनी ने कहाकि मेरे लिए तारा सिंह एक ऐसा किरदार है, जिसे सब देखना चाहते हैं। सकीना एक ऐसा किरदार है, जो अपने पति से प्यार करती है। दो किरदार हैं, एक पाकिस्तान से और दूसरा हिंदुस्तान से। सारी चीजें जोड़कर फिल्म ये बताती है कि ये एक ही परिवार है। जिस तरह से मैं एडवांस बुकिंग के बारे में सुन रहा हूं, उससे लगता है कि फिल्म हिट होने वाली है। लोग थिएटर्स में जाएंगे और फिल्म एंजॉय करेंगे।

# अपने रोल पर कुमुद मिश्रा को थी आपत्ति, वेब सीरीज लस्ट स्टोरी-2 पर की खुलकर बात

**मुंबई (ईएमएस)।** बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार कुमुद मिश्रा ने अपनी आने वाली वेब सीरीज लस्ट स्टोरी-2 को लेकर खुलकर चर्चा की। उनका कहना है कि मुझे इस सीरीज में काम करने के दौरान खुद के रोल पर भी आपत्ति थी। बता दें कि इस वेब सीरीज की एक कहानी में उन्होंने काजोल के यौन शोषण करने वाले पति की भूमिका निभाई थी। अपनी इस भूमिका के बारे में बात करते हुए कुमुद मिश्रा कहते हैं कि उन्हें इस भूमिका को करने में आपत्ति थी। मुझे संदेह था कि मैं इसे सही से कर पाऊंगा या नहीं। हाल ही में दिए गए अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे और क्या वे उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए स्वीकार करेंगे, यह ऐसी बात थी जो उनके दिमाग में कभी नहीं थी। जब भी मैं कोई भूमिका लेता हूं या कोई निश्चित किरदार निभाता हूं, तो मैं अपने दर्शकों के आधार को ध्यान में नहीं रख सकता। बड़े सितारे ऐसा कर सकते हैं क्योंकि उनकी एक इमेज होती है और लोग उस इमेज को जीना चाहते हैं। लेकिन एक अभिनेता के रूप में मेरे लिए, प्रशंसक आधार कभी भी संदर्भ नहीं होता है, बल्कि एक कलाकार के रूप में मेरी अपनी चुनौतियां मायने रखती हैं। इस किरदार को निभाने और इसके साथ न्याय करने को लेकर झिझक के बारे में बात करते हुए, मिश्रा ने कहा कि इसका कारण यह था कि उन्होंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया था। असफलता का डर था, मैं इसे कर पाऊंगा या नहीं, लेकिन निर्देशक ने मुझ पर बहुत विश्वास दिखाया और इससे मुझे आगे बढ़ने का आत्मविश्वास मिला। जबकि लोग, हाल ही में, ओटीटी पर अश्लीलता का हवाला देते हुए तर्क दे रहे हैं कि यह उन्हें असहज बनाता है, मिशन मजनू और कुट्टी अभिनेता ऐसे मामलों में स्व-सेंसरशिप की वकालत करते हैं। उनका कहना है कि दर्शकों के पास इसे न देखने का विकल्प है। वयस्क सामग्री से लेकर पारिवारिक नाटक तक, सामग्री की कोई कमी नहीं है। आप जो देखना चाहते हैं उसे चुन सकते हैं। लेकिन क्या बनाया जाना चाहिए और क्या नहीं, यह तय करने का जिम्मा कोई क्यों लेना चाहेगा। उन्होंने कहा कि दरअसल, यह तय करने का कोई तरीका नहीं है कि किस बात से किसे नुकसान होगा। आज कल लोग हर बात पर आहत होते हैं। जहां तक उन लोगों की शिकायत है कि लस्ट स्टोरीज जैसी सामग्री परिवार के साथ देखने लायक नहीं है, तो अभिनेता का कहना है कि यह स्पष्ट है कि आप अपने बच्चों के साथ ऐसा शो नहीं देखेंगे। इस बात पर मिश्रा तर्क देते हैं कि ऑनलाइन सामग्री के उपभोक्ता के रूप में, मुझे पता होगा कि किसी विशेष परियोजना के लिए मेरी कंपनी कौन होनी चाहिए। ये बहस मुझे समझ नहीं आती। हम परिवार के साथ बैठकर बात करने का समय नहीं निकल पाते, पर हमें ये लड़ाई करनी है कि हम उनके साथ बैठकर एक फिल्म देख सकते हैं या नहीं।

# लोकप्रिय शो खतरों के खिलाड़ी 13 सुर्खियों में

## -डेजी शाह और अर्चना गौतम में चल रहा विवाद

**मुंबई (ईएमएस)।** छोटे परदे का लोकप्रिय शो खतरों के खिलाड़ी 13 अपने प्रीमियर के बाद से ही सुर्खियों में बना हुआ है। रोहित शेट्टी के इस शो की कंटेस्टेंट डेजी शाह केकेके 13 की अर्चना गौतम के साथ अपने विवाद को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। पूर्व में डेजी ने कहा था कि उन्हें अर्चना एंटरटेनिंग नहीं लगती हैं। दोनों के बीच विवाद बढ़ गया और दोनों को एक-दूसरे के फैनबेस ने ट्रोल भी किया। बाद में, डेजी ने एक बयान जारी किया, जिसमें बताया कि कैसे दर्शकों को शो की पूरी झलक नहीं मिल पाती है। जब अर्चना गौतम के साथ उनके विवाद के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा, वह जो कुछ भी कहती हैं वह ऑन एयर नहीं दिखाया जाता है, तो आखिर उनका क्या मतलब था। जब डेजी शाह से अर्चना गौतम के साथ क्लास और क्रैस को लेकर हुए विवाद के बारे में पूछा गया और तब उन्होंने कहा, वह जो कुछ भी कहती हैं वह ऑन एयर नहीं दिखाया जाता है, तो उनका क्या मतलब था। डेजी शाह ने अपनी बातों को क्लियर किया। उन्होंने कहा, मैंने कहा कि शो से बहुत सी चीजें एडिट की गई हैं क्योंकि एक एपिसोड हम दो दिन तक शूट करते थे और आप जो देख रहे हैं वह एक घंटे का है। उन्होंने कहा, उन्हें कई चीजों में कटौती करने की जरूरत है क्योंकि शो स्टंट के बारे में है। स्टंट को लेकर जितना भी दिखाना है वो दिखाते हैं और इसमें बचे हुए टाइम स्लॉट में वे आपको कुछ ऐसा दिखाएंगे जो आप लोगों के लिए एंटरटेनिंग होगा। हमारे लिए भी था, मैं ऐसा नहीं बोल रही कि हमारे लिए नहीं था, मैं इससे इनकार नहीं कर रही हूं। लेकिन मैं जो कहना चाह रही हूं वह ऐसा है जैसे आप एक घंटे में दो दिन का पूरा कंटेंट नहीं डाल सकते। एडिट कहने से मेरा यही मतलब था। डेजी ने आगे कहा, अब दूसरी बात, उन कमेंट्स के बारे में जो मैं पहले ही कह चुकी हूं, अब मुझे लगता है कि ये वाला जो टॉपिक है ये हम कुछ ज्यादा ही ड्रैग कर रहे हैं।

# शाहरुख खान ने शेयर किया 'जवान' फिल्म का नया पोस्टर

फिल्म पठान को मिले तूफानी रिस्पॉन्स के बाद इस वक्त शाहरुख खान की फिल्म जवान की जमकर चर्चा हो रही है। एटली के निर्देशन में बनी फिल्म जवान 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहरुख ने जवान का नया पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें किंग खान का धांसू लुक नजर आ रहा है। फिल्म जवान के रिलीज होने में ठीक 30 दिन बचे हैं, ऐसे में शाहरुख ने यह नया पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में शाहरुख गंजे सिर, हाथ में बंदूक और आंखों पर चश्मा लगाए नजर आ रहे हैं। इस नए पोस्टर को शेयर करते हुए शाहरुख लिखते हैं, मैं अच्छा हूं या बुरा? केवल 30 दिन बचे हैं...क्या आप तैयार हैं? बेहद पसंद की जाने वाली जवान आज से ठीक 30 दिन बाद यानी 7 सितंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में एक साथ रिलीज होगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि विलेन के रोल के लिए शाहरुख गंजे हुए होंगे, क्योंकि उनकी दोहरी भूमिका है। शाहरुख खान की जवान में साउथ एक्ट्रेस नयनतारा, एक्टर विजय सेतुपति, सान्या मल्होत्रा, प्रियामणि, गिरिजा ओक, संजीता भट्टाचार्य, लहर खान, आलिया कुरेशी नजर आएंगी।

# सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज 'ताली' का ट्रेलर रिलीज

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की वेब सीरीज ताल 15 अगस्त को रिलीज होगी। इस सीरीज का टीजर कुछ दिनों पहले रिलीज किया गया था। इस टीचर को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला और अब इस सीरीज का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज हो गया है। ताली गौरी सावंत के जीवन पर आधारित एक वेब सीरीज है, जिन्होंने तीसरी जातियों के लिए लड़ाई लड़ी, उनके लिए काम किया, उनके अधिकारों के लिए खड़ी हुईं। इस सीरीज में एक्ट्रेस सुष्मिता सेन गौरी सावंत के किरदार में नजर आएंगी। आज रिलीज हुए इस ट्रेलर से गौरी सावंत के बचपन से लेकर अब तक के जीवन सफर का खुलासा हुआ है। ट्रेलर की शुरूआत उनके बचपन से होती है। उनके बचपन का किरदार अभिनेत्री कृतिका देव ने निभाया है। गौरी सावंत को बचपन से ही किस तरह संघर्ष करना पड़ा और आज उन्होंने समाज में क्या मुकाम हासिल किया है, इसका खुलासा इस ट्रेलर में होता है। इस वेब सीरीज का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। इसे क्षितिज पटवर्धन ने लिखा है। यह वेबसीरीज जियो सिनेमा पर दिखाई जाएगी। इस वेब सीरीज में कुल 6 एपिसोड होंगे। अब नेटिजन्स इस सीरीज के ट्रेलर पर कमेंट करके इस सीरीज के लिए काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

# गदर-2 के सेकंड पार्ट में कोई गलती ही नहीं की, उत्कर्ष शर्मा ने शेयर किए शूटिंग एक्सपीरिएंस

सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर गदर-2 थिएटर्स में 11 अगस्त को रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्माण और निर्देशन अनिल शर्मा ने किया है। फिल्म में उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा, सनी देओल के बेटे जीते का रोल प्ले कर रहे हैं। उत्कर्ष ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान फिल्म से जुड़ी खास बातें शेयर कीं। लॉकडाउन के दौरान फर्स्ट पार्ट के राइटर शक्तिमान तलवार ने गदर-2 की कहानी सुनाई। उस वक्त यह तारा सिंह और सकीना के परिवार की ही कहानी थी। इसकी कास्टिंग और टेक्नीशियन को हायर करने की बात चली तब यह तय हुआ कि गदर 2 में गदर- एक प्रेमकथा के ज्यादा से ज्यादा आर्टिस्ट रिपीट किए जाएंगे। क्योंकि ऑडियंस उनके साथ पहले से ही कनेक्टेड है। हालांकि, इसमें से कई एक्टर्स आज हमारे बीच नहीं हैं पर फिर भी हमने कई कलाकार रिपीट किए। फिल्म में बच्चे जीत के किरदार से भी लोगों ने काफी जुड़ाव महसूस किया था। कहानी में जीत के किरदार की जरूरत भी थी तो बस मेरा सिलेक्शन हो गया। लोगों को भरोसा भी था कि मैं अच्छा काम कर सकूंगा। वेट के साथ थोड़ा खेलना पड़ा। जीते का किरदार अब 20-21 साल का है। इसके लिए मैंने अपना वेट लूज किया। बाद में कुछ एक्शन वाले पोर्शन के लिए फिर से थोड़ा बिल्ड अप किया। एक्शन की काफी रिहर्सल हुई। फिल्म में चार-चार एक्शन मास्टर हैं, सबके साथ मेरी रिहर्सल हुई। शुरू के दो-ढाई महीने में मैंने 8 से 9 किलो वजन बढ़ाया। यह एकदम अर्जेंट था, क्योंकि सभी एक्टर्स की डेट फाइनल हो गई थी शूटिंग शुरू होने ही वाली थी। बाद में एक्शन सीन के लिए तीन-चार किलो मसल्स भी बढ़ाने पड़े। डेढ़-दो महीने तक दाढ़ी भी बढ़ानी पड़ी है, क्योंकि डिफरेंट लुक में दिखाई देना था। उनके गुस्से का शिकार तो मैं गदर में ही हो गया था जब मैं चार-पांच साल का था। शूटिंग का पहले ही दिन था। बिना नींद लिए लगातार तीन दिन से शूट कर रहे थे। मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं नींद में था। तारा सिंह और सकीना की शादी का सीन चल रहा था। सनी देओल और अमरीश पुरी के डायलॉग चल रहे थे और हमारे ऊपर कैमरा था। एक शॉट के दौरान मैं पूरी तरह नींद में था और मेरी आंख भी बंद हो गई, तभी मेरे गाल पर एक जोरदार तमाचा पड़ा। मैंने देखा कि सामने पापा खड़े हैं। बोले- सब लोग इतनी मेहनत कर रहे हैं। तुम्हें भी मेहनत करनी है। दर-असल, पापा इस तरह कभी गुस्सा नहीं होते, लेकिन प्रोफेशनलिज्म और काम के मामले में हाई स्टैंडर्ड रखते हैं। सेट पर वो सबसे एक्सपेक्ट करते हैं। मैं पांच साल की उम्र में ही पापा के साथ काम करना सीख गया था। पार्ट 2 की शूटिंग में पापा का वह रूप कभी नहीं देखा। पापा ने मुझे डेडिकेशन सिखाया और बताया कि सेट पर हम बाप-बेटे नहीं, बल्कि डायरेक्टर और एक्टर हैं।

# सेलेना गोमेज को मिला उनका प्यार, गायिका ने स्वीकारा रिश्ता

**लॉस एंजिलिस।** गायिका-अभिनेत्री सेलेना गोमेज, जिन्होंने हाल ही में बॉडी शेमिंग को लेकर नेटिजन्स की आलोचना की थी, द चेनस्मोकर्स स्टार डू टैगगार्ट के साथ समय बिता रही हैं। द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, जाहिर तौर पर यह जोड़ा अपने रिश्ते को दिखाने से डरता नहीं है। 30 वर्षीय गायिका को लगता है कि अब उनको अपना प्यार मिल गया है। पूर्व डिजनी चैनल स्टार को अपने साथी संगीतकार के साथ प्यार है क्योंकि यह जोड़ी नियमित रूप से डेट नाइट्स का आनंद लेती है। मिरर डॉट को डॉट यूके के अनुसार, एक सूत्र ने दावा किया है कि वे अपने रोमांस के शुरूआती चरण में हैं। इस साल के गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स के लिए रेड कार्पेट पर अपनी उपस्थिति के बाद सेलेना को उनके मोटापे के लिए जब कुछ लोगों ने ट्रोल किया तो उन्होंने उसका जवाब देते हुए स्वीकार किया कि वो थोड़ी मोटी हो गई है।

# जॉनी डेप ने बदला अपना लुक, फैंस हुए खुश

**लॉस एंजिलिस।** हॉलीवुड स्टार जॉनी डेप के नवीनतम लुक ने इंटरनेट पर उनके प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया है। इस नए लुक में एक्टर बिना दाढ़ी के नजर आ रहे हैं। दशकों से अपनी सिग्नेचर मूंछों और चेहरे के बालों को मशहूर करने के बाद जॉनी अब क्लीन शेव लुक में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अपनी दाढ़ी को शेव करने के बाद अभिनेता पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। 59 वर्षीय अभिनेता ने अपने दोस्त और पुरस्कार विजेता संगीतकार जेफ बेक के साथ अपने नए क्लीन शेव लुक का अनावरण किया। पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन अभिनेता अपनी पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड के खिलाफ मानहानि के मामले में महीनों पहले कोर्ट रूम में अपनी उपस्थिति से बिल्कुल अलग दिखे। न्यूयॉर्क शहर में अपने नवीनतम शो के बाद, जॉनी को एक नीली धारीदार बेकर बॉय टोपी और बड़े नीले रंग का धूप का चश्मा पहने देखा गया था, जो उनके अधिकांश चेहरे को कवर करता था। फैंस एक्टर के बाहर आने का इंतजार कर रहे थे, बाद में जब अभिनेता बाहर आए तो ऑटोग्राफ पर हस्ताक्षर किए, प्रशंसकों के साथ बातचीत की, और पोज दिए, जो जेफ बेक के साथ उनके नवीनतम प्रदर्शन के बाद उनसे मिलने के लिए लंबे समय तक इंतजार कर रहे थे।

# एमी अवार्डस में हॉलीवुड सितारों का जलवा

छोटे पर्दे के सबसे बड़े सितारे 2022 के एमी अवार्डस में अपने नए और अनोखे फैशन का जलवा दिखा रहे हैं। राचेल लिंडसे एमी अवार्डस में कट-आउट के साथ एक टील ड्रेस पहने हुई थीं। लैवर्न कॉक्स ने एम्मीज रेड कार्पेट पर सिल्वर डिटेलिंग वाला ब्लैक स्ट्रक्चर्ड गाउन पहना। भारतीय मूल के हॉलीवुड अभिनेता हिमेश पटेल ने रेड कार्पेट पर सूट जैकेट पहना। कोनी ब्रिटन गुलाबी रंग में सुंदर हैं और एले फैनिंग ने एम्मी रेड कार्पेट पर गुलाबी और काले रंग का गाउन पहना था। स्पाइडरमैन स्टार एंड्रयू गारफील्ड ने 2022 के एम्मीज में एक सफेद रंग का रूप धारण किया। अभिनेता बेन स्टिलर और बेटी एला स्टिलर एम्मी रेड कार्पेट पर पोज देते हुए विल पॉल्टर ने एक तेज काला सूट पहना है।

सक्सेशन और टेड लासो के कलाकार रात में सबसे अधिक नामांकन (क्रमशः 25 और 20) के साथ आगे बढ़ रहे हैं। द व्हाइट लोटस और एबॉट एलीमेंट्री जैसे नए शो के साथ भी बड़ी जीत की भविष्यवाणी की गई है। वहीं केनन थॉम्पसन समारोह की मेजबानी करने के लिए तैयार हैं। द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट लेखक एरियल डुमास और एंड्रयू एकर ने एम्मीज रेड कार्पेट पर अनुकमित संगठनों का चयन किया। बॉब ओडेनकिर्क का भी एक अलग अंदाज देखने को मिला, वहीं शोंडा राइम्स ने एक काला गाउन पहना है, और ब्रेट गोल्डस्टीन ने एम्मी रेड कार्पेट पर धनुष टाई के साथ एक क्लासिक ब्लैक सूट पहन रखा है। स्क्वीड गेम के सितारे होयोन जंग ने रंगीन पोशाक पहनी है, जबकि ली जंग-जे ने एम्मीज रेड कार्पेट पर एक जड़ा हुआ जैकेट पहना है।

## सूडोकु नवताल- 6517

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 3 | | | |
| | 2 | | | 9 | 5 | | | |
| 9 | | | | | | 6 | | |
| | | | 9 | | | | 3 | 5 |
| | 6 | | | | | | 7 | |
| 4 | 8 | | | | 1 | | 6 | 2 |
| | | 7 | | | | | | 3 |
| | | | 2 | 4 | | | 9 | |
| | | | 8 | | | 2 | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -6516 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |

## शब्दजाल - 7264

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | क | ल | इं | दि | रा | गां | धी | इं | ल | ज |
| र | ट | ल | दे | व | गौ | ड़ा | इं | द्र | ट | वा |
| त | स | ल | ल | र्म | छ | मो | रा | कु | ख | ह |
| च | ज | ज | बि | पु | र | रा | प | मा | ली | र |
| म | र | दो | ग | हा | लं | र | तू | र | झ | ला |
| न | क | ण | प | ह | री | जी | ना | गु | घ | ल |
| मो | अ | स | सिं | या | प | दे | श | ज | ला | ने |
| ह | ता | दा | ई | ह | ब | सा | फ | रा | श | ह |
| न | बा | चे | न | ब्रा | जी | ई | री | ल | प | रु |
| सिं | पा | ला | ल | ब | हा | दु | र | शा | स्त्री | ता |
| ह | रा | जी | व | गां | धी | रा | बा | द | प | न |

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

जवाहरलाल नेहरु, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौडा

**शब्दजाल - 7263 का हल**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | म | र | यु | दो | प | र | तू | ग | झ | दो |
| ज | अ | ल | प | मु | रिं | शो | ना | दि | शा | आं |
| अं | इ | नु | म | ल | दा | ल | ध | र | ला | खें |
| ती | कु | दा | रा | धा | ब | क | प | रि | श | बा |
| स | ति | श | न्न | धा | क | ब | री | ग | वी | र |
| री | रं | ल | प | व | लि | र्त | ऐ | ती | प | ह |
| क | गा | ल | श | गा | प | म | क्रां | कौ | या | हा |
| स | बा | अ | र्जा | त | क | छ | प्प | ग | श | थ |
| म | स | मि | तें | व | न | ज | मृ | शा | जू | द |
| द | र | ल | श | ह | र | औ | र | स | प | ना |
| थो | ड़ | सा | रु | बा | घ | ब | हा | दु | र | क |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## अष्टयोग - 6217

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | 6 | | | 4 |
| | 32 | | 29 | 2 | 32 | |
| 3 | | | 2 | | 6 | 5 |
| | 38 | | 29 | 1 | 29 | 3 |
| | | 4 | 3 | 7 | | |
| 4 | 35 | 2 | 35 | | 30 | 6 |
| 7 | | 3 | | | 2 | 1 |

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

**अष्टयोग 6216 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 5 | 3 | 6 | 1 | 2 | 7 |
| 2 | 31 | 7 | 31 | 4 | 28 | 2 |
| 7 | 2 | 1 | 6 | 3 | 5 | 4 |
| 3 | 34 | 6 | 31 | 6 | 33 | 5 |
| 6 | 5 | 4 | 3 | 2 | 7 | 1 |
| 5 | 31 | 5 | 32 | 7 | 38 | 3 |
| 1 | 3 | 2 | 4 | 5 | 7 | 6 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# विमेंस फीफा वर्ल्ड कप 2023...रेड कार्ड कॉन्ट्रोवर्सी : कम से कम एक मैच नहीं खेल पाएंगी लॉरेन जेम्स; इंग्लैंड जीतकर क्वार्टर फाइनल में

**मुम्बई।**
**विमेंस फीफा वर्ल्ड कप 2023 में इंग्लैंड और नाइजीरिया के बीच खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की स्टार खिलाड़ी लॉरेन जेम्स को बुरे बर्ताव के लिए रेड कार्ड दिया गया। चीन के खिलाफ 6-1 की जीत में टीम के लिए दो गोल करने वाली इंग्लैंड की लॉरेन जेम्स को रेड कार्ड का मतलब है।**

ये स्टार खिलाड़ी कम से कम एक मैच नहीं खेल पाएगी। मैच के 87वें मिनट में नाइजीरिया की डिफेंडर मिशेल एलोजी के खिलाफ बुरे बर्ताव के लिए लॉरेन को पहले यलो कार्ड दिया गया था, लेकिन (वीडियो असिस्टेंट रेफरी) रिव्यू के बाद रेफरी मेलिसा बोर्जास ने उन्हें रेड कार्ड दे दिया। रिप्ले में नजर आया कि लॉरेन, मिशेल के ऊपर पैर रख कर आगे बढ़ी थीं।

### इंग्लैंड ने नाइजीरिया को हराया

स्टार खिलाड़ी लॉरेन जेम्स की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड ने नाइजीरिया को पेनल्टी शूटआउट में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह प्री क्वार्टर मैच फुल टाइम और एक्स्ट्रा टाइम (120 मिनट) के बाद 0-0 से ड्रॉ रहा।

नाइजीरिया के पास बेहतर मौके थे, लेकिन ब्रिस्बेन में लगभग 50,000 दर्शकों के सामने शूटआउट में 10 खिलाड़ी के साथ खेल रही इंग्लैंड को 4-2 से जीत मिली। इंग्लैंड सिडनी में होने वाले क्वार्टर फाइनल में कोलंबिया और जमैका के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगा।

### फुटबॉल में रेड कार्ड का मतलब

यलो कार्ड के बाद भी खिलाड़ी के बर्ताव में सुधार नहीं दिखने पर रेड कार्ड दिया जाता है। रेड कार्ड का मतलब खिलाड़ी को मैदान से बाहर जाना होता है। यदि एक खिलाड़ी को बाहर निकाल दिया जाता है, तो उसकी जगह कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं आ सकता है। इस तरह खिलाड़ियों की संख्या कम हो जाती है।

रेड कार्ड मिलने पर खिलाड़ी को कम से कम एक मैच के लिए बैन कर दिया जाता है। बाकी ऑफेंस कितना बड़ा है, उस पर भी निर्भर करता है कितने मैच का बैन लगेगा। अगर ऑफेंस बड़ा है तो खिलाड़ी के बैन को आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

## न्यूज ब्रीफ

### फवाद आलम ने पाकिस्तान क्रिकेट को अलविदा कहा: यूएसए में लीग क्रिकेट खेलेंगे, 15 साल का रहा करियर

**मुम्बई।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टॉप ऑर्डर बैटर फवाद आलम ने पाकिस्तान क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। फवाद का इंटरनेशनल करियर 15 साल का रहा। 37 साल के फवाद अब यूएसए की लीग क्रिकेट में खेलते नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक वो यूएसए की माइनर लीग क्रिकेट टी-20 टूर्नामेंट की टीम शिकागो किंग्समेन के लिए खेलेंगे। हालांकि अभी तक फवाद के तरह से कोई बयान नहीं आया है। साल 2007 में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले फवाद ने पाकिस्तान के सामी असलम, हम्माद आजम, सैफ बदर और मोहम्मद मोहसिन के क्लब में शामिल हो गए हैं। फवाद से पहले यह खिलाड़ी भी यूएसए में खेलने के लिए अपना देश छोड़ चुके हैं। फवाद ने पाकिस्तान के लिए टी-20 और वनडे में साल 2007 में डेब्यू किया था। फवाद ने 2009 में अपना टेस्ट डेब्यू किया था और उसी मैच में शतक के साथ उन्होंने शुरुआत की थी। फिर अगले दो मैचों के बाद वह बाहर हो गए और 11 साल के गैप के बाद साल 2020 में उनकी टेस्ट टीम में वापसी हुई। फवाद ने पाकिस्तान के लिए कुल 19 टेस्ट, 38 वनडे इंटरनेशनल और 24 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। उनके नाम टेस्ट की 30 पारियों में 1011 रन, वनडे की 36 पारियों में 966 रन और टी-20 इंटरनेशनल की 17 पारियों में 194 रन दर्ज हैं। फवाद ने टेस्ट में 5 और वनडे में एक शतक भी लगाया। इसके अलावा उनके नाम 15 इंटरनेशनल विकेट भी दर्ज हैं। बता दें कि फवाद टी-20 विश्व कप 2009 में पाकिस्तान की विजेता टीम का हिस्सा थे।

### एम्बाप्पे का पीएसजी के साथ अनुबंध विवाद जारी, अभ्यास से इंकार किया

**पेरिस।** स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे का अपने क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से अनुबंध विवाद अभी जारी है। इसी कारण एम्बाप्पे ने पीएसजी की मुख्य टीम के साथ अभ्यास से इंकार कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां पीएसजी ने फ्रेंच लीग में अपना खिताब बरकरार रखने के लिए तैयारी शुरू कर दी। वहीं एम्बाप्पे ए प्रशिक्षण समूह की जगह पर लॉपेट समूह के साथ अभ्यास करेंगे। इस समूह के खिलाड़ियों का मैच में खेलना तय नहीं होता है। क्लब के साथ एम्बाप्पे के अनुबंध का अभी एक साल ही शेष है। इसीलिए भी वह पीएसजी के साथ अपने अनुबंध की समीक्षा नहीं चाहते हैं। वहीं पीएसजी फ्री ट्रांसफर पर एम्बाप्पे को नहीं जाने देना चाहता है और क्लब ने उन्हें बेचने का फैसला किया है। इसी कारण पीएसजी ने उन्हें जापान के प्री सत्र दौरे के लिए नहीं रखा और उनपर 259 मिलियन पाउंड करीब (300 मिलियन यूरो) की भी बोली लगाई हैं।

### अर्जुन राणातुंगा, जिसने श्रीलंकाई क्रिकेट को विश्व में शून्य से शिखर तक पहुंचाया

**नई दिल्ली।** ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध फाइनल में चौका लगाकर टीम को विश्व विजेता बनाने वाले कप्तान थे अर्जुन राणातुंगा। वह श्रीलंकाई क्रिकेट को विश्व में शून्य से शिखर तक पहुंचाने वाले कप्तान थे। 1996 में भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका को दूसरी बार विश्व कप की मेजबानी की जिम्मेदारी मिली। एक ओर दो टीमें मेजबानी में इतिहास दोहराने का विचार कर रही थी, तो दूसरी ओर एक ऐसी टीम थी, जिसके बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि वे विश्व विजेता बनेंगे। परंतु, कप्तान राणातुंगा की अगुआई में श्रीलंका ने इतिहास रच दिया। विश्व कप के इतिहास में पहली बार श्रीलंका ने फाइनल में लक्ष्य का पीछा कर जीत प्राप्त की थी। इससे पूर्व हर बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ही विजेता रही थी। परंतु, उस पूरे टूर्नामेंट में बल्लेबाजी से सभी को चौंकाने वाली टीम श्रीलंका ने वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी का पूरा आयाम बदलकर रख दिया था। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत को चौंकाया था। वहीं, फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध अनुभवी अरविंद डिसिल्वा ने शतक लगाकर पारी को संभाला और कप्तान राणातुंगा ने 47 रनों की अविजित पारी खेल टीम को जिताया था।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023

# भारत सेमीफाइनल में पहुंचा, मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराया

**मुम्बई।**
**भारत ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 के राउंड रॉबिन मैच में मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया को 3-2 से हरा दिया। मलेशिया के खिलाफ जापान की हार के कारण मैच से पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके भारत की ओर से निलाकांता शर्मा (छठे मिनट), हरमनप्रीत सिंह (23वें मिनट) और मनदीप सिंह (33वें मिनट) ने गोल किए। कोरिया की ओर से किम सुंगह्युन ने 12वें मिनट जबकि यैंग जीहुन ने 58वें मिनट में गोल किया।**

### पॉइंट्स टेबल में भारत टॉप पर

इस जीत की साथ भारत चार मैच में 10 पॉइंट्स के साथ टॉप पर चल रहा है। मेजबान टीम ने तीन मैच में जीत दर्ज की है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा।

मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में भारत ने मैच की अच्छी शुरुआती की। निलाकांता ने छठे ही मिनट में भारत को बढ़त दिलाई। भारत का यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं रह सका, और कोरिया ने छह मिनट बाद ही सुंगह्युन के गोल की बदौलत बराबरी हासिल कर ली। सुंगह्युन ने मेनजेई जुंग के पास पर भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक को अपने दमदार शॉट से पछाड़ते हुए गोल किया। पाठक का यह 100वां इंटरनेशनल मैच था।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा रहा। मेजबान टीम ने चार मौके बनाए और 23वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 कर दिया। हाफ टाइम तक भारतीय टीम 2-1 से आगे थी।

### भारत के लिए तीसरा गोल मनदीप किया

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही मनदीप ने शमशेर सिंह के पास पर गोल कर भारत की बढ़त को 3-1 तक पहुंचाया। कोरिया को पेनल्टी कॉर्नर पर और नाकामी हाथ लगी। टीम हालांकि 58वें मिनट में यैंग के मैदानी गोल से भारत की बढ़त को कम करने में सफल रही। कोरिया की टीम ने अंतिम समय में बराबरी का गोल करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली।

### एशिया की छह शीर्ष टीमें हिस्सा ले रही है

इस टूर्नामेंट में एशिया की छह टॉप टीमें (भारत, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया, चीन और पाकिस्तान) हिस्सा ले रही हैं। सिंगल-लेग राउंड-रॉबिन लीग स्टेज के आखिरी में टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 12 अगस्त को खेला जाएगा।

# भारत, ऑस्ट्रेलिया सहित ये चार टीम पहुंचेंगी विश्वकप सेमीफाइनल में : मैक्ग्रा

**सिडनी।**
**भारत में पांच अक्टूबर को शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप को लेकर अटकलों का दौर शुरु हो गया है। कई दिग्गज खिलाड़ी इसको लेकर भविष्यवाणी कर रहे हैं। अब इसी कड़ी में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने कहा है कि विश्वकप कप के सेमीफाइनल में मेजबान भारतीय टीम के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और पाकिस्तान के पहुंचने की अधिक संभावना है। विश्वकप का पहला मुकाबला गत चैंपियन इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा, वहीं टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा।**

भारतीय टीम का पहला मैच 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा। मैक्ग्रा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को विश्व कप से पहले भारत के खिलाफ उसी की धरती पर सीरीज खेलने का लाभ मिलेगा। पिछले कुछ समय से आईसीसी प्रतियोगिताओं में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड हावी रही हैं। इसको देखते हुए मैक्ग्रा का मानना है कि यह इन दोनों टीमों के पास अंतिम चार में पहुंचने का सबसे अच्छा मौका है। इस पूर्व क्रिकेटी ने एमआरएफ पेस फाउंडेशन की अपनी यात्रा के दौरान कहा, ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम एकदिवसीय से काफी अलग है, मुझे लगता है कि वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली शीर्ष चार टीमों में से एक रहेगी। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़े टूर्नामेंट और बड़े मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करना अधिक पसंद है। वे ऐसे अवसर पर काफी अच्छा प्रदर्शन करते हैं और उनके पास पर्याप्त अनुभव है। टीम में कुछ युवा खिलाड़ी भी है। मैक्ग्रा ने कहा, इसके साथ ही टूर्नामेंट की तैयारी के लिए उनकी टीम के पास विश्वकप से पहले उपमहाद्वीप में पर्याप्त मैच खेलने का अवसर भी है। साथ ही कहा, मैंने पाकिस्तान और इंग्लैंड को भी सेमीफाइनल की दौड़ में शामिल किया है, इन दोनो ही टीमों ने पिछले कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में इनकी संभावनाएं काफी अच्छी हैं।

# प्रो कबड्डी लीग ने दसवें सत्र के लिए 84 खिलाड़ियों को बरकरार रखा

**मुंबई।**
**प्रो कबड्डी लीग ने दसवे सत्र के लिए 84 खिलाड़ियों को रिटेन (बरकरार) रखा है। इसमें पीकेएल के प्रदीप नरवाल को यूपी योद्धा ने रिटेन किया है जबकि असलम मुस्तफा इनामदार को पुनेरी पलटन ने रिटेन रखा है। वहीं नौवें सत्र में सबसे महंगे खिलाड़ी अर्जुन देशवाल का जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने पास ही रखा है। इसके साथ ही दसवें सत्र के लिए एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स, रिटेन्ड यंग प्लेयर्स और उपलब्ध नए युवा टैलेंट की घोषणा की गयी। इसमें एक मजबूत टीम बनाए रखने के साथ ही प्रत्येक फ्रेंचाइजी ने कई दिग्गजों को आगामी सत्र के लिए बरकरार रखा है।**

इसमें 3 श्रेणियों में कुल 84 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया। जिनमें से 22 एलीट रिटेन्ड प्लेयर्स (ईआरपी) श्रेणी से, 24 रिटेन्ड यंग प्लेयर्स (आरवाईपी) श्रेणी से और 38 मौजूदा न्यू यंग प्लेयर्स (ईएनवाईपी) श्रेणी से हैं। वहीं जिन खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया गया है, उनमें पवन सहरावत और विकास कंडोला जैसे स्टार खिलाड़ी शामिल हैं। इन सभी खिलाड़ियों को मुंबई में अगले माह सितंबर में होने वाले नीलामी में अलग-अलग फ्रेंचाइजी बोली लगाएंगी।

वहीं प्रो कबड्डी लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, सभी टीमों में रिटेन खिलाड़ियों के साथ, प्रो कबड्डी लीग सीजन 10 पहले से ही एक शानदार प्रतियोगिता होने का वादा करता है। साथ ही कहा कि आगामी नीलामी भी काफी अच्छी होने वाली है। साथ ही कहा कि टीमों द्वारा बनायी रिटेन सूची में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के बीच अच्छा संतुलन है।

# रुतुराज की पत्नी उत्कर्षा बोली, राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का प्रयास जारी रखूंगी

**मुम्बई।**
**युवा क्रिकेटर रुतुराज गायकवाड़ की पत्नी उत्कर्षा ने कहा है कि वह अभी खेलती रहेंगी और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का अपना प्रयास जारी रखेंगी। उत्कर्षा के अनुसार शादी से उनके करियर में कोई बाधा नहीं आयेगी क्योंकि उनके परिजन बेहद सहयोगात्मक हैं। उत्कर्षा ने कहा कि मैं जब तक चाहूंगी और जब तक मेरा शरीर मुझे इजाज़त देगा तब तक मैं खेलती रहूंगी।**

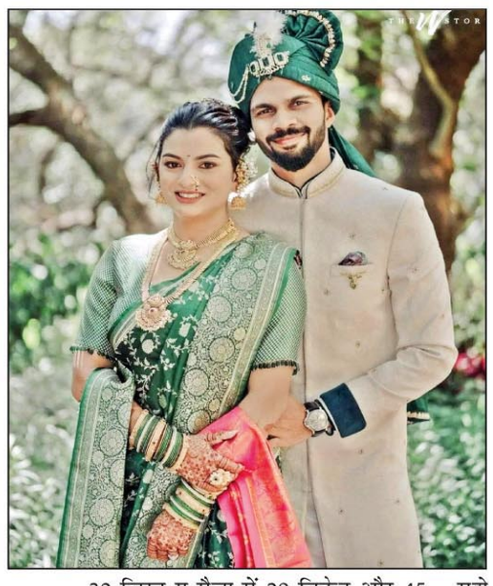

उत्कर्षा और रुतुराज की 3 जून को पुणे में शादी हुई थी। उत्कर्षा ने 2015-16 में महाराष्ट्र की ओर से खेला था। उन्होंने 39 लिस्ट ए मैचा में 28 विकेट और 45 टी20 मैचा में 26 विकेट लिए हैं। अपने करियर पर उन्होंने कहा- अब जब मैं शादीशुदा हूं तो मुझसे बार-बार मेरे करियर के बारे में पूछा जाता है। परिवार के नहीं बल्कि बाहर के लोग ही इसकी चिंता में नजर आ रहे हैं पर मुझे अपने परिवार का पूरा समर्थन है जिससे मेरे लिए खेल जारी रखना संभव है।

उत्कर्षा ने कहा कि मुझे मेरे माता-पिता, पति रुतुराज गायकवाड़ और मेरे ससुराल वालों का पूरा समर्थन है। मैं जब तक चाहूंगी और जब तक संभव हो क्रिकेट खेलती रहूंगी क्योंकि मेरी जिंदगी क्रिकेट के करीब ही घूमती है। वहीं, धोनी के बारे में बोलते हुए उत्कर्षा ने कहा कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की हस्ती कुछ अलग है। जब आप उनसे मिल रहे होते हैं, तो आप उन्हें सर कहकर बुलाते हैं पर वह इतने विनम्र और जमीन से जुड़े हुए हैं, यह अविश्वसनीय है। आईपीएल फाइनल के ठीक बाद मुझे उनसे मिलने का मौका मिला। उनमें हास्य की बहुत अच्छी समझ है और वह अपने आसपास के माहौल को हल्का बनाए रखने की कोशिश करते हैं।

# उम्मीदवारों की आखिरी सूची जारी, करतार उपाध्यक्ष पद की रेस में; कार्यकारी समिति के सात दावेदार

**नई दिल्ली।**
**अपने जमाने के दिग्गज पहलवान करतार सिंह उन पांच उम्मीदवारों में शामिल हैं जो भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में उपाध्यक्ष के चार पदों के लिए दौड़ में हैं। बैंकाक (1978) और सियोल (1986) एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले करतार पूर्व में डब्ल्यूएफआई के महासचिव रह चुके हैं और उन्हें कई वर्षों का प्रशासनिक अनुभव है। उनके अलावा उपाध्यक्ष पद की दौड़ में असित कुमार साहा (बंगाल), जय प्रकाश (दिल्ली), मोहन यादव (मध्य प्रदेश) और एन फोनी (मणिपुर) शामिल हैं।**

अध्यक्ष पद के लिए डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के वफादार संजय कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) और राष्ट्रमंडल खेल 2010 की स्वर्ण पदक विजेता अनीता श्योराण के बीच सीधा मुकाबला होगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 38 वर्षीय अनीता को बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित उन छह पहलवानों का समर्थन हासिल है, जिन्होंने बृजभूषण के खिलाफ जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था। दिलचस्प बात यह है कि अनीता बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले में गवाह भी है।

इन चुनावों के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एमएम कुमार ने जो आधिकारिक सूची जारी की उसके अनुसार संयुक्त सचिव के दो पदों के लिए चार जबकि कार्यकारी समिति के पांच पदों के लिए सात उम्मीदवार मैदान में हैं। बृजभूषण गुट ने सभी 15 पदों के लिए नामांकन भरे हैं और रिपोर्टों के अनुसार वह कई प्रमुख पदों पर जीत के दावेदार हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए बृजभूषण गुट के आईडी नानावटी और असम के देवेंद्र कादियान के बीच मुकाबला होगा।

असम कुश्ती संघ को मतदाताओं की सूची में शामिल कर दिया गया था। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा गठित की गई तदर्थ समिति ने असम को इस सूची में शामिल करने को मंजूरी दी थी। चुनाव अध्यक्ष (1), वरिष्ठ उपाध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (4), महासचिव (1), कोषाध्यक्ष (1), संयुक्त सचिव (2) और कार्यकारी सदस्य (5) पदों के लिए होंगे।

संयुक्त सचिव पद के लिए उम्मीदवार रोहतास सिंह (हरियाणा) रिपोर्टों के अनुसार बृजभूषण गुट को छोड़कर विरोधी खेमे में चले गए हैं। बृजभूषण गुट के एक सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, ''हम 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में उन्हें वोट नहीं देंगे।

### चुनाव के लिए अंतिम सूची इस प्रकार है

**अध्यक्ष:** अनिता श्योराण, संजय कुमार सिंह।
**वरिष्ठ उपाध्यक्ष:** देवेंदर कादियान, आईडी नानावटी।
**उपाध्यक्ष:** असित कुमार साहा, जय प्रकाश, करतार सिंह, मोहन यादव, एन फोनी।
**महासचिव:** दर्शन लाल, प्रेम चंद लोचब।
**कोषाध्यक्ष:** दुष्यंत शर्मा, सत्यपाल सिंह देशवाल।
**संयुक्त सचिव:** बेलिपडी गुणरंजन शेट्टी, कुलदीप सिंह, आरके पुरूषोत्तम, रोहताश सिंह।
**कार्यकारी सदस्य:** अजय वैद, एम. लोगानाथन, नेविकुओली खात्सी, प्रशांत राय, रजनीश कुमार, रतुल सरमा, उम्मेद सिंह।

## तौबा कीजिए ऐसे तेल से...

**बरसात** का मौसम आ चुका है। इस मौसम में पकौड़े, आलू-पूड़ी और जलेबी आदि खाने का बड़ा मन करता है। लेकिन अगर हम एक ही तेल में बार-बार चीजें फ्राई कर खाने लगेंगे तो यह हमारे लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि एक बार किसी चीज को फ्राई करना हो तो तेल का इस्तेमाल कम से कम करें। इतना कम कि अगली बार के लिए वह बचे ही नहीं। कई बार हम लोग कढ़ाही भरकर तेल गैस पर चढ़ा देते हैं और तलने के लिए उसी तेल का बार-बार इस्तेमाल करते हैं। ऐसा हम कई बार करते हैं और तब तक करते हैं, जब तक वह तेल प्रयोग करने लायक न बच जाए। लेकिन इस बात से हम अनजान हैं कि एक बार प्रयोग करने के बाद वैसे भी वह तेल दोबारा इस्तेमाल करने लायक नहीं रहता। उसे फेंक देने में ही समझदारी है। आहार विशेषज्ञों के अनुसार एक बार इस्तेमाल हुआ तेल जब हम दोबारा इस्तेमाल करते हैं तो वह फ्री रेडिकल्स के कारण हमारे भीतर कैंसर को बनाता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि तेल जितनी बार गर्म होने के बाद उबलता है, उतनी बार उसमें कैंसर के कारक बनते हैं। इसलिए जहां से आप तली-भुनी चीज खरीदें, वहां भी तेल के बार-बार उबलने के बारे में पूछ लें। घर पर तो तेल का इस्तेमाल ही इस तरीके से करें कि दोबारा इस्तेमाल के लिए वह बचे ही नहीं।

## अब रिपेयरिंग हुई आसान...

**अब** तक इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण हीट की मदद से रिपेयर किए जाते थे, लेकिन अब एक ऐसी जेल बनाई गई है जो बिना किसी बाहरी उपकरण की मदद से इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट को रिपेयर कर उसे चला सकती है। इस तकनीक में सर्किट के क्रैक और ब्रेक होने पर हीट और लाइट की जरूरत नहीं पड़ती। इस जेल को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास ने रिसर्च के दौरान डेवेलप किया है और वैज्ञानिकों की टीम ने इसे सेल्फ-असेम्बलिंग मेटल-लीगैण्ड जेल और पॉलीमर हाइडरोजेल के कॉम्बिनेशन से बनाया है। यह जेल इलेक्ट्रॉनिक सर्किट को रिपेयर कर उसे कनेक्ट कर देती है और सेल्फ-हीलिंग की मदद से सर्किट को नए की तरह चला देती है। इससे आप सॉफ्ट जॉइंट और सर्किट पार्ट्स को आसानी से ज्वाइन कर सकते है।

## बॉस से रहें दूर...

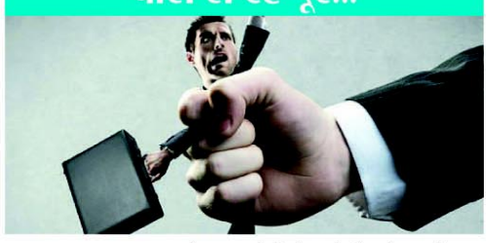

**अगर** आप सचमुच अच्छा अप्रेजल चाहते हैं तो अपने बॉस से दूर रहे। एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि अगर आप अपने बॉस की आसपास वाली सीट पर बैठते हैं तो इससे आपके काम की क्वालिटी पर फर्क पड़ता है। नीदरलैंड की इस रिसर्च के मुताबिक, अगर बॉस से आप दूरी बनाकर रखते हैं तो आप बॉस के बुरे व्यवहार से बच सकते हैं। रिसर्च में यह भी पाया गया कि जो लोग बॉस के करीब होते हैं उनके अलावा बाकियों से बॉस वैसे ट्रीट नहीं करता जैसे अपने करीबियों से या खास एंप्लाई के साथ करता है। इस रिसर्च को अंजाम देने के लिए पांच अलग-अलग तरस के प्रयोग ऑफिस में किए गए, जिनमें पाया गया कि अगर आप बॉस से दूर होते हैं तो आप ऑफिस में अधिक प्रोफेशनल होते हैं यानी आप इमोशनली लोगों से जुड़ नहीं पाते। जब रिसर्च में शामिल प्रतिभागियों से उनके बॉस के बारे में ओपिनियन पूछा गया और तो पाया गया जो लोग बॉस के ज्यादा करीब थे उनको बॉस का बुरा व्यवहार भी झेलना पड़ा है। रिसर्च में पाया गया यदि बॉस से ज्यादा से ज्यादा दूरी रखोगे तो न सिर्फ आप सही तरह से काम कर पाओगे बल्कि आपका बॉस से अच्छा रिश्ता बना रहेगा।

## घर पर तैयार होगी बिजली...

**भारत** के कई भाग अभी भी अंधेरे में रहते हैं। भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए बिजली अभी भी सपना बनी हुई है। बिजली के इस संकट को दूर करने के लिए केरल के रहने वाले दो भाईयों ने एक कमाल का तरीका इजादा किया है। जिससे बेहद कम कीमत में आप पूरे घर के लिए खुद बिजली पैदा कर सकते हैं। दो भाई अरुण और अनूप जॉर्ज ने बिजली संकट को दूर करने के लिए छोटे विंड टरबाइन यानी पवन चक्की को तैयार किया है। इसकी कीमत करीब 50,000 रुपए है जिसे एक आईफोन की कीमत कीमत से भी सस्ता कहा जा सकता है। अरुण का कहना है कि इससे जरा भी पारिस्थितिकी संतुलन पर असर नहीं पड़ेगा। एवांट ग्रेड इंनोवेशन के मुताबिक इन भाईयों ने बेहद कम लागत वाली विंड टरबाइन तैयार की है जो पर्याप्त बिजली उत्पन्न कर सकती है। इससे जीवन भर के लिए पूरे घर में बिजली मिल सकती है। एक छत के पंखा के आकार की यह विंड टरबाइन प्रति दिन 3 से 5 किलोवाट/घंटा बिजली पैदा कर सकती है। अरुण का कहना है कि जब छोटी विंड टरबाइन 1 किलोवाट ऊर्जा पैदा करती है जो इसका खर्च करीब 3-7 लाख रुपये होता है। वे इस विंड टरबाइन को बाजार में लॉन्च करने की योजना बना रहे हैं। कई भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक किफायती विकल्प हो सकता है। बहरहाल अरुण का छोटा विंड टरबाइन प्रोजक्ट अभी शुरुआती दौरा में है। अगर यह हकीकत का रूप लेकर बाजार में आता है तो निश्चित ही बिजली की एक बड़ी समस्या को दूर कर सकता है।

# स्मार्टफोन में छा गईं चीनी कंपनियां...

भारत में अभी 150 से अधिक स्मार्टफोन निर्माता अपने फोन बेच रहे हैं, जिनमें से 50 से अधिक निर्माता एक ही देश चीन के हैं। यानी भारतीय स्मार्टफोन बाजार पर चीनी कंपनियां छा गई हैं। हालांकि स्मार्टफोन बाजार की यह जंग अब 10,000 से 20,000 कीमत के स्मार्टफोन के बीच सिमटी है। ऐसा माना जा रहा है कि इस रेंज में जो जीतेगी वहीं सबसे ज्यादा फोन बेचने वाली कंपनी बनेगी, लेकिन चीनी कंपनियों ने सस्ते फोन बनाने के तगमे को भी हटाया है। आज चीनी कंपनियों के सबसे महंगे स्मार्टफोन भी भारतीय बाजार में मौजूद हैं। यानी सभी तरह के ग्राहकों पर है चीनी कंपनियों की नजर।

**भारतीय** ऐसे स्मार्टफोन को लेना पसंद करते हैं, जिसमें मेटल यूनीबॉडी हो, अच्छी मेमोरी हो, देखने में सुंदर हो और कैमरा अच्छा हो। प्रचलन यह है कि आप फोन से क्या मनोरंजन हासिल करते हैं, क्या सामग्री मिलती है जैसे वीडियो, टीवी, गाने फोन के साथ मिल रहे हैं, ताकि जीवन और मनोरंजक हो जाए। इसके अलावा फोन की कीमत का पहुंच में होना भी एक बड़ा मुद्दा है। लोग 'अपनी तरह का फोन' ढूंढ़ रहे हैं। चीन की स्मार्टफोन कंपनियों ने इसे समझ लिया है। यही वजह है कि वे भारतीय बाजार पर छा गई हैं। चीन की स्मार्टफोन कंपनियों ने सस्ता रोए बार-बार, महंगा रोए एक बार के मुहावरे को पलट कर रख दिया है। देश के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार को कड़ी टक्कर देने के बाद चीन की स्मार्टफोन कंपनियां अपने सस्ते लेकिन बेहतरीन फीचर्स से भरपूर फोन की बदौलत घरेलू स्मार्टफोन बाजार पर तेजी से कब्जा जमा रही हैं। चीनी कंपनियां लुभावनी नीतियों और बेहतरीन रणनीति के साथ भारतीय ग्राहकों का ध्यान खींच रही हैं। कम कीमत में आकर्षक फीचर्स और बेहतरीन डिजाइन वाले ये चीनी स्मार्टफोन युवाओं में काफी लोकप्रिय भी हैं।

### चीनी ब्रांड्स की हिस्सेदारी

घरेलू बाजार में चीन के स्मार्टफोन ब्रांड की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है। लेनोवो, हुवेई, श्याओमी, जेडटीई, वीवो और जियोनी जैसे चीनी ब्रांड इंटेक्स, एप्पल, माइक्रोमैक्स, कार्बन, लावा, सैमसंग और एलजी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। चीन की कंपनियों ने ऑनलाइन माध्यमों का कारगर ढंग से इस्तेमाल कर अपनी प्रचार-प्रसार नीति अपनाई है। चीनी स्मार्टफोन कंपनियों ने ऑनलाइन मीडिया का बड़ी चतुराई और प्रभावशाली ढंग से इस्तेमाल किया है। कम इन्वेंट्री के जरिए कीमतों को नियंत्रित बनाए रखना एक सफल रणनीति है। चीनी ब्रांड मार्केटिंग रणनीति के तहत भारत में निवेश कर रही हैं। चीनी ब्रांड कई वर्षो के शोध के बाद अपना उत्पाद बाजार में पेश करते हैं। युवाओं को ध्यान में रखकर उत्पादों में फीचर्स को तरजीह देते हैं और कीमतों का स्तर इतना कम होता है कि न चाहते हुए भी भारतीय ग्राहक चीनी स्मार्टफोन खरीदने से खुद को रोक नहीं पाते।

### देशी कंपनियों पर दबाव

स्मार्टफोन बनाने वाली चीन की कंपनियों की गतिविधियां भारतीय बाजार में बढ़ने के साथ ही देसी स्मार्टफोन विनिर्माताओं की बाजार हिस्सेदारी पर दबाव बढ़ने लगा है। दूरसंचार हैंडसेट बनाने वाली चीन की कुछ कंपनियों ने भारतीय बाजार में कदम रखा है जबकि कुछ अन्य कंपनियां चीन से अपने कारोबार का संचालन कर रही हैं। विश्लेषकों का कहना है कि श्याओमी, विवो, ओपो, हुआवेई और लीइको जैसी चीन की प्रमुख स्मार्टफोन कंपनियों ने भारतीय बाजार में न केवल अपने कारोबार को सुदृढ़ किया और बिक्री बढ़ाई बल्कि वे अपने ब्रांड को स्थापित करने में भी कामयाब रहे। चीन की कंपनियां डेडिकेटेड वीडियो एवं ऑडियो सामग्री और यूटिलिटी ऐप्लिकेशंस के संदर्भ में ग्राहकों को बेहतर अनुभव मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। जबकि पहले उनका जोर बेहतर हार्डवेयर पर रहता था। इन कंपनियों की कोशिश रंग लाई और वे अपने भारतीय प्रतिस्पर्धियों की बाजार हिस्सेदारी में सेंध लगाने में भी कामयाब दिख रहे हैं। परिणामस्वरूप भारतीय स्मार्टफोन कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट दर्ज की गई है।

### कब क्या बेचना है

चीन की कंपनियां मार्केटिंग में पारंगत हैं। कब, किस समय क्या बेचना है, वह चीन की कंपनियों से बेहतर कोई नहीं जानता। उत्पाद को तैयार करने से लेकर उन्हें बेचने तक में एड़ी से लेकर चोटी तक का जोर लगा दिया जाता है। चीनी कंपनियां भारतीय बाजार को गंभीरता से ले रही हैं। जानकारों के अनुसार, अधिकांश चीनी कंपनियां देश के छोटे शहरों को लक्ष्य करके भारत में अपना कारोबार बढ़ाना चाहती हैं। ये कंपनियां फिलहाल किफायती कीमतों पर ढेर सारे आधुनिक फीचर देने के चलते देश में हर माह दो से तीन लाख स्मार्टफोनों की बिक्री कर रही हैं। इन मोबाइल की कीमत 3,000 से लेकर 40,000 रुपए तक है। चीनी मोबाइल कंपनियां बाजार में सीधे अपने हैंडसेट उतारने के साथ ही ऑनलाइन माध्यम का इस्तेमाल भी कर रही हैं। चीनी मोबाइल बाजार में हिस्सेदारी के मामले में एप्पल को पीछे छोड़ चुकी जियोनी ने भारत में अपने हैंडसेट की ऑनलाइन बिक्री के लिए ई-शॉपिंग पोर्टल जाबोंग के साथ करार किया।

### सस्ते के तगमे को हटाया

इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में चीन की स्मार्टफोन वेंडरों की बाजार हिस्सेदारी 22 फीसदी से ज्यादा हो गई है। चीन की कंपनियों को इस लिहाज से भी फायदा हुआ कि वे अपने सस्ते ब्रांड के तमगे को भी हटाने में कामयाब रहीं। भारतीय बाजार में कदम रखने वाली चीन के नए ब्रांडों की बढ़ती बाजार हिस्सेदारी पर भी सकारात्मक प्रभाव दिखा। हार्डवेयर डिजाइन, सॉफ्टवेयर और यूजर इंटरफेस की ओर झुकाव के लिहाज से चीन की कंपनियों का स्मार्टफोन अनुभव बेहतर रहा। हैंडसेट उतारने और नए चलन को अपनाने में इन कंपनियों का रुख काफी आक्रमक दिख रहा है। भारतीय कंपनियों की अक्षमता से भी उन्हें फायदा मिल रहा है। हालांकि स्मार्टफोन बनाने वाली प्रमुख भारतीय कंपनियों का कहना है कि उनका झुकाव एकसमान मुनाफा वृद्धि और मार्जिन पर है और इसलिए वे बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ में शामिल नहीं हैं।

### मौकों को हासिल किया

**चीनी** लोगों को परिश्रमी और अवसरों को तुरंत हासिल करने वाला माना जाता है। चीनी स्मार्टफोन ब्रांडों में लेनोवो, श्याओमी, जियोनी, विवो और हुआवेई ने भारतीय बाजार में पकड़ मजबूत की है। दरअसल, चीनी स्मार्टफोन ब्रांड मौजूदा समय में भागीदारी के संदर्भ में भारतीय और दक्षिण कोरियाई ब्रांडों के बाद तीसरे पायदान पर हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इंटेक्स, माइक्रोमैक्स, कार्बन और लावा जैसे भारतीय ब्रांडों की एक-तिहाई बाजार भागीदारी है जबकि सैमसंग और एलजी जैसे कोरियाई ब्रांडों की भागीदारी लगभग 25 फीसदी है। कई चीनी ब्रांड भारतीय उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इसका श्रेय उनकी चतुराई को है। चीनी ब्रांडों ने ऑनलाइन मीडिया का बड़ी चतुराई और प्रभावशाली ढंग से इस्तेमाल किया है। कम इन्वेंट्री बनाए रखकर वे कीमतों को नियंत्रित बनाए रखने में सफल रहे हैं। साथ ही उन्होंने बेहद प्रतिस्पर्धी बाजार परिदृश्य में सही भागीदारियां कर अपने ब्रांडों के लिए जरूरी प्रचार एवं स्वीकृति भी हासिल की है। कुछ चीनी ब्रांड मोबाइल फोन के बाहरी निर्माता भी हैं जिससे परिचालन के संदर्भ में उन्हें मजबूती मिल रही है। उनके घरेलू बाजार में उत्पादन लाइन उनके द्वारा पहले ही स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कई वर्षों से प्रौद्योगिकी और शोध एवं विकास के संदर्भ में निवेश किया है।

### इसलिए किया भारत का रुख

चीनी कंपनियों द्वारा भारतीय बाजार को गंभीरता से लेने का एक कारण यह भी है कि चीन में स्मार्टफोन बाजार ठंडा पड़ गया है। वहां चीनी ब्रांड के मोबाइल फोन की मांग सुस्त पड़ गई है, जिस वजह से भी चीन की स्मार्टफोन कंपनियों ने भारत, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों में अपना कारोबार बढ़ा रही हैं। भारत में स्मार्टफोन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। भारत एक युवा देश है और यहां युवाओं में स्मार्टफोन को लेकर खासा क्रेज है, जो भविष्य में और बढ़ने वाला है। भारत में फिलहाल 20 मोबाइल कंपनियां अपने पुर्जो को एसेंबल कर फोन बेच रही हैं और हाल की रपटों के अनुसार भारत 22 करोड़ उपयोगकर्ताओं के साथ अमेरिका के बाद स्मार्टफोन का दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन चुका है।

## भारत में सबसे महंगे चीनी स्मार्टफोन...

पिछले कुछ सालों के अंदर चीन के स्मार्टफोन ब्रैंड्स ने भारतीय स्मार्टफोन मार्केट के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। लेनोवो, जियोनी और शाओमी जैसी कंपनियां पहले से स्थापित सैमसंग, सोनी और एलजी जैसे ब्रैंड्स को कड़ी टक्कर दे रही हैं। देखने को मिला है कि चीन की कंपनियों के ज्यादातर स्मार्टफोन सस्ते या मिड-रेंज सेगमेंट के होते हैं, लेनिक चीनी कंपनियों ने इस धारणा को तोड़ा है और अब उनके महंगे स्मार्टफोन भी भारतीय बाजार में बिकते हैं।

### जियोनी मैराथन एम5 प्लस

जियोनी मैराथन एम5 प्लस में 5020 एमएएच की बैटरी लगी है। इस स्मार्टफोन की कीमत 26,999 रुपए है। यह ऐंड्रॉयड 5.1 लॉलिपॉप पर रन करता है। इसमें 6 इंच का फुल एचडी डिस्प्ले, ऑक्टा कोर मीडियाटेक एमटी6753 प्रोसेसर, 3जीबी रैम, 13 मेगापिक्सल बैक कैमरा और 5 पिक्सल फ्रंट कैमरा है। इसकी इंटरनल मेमरी 64 जीबी है।

### ओपो एफ1 प्लस

ओपो एफ1 प्लस की कीमत 26,990 रुपये है। इसकी खास बात है 16 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा। इसमें 5.5 इंच का फुल एचडी डिस्प्ले, ऑक्टा कोर मीडियाटेक हीलियो पी10 प्रोसेसर, 4जीबी रैम, 64 जीबी स्टोरेज और 2850 एमएएच बैटरी है।

### शाओमी एमआई5

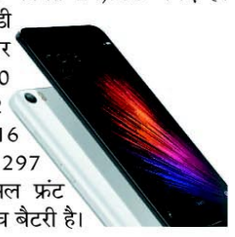

शाओमी एमआई5 की कीमत 24,999 रुपए है। इसमें 5 इंच का फुल एचडी डिस्प्ले, क्वॉड-कोर क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 820 प्रोसेसर, 3जीबी रैम, 32 जीबी इनबिल्ट मेमरी, 16 एमपी सोनी आईएमएक्स 297 बैक कैमरा, 4 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा और 3000 एमएएच बैटरी है।

### वीवो वी3 मैक्स

वीवो वी3 मैक्स की कीमत 23,980 रुपये है। यह ऐंड्रॉयड 5.1 लॉलिपॉप पर रन करता है। इसमें 5 इंच का एचडी डिस्प्ले, ऑक्टा-कोर क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 616 प्रोसेसर, 3जीबी रैम, 32जीबी स्टोरेज, 13 मेगापिक्सल कैमरा, 8 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा और 3000एमएएच बैटरी है।

### जियोनी एस6

मटैलिक बॉडी वाला यह स्मार्टफोन 19,999 रुपए का है। यह ऐंड्रॉयड 5.1 लॉलिपॉप पर आधारित अमीगो यूआई पर रन करता है। इसमें साढ़े 5 इंच का एचडी डिस्प्ले, ऑक्टा-कोर मीडियाटेक एमटी6753 प्रोसेसर, 3जीबी रैम, 32 जीबी स्टोरेज, 13 मेगापिक्सल बैक कैमरा और 5 मेगापिक्सल फ्रंट कैमरा है। इसकी बैटरी 3150एमएएच है।

### कूलपैड मैक्स

चीन की स्मार्टफोन कंपनी कूलपैड के सबसे महंगे फोन कूलपैड मैक्स की कीमत 24,999 रुपए है। यूनीबॉडी मेटल डिजाइन वाले इस स्मार्टफोन में दो वर्चुअल स्पेस बनते हैं- प्राइवेट और मेन। इसमें साढ़े 5 इंच का फुल एचडी डिस्प्ले, ऑक्टा कोर क्वॉलकॉम स्नैपड्रैगन 617 प्रोसेसर, 4जीबी रैम, 64 जीबी इंटरनल मेमरी, 13 मेगापिक्सल बैक कैमरा और 2800 एमएएच बैटरी लगी है।

# स्कॉटलैंड का शानदार इतिहास...

स्कॉटलैंड की फर्स्ट मिनिस्टर निकोला स्टर्जन ने कहा है कि स्कॉटलैंड की संसद ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के फैसले को वीटो कर सकती है। गुरुवार को ब्रिटेन में कराए गए जनमत संग्रह में मतदाताओं ने ब्रिटेन के ईयू से बाहर निकल जाने के पक्ष में वोट दिया था, लेकिन ब्रिटेन में स्कॉटलैंड ने ईयू में रहने के पक्ष में भारी मतदान किया था। अब इस पूरे विवाद में एक नया मोड़ आया है क्योंकि स्कॉटलैंड की फर्स्ट मिनिस्टर निकोला स्टर्जन ने कहा है कि उनका मानना है कि ब्रिटेन के ईयू से बाहर आने के लिए स्कॉटलैंड की संसद को इस बारे में अपनी रजामंदी देनी होगी, लेकिन वो स्कॉटलैंड के सांसदों से कहेंगी कि वो मना कर दें और अपनी रजामंदी न दें।

संभावना जताई जा रही है कि स्कॉटलैंड अब यूनाइटेड किंगडम से अलग हो सकता है। जिस ब्रिटिश साम्राज्य का सूरज कभी अस्त नहीं होता था, उसे अपने ही घर में सूरज अस्त होने की आशंका है। यूनाइटेड किंगडम में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड के अलावा कई छोटे आइलैंड शामिल हैं। ब्रिटेन इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड से मिलकर बना है। संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों में करीब 30 ऐसे देश हैं जो दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जनमत संग्रह के जरिए आजाद हुए। स्कॉटलैंड पिछले 309 साल से इंग्लैंड का साथी है, सहभागी है, सुख-दुःख का मित्र है लेकिन ये भी एक सच्चाई है कि ब्रिटेन में शामिल होने से पहले उसका अपना शानदार इतिहास था।

### वीर योद्धाओं की भूमि

करीब 800 द्वीपों वाले स्कॉटलैंड का 1707 ईस्वी तक अपना एक अलग वजूद था, लेकिन 1 मई 1707 को आयरलैंड, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड को मिलाकर किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन बना। भले ही ये ब्रिटेन का हिस्सा बन गया हो लेकिन इसके बावजूद पूरी दुनिया में स्कॉटलैंड की अलग पहचान रही है। अपने वीर योद्धाओं की वजह से स्कॉटलैंड हमेशा इतिहास में चर्चित रहा है। स्कॉटलैंड की राजधानी एडिनबर्ग इस वीरता का गवाह रही है। सीमा पर होने के कारण एडिनबर्ग हमेशा दुश्मनों से लोहा लेता रहा है। यही वो वीरता है जिसकी वजह से स्कॉटिश पुलिस को आज भी दुनिया में सबसे बेहतरीन माना जाता है।

### बैगपाइपर का संगीत

स्कॉटलैंड की एक और पहचान है बैगपाइपर का अनोखा संगीत। अपने खास अंदाज की वजह से आज यह पूरी दुनिया में फैल चुका है। स्कर्ट पहने पुरुष जब इसे बजाते हुए निकलते हैं तो वो नजारा देखने वाला होता है। स्कॉटलैंड की पहचान खूबसूरत किलों के लिए भी है। यहां के चप्पे-चप्पे पर नए-पुराने किले दिख जाएंगे।

### स्कॉच व्हिस्की

महज 53 लाख की आबादी वाला स्कॉटलैंड कई और भी चीजों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। दुनिया के बेहतरीन गोल्फ कोर्स स्कॉटलैंड में हैं। राजधानी ग्लास्गो को गोल्फ प्रेमियों की जन्नत कहा जाता है। दुनिया भर में मशहूर स्कॉच व्हिस्की भी स्कॉटलैंड की ही देन है।

### लोगों की काबिलियत

स्कॉटलैंड के लोगों ने हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। मशहूर साहित्यकारों से लेकर बड़े-बड़े वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर और एक्टर ने स्कॉटलैंड का नाम रोशन किया है। शरलॉक होम्स को दुनिया के सामने लाने वाले सर ऑर्थर कॉनन डॉयल हों या अगाथा क्रिस्टी, इन्होंने अपनी कलम से पूरी दुनिया में स्कॉटलैंड का नाम मशहूर किया। वैज्ञानिक आविष्कार के मामले में भी स्कॉटिश आगे रहे हैं। टीवी का आविष्कार करने वाले जेएल बेयर्ड हों या टेलीफोन बनाने वाले ग्राहम बेल, पेनिसिलिन के आविष्कारक सर अलेक्जेंडर फ्लेमिंग और भाप इंजन बनाने वाले जेम्स वाट भी स्कॉटलैंड के ही रहने वाले थे।

### ओरिजिनल जेम्स बॉन्ड

हॉलीवुड फिल्मों के ओरिजिनल जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाने वाले शॉन कॉनरी भी स्कॉटलैंड के ही रहने वाले हैं। टेनिस में ब्रिटेन का झंडा बुलंद करने वाले एंडी मरे भी स्कॉटलैंड के हैं। कई महीनों की खामोशी के बाद मरे ने पिछले साल आखिरी वक्त में स्कॉटलैंड की आजादी का समर्थन किया था। स्कॉटलैंड पर कुदरत की खास मेहरबानी रही है। प्रकृति की अनुपम छटा निहारने के लिए दुनिया भर में स्कॉटलैंड से बेहतरीन जगह शायद ही कोई और हो। स्कॉटलैंड की खूबसूरती को निहारने के लिए ब्रिटेन के दूसरे हिस्सों के सैलानी तो यहां पहुंचते ही हैं, दुनिया के दूसरे देशों के लोग भी बड़ी तादाद में हर साल स्कॉटलैंड का दीदार करने के लिए पहुंचते हैं। यही वजह है कि पर्यटन यहां की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा स्तंभ है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**